हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, रविवार 22 फरवरी 2026

Shri Ganesha® SINCE 1974
WE MAKE YOUR LIFE COLOURFUL

51 YEARS OF INNOVATION
PURE BOTANICALS

Rang Jo Khushi Ban Jaye

Organic Corn Starch Scented Gulal

GOOD MANUFACTURING PRACTICE GMP CERTIFIED
CSIR NBRI Estd. 1953 WHERE PLANT-BASED RESEARCH TOUCHES LIFE THROUGH INNOVATION
Safe For Use NON TOXIC Non Irritant
C.S.I.R.-National Botanical Research Institute, Lucknow
QUALITY CONTROL APPROVED
MSME Zed CERTIFICATION ZERO DEFECT ZERO EFFECT
100% QUALITY

TECHNOLOGY BY:
NATIONAL BOTANICAL RESEARCH INSTITUTE, LUCKNOW (UP)
(A UNIT OF C.S.I.R., GOVERMENT OF INDIA)

SCAN FOR CORPORATE GIFTING
www.shriganeshagifts.com
SHRI GANESHA GIFTS

SHRI GANESHA GLOBAL GULAL PVT. LTD.
Raipur | Durg | Rajnandgaon | Delhi

GRAND LAUNCHING

FEB 22 2026

SPECIAL OFFERS
Receive Assured Gifts on every Booking

OWN A FOREST

16 acres
of meticulously planned forest living

foresta
LUXURY IN NATURE

Sarvaswa Resorts,
Old Dhamtari Road,
Tekari, Raipur

SCENIC ENTRANCE

CLUBHOUSE MIMOSA

SWIMMING POOL

ORCHID GARDEN

OLIVE GARDEN

ENVISION YOUR HOMES

PCGRERA150126002026

Disclaimer: Foresta is a land plotting project offering plots for sale only. All home visuals shown are artistic impressions representing potential construction possibilities on the plots. No prebuilt homes are offered for sale. Buyers purchase land to build independently.

CORPORATE OFFICE
3rd floor, Shubham Corporate,
Infront of Airtel Office, Telibandha,
Raipur (C.G.) 492001
E-mail: shriswastikgrp@gmail.com

MARKETED BY NIVESH WEL Investment of Trust

PRESENTED BY SHRI SWASTIK GROUP THE SIGN OF TRUST

IN ASSOCIATION WITH BDA GROUP, SWARNAM DEVELOPERS

PROMOTED BY RBS REALITIES

CALL FOR MORE DETAILS
74008 40000
www.shriswastikgroup.com

आनंद का सच्चा भाव
18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹117077/-
22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹142990/-
24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹156087/-
सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra
ANAND Jewels
Pandri, Raipur
*Conditions apply

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, रविवार 22 फरवरी 2026

वित्त मंत्री कह चुके है, मंत्री बजट राशि के खर्च की गति करें तेज

पीडब्ल्यूडी ने अब तक खर्च किया 28 फीसदी बजट कई मदों में धेला खर्च नहीं, कागजों में अरबों जमा

जिया कुरैशी ▶▶| रायपुर

खास खबर

छत्तीसगढ़ में लोक निर्माण विभाग ने बीते दो साल जमकर खर्च किया। सरकार बनने के बाद करीब दस हजार करोड़ रुपयों के खर्च से सड़क, पुल पुलिया, फ्लाईओवर, भवन के निर्माण किया। लेकिन इस बार चाल धीमी हो गई है। पीडब्ल्यूडी अब तक केवल 28 फीसदी ही खर्च कर पाया है। बजट प्रावधान 8 हजार 5 सौ 37 करोड़ रुपयों का था। इसमें से फरवरी माह तक केवल 2 हजार 354 करोड़ रुपए का व्यय किया गया है। इतना ही नहीं, दर्जनों मद ऐसे हैं जिन पर अब तक धेला भी खर्च नहीं किया गया है। ▶▶| शेष पेज 7 पर

इस तरह समझें

लोक निर्माण विभाग की व्यय एवं अनुदान संबंधी जानकारी के अनुसार वर्ष 2025-26 में विभाग के लिए बजट प्रावधान 8 हजार 537 करोड़ 4 हजार 13 रुपयों का था। इसमें से 2 हजार 354 करोड़ रुपए का व्यय किया गया है। फरवरी 2026 में 276 करोड़ 54 लाख रुपए खर्च हुए हैं। यह आंकड़ा 27.81 प्रतिशत व्यय हुआ है।

8 हजार 537 करोड़ का बजट, अब तक खर्च केवल 2 हजार 354 करोड़

माह 4/2025 से 02 / 2026 का व्यय		आबंटित राशि के विरुद्ध व्यय की गई राशि का प्रतिशत	
आयोजन	आयोजनेत्तर	आयोजन	आयोजनेत्तर
194822.099	41975.533		
236797.633		27.92 %	

नगर विमानन जैसे मदों में शून्य व्यय

कागजों में अरबों का बजट, काम में सन्नाटा

राज्य की व्यय एवं अनुदान रिपोर्ट की पड़ताल में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। लोक निर्माण विभाग के जिन मदों के लिए करोड़ों का प्रावधान किया गया, उनमें से कई में अब तक एक रुपया भी खर्च नहीं हुआ। हवाई पट्टियों के निर्माण और विस्तार तथा नगर विमानन जैसे मदों में शून्य व्यय दर्ज है। इसी तरह राज्य मार्गों के विशेष अनुरक्षण व मरम्मत (ओपी आरएमएसी), ग्रामीण मार्गों की ▶▶| शेष पेज 7 पर

जिन मदों में खर्च नहीं उनकी सूची बहुत लंबी है

लाइवीहुड कॉलेज, बायपास और रिंग रोड निर्माण, भूमि अधिग्रहण मुआवजा, सड़क सुरक्षा परामर्श सेवाएं, महाविद्यालय और उप स्वास्थ्य केंद्र भवन, नाबार्ड सहायता से ग्रामीण मार्ग, यहां तक कि जेल क्वार्टर, प्रशासनिक भवन, जिला सैनिक बोर्ड, खेल प्रशिक्षण भवन और अस्पताल-औषधालय भवनों के निर्माण जैसे मदों में भी व्यय का आंकड़ा शून्य है। लोक शिक्षण संचालनालय, सरकारी शिक्षा महाविद्यालय, सीजी आईटी की स्थापना,खेल मैदानों के रखरखाव हेतु (लघु निर्माण कार्य, खेल प्रशिक्षण भवन का निर्माण, यूथ हास्टल,, कला और संस्कृति भवनों का ▶▶| शेष पेज 7 पर

खर्च की गति बढ़ाने वित्त मंत्री ने पिछले साल लिखा था मंत्रियों को पत्र

बजट की राशि खर्च करने के संबंध में वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने पिछले साल सरकार के सभी मंत्रियों को पत्र लिखा था, उसमें ये बात कही गई थी। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने वर्ष 2024-25 के बजट के अंतर्गत विभिन्न विभागों के मंत्रियों को पत्र लिखा है। वित्त मंत्री ने पांच मंत्रियों के विभागों में बजट की राशि के कम खर्च होने पर यह चिट्ठी लिखी थी। वित्त मंत्री चौधरी ने मंत्रियों से आग्रह किया था कि खर्च की गति बढ़ाई जाए। उन्होंने पत्र में लिखा कि बजट जिस अनुपात में खर्च किया जाना चाहिए था, उस अनुपात में खर्च नहीं हो रहा है। वित्त मंत्री चौधरी ने मंत्रियों को लिखे पत्र में स्पष्ट किया था कि बजट के निर्धारित मापदंड के अनुसार पूंजीगत व्यय के लिए प्रत्येक तिमाही के लिए लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं और इसके अनुसार पूंजीगत व्यय होने से ही कार्यों में निरंतरता के साथ अर्थव्यवस्था को गति मिलती है।

खबर संक्षेप

नवी मुंबई हवाई अड्डे ने शुरू की डिजियात्रा सुविधा

मुंबई। नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ने वाणिज्यिक परिचालन शुरू होने के लगभग दो महीने बाद 'डिजियात्रा' सेवा शुरू करने की घोषणा की है। नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा देश के पांच अन्य हवाईअड्डों के साथ नागर विमानन मंत्रालय के राष्ट्रव्यापी डिजी यात्रा कार्यक्रम में डिजिटल रूप से शामिल हो गया है। उद्घाटन समारोह ऑनलाइन किया गया और इस मौके पर तीन यात्रियों ने प्रतीकात्मक रूप से डिजियात्रा ई-गेट का इस्तेमाल किया।

मादक पदार्थ गिरोह के 5 सदस्य गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में 'स्मैक' की आपूर्ति करने वाले एक अंतरराज्यीय मादक पदार्थ गिरोह से जुड़े पांच संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। उनके पास से लगभग 60 लाख रुपए मूल्य के मादक पदार्थ बरामद किए गए हैं। मुख्य आरोपी की पहचान उत्तर प्रदेश के बदायूं निवासी अमीन खान (24) के रूप में हुई है। उसे 12 फरवरी को पूर्वी दिल्ली के पांडव नगर में नोएडा लिंक रोड के पास से गिरफ्तार किया गया था।

डिवाइडर से टकराई मिनीवैन, पांच की मौत

मेहसाणा। गुजरात के उंझा-मेहसाणा राजमार्ग पर एक मिनीवैन के डिवाइडर से टकराने के बाद एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत हो गई। चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जिनकी पहचान रामलाल कुमावत, कोमल कुमावत, कैलाशभाई कुमावत और आयुष कुमावत (04) के रूप में हुई है। यह घटना तब हुई, जब परिवार अपने पैतृक स्थान पर एक शादी समारोह में शामिल होने के बाद अहमदाबाद लौट रहा था।

डिजिटल दावा, सिस्टम हांफा, ऑनलाइन एफआईआर कराने पर हर जिले में 'एरर'

डिजिटल पारदर्शिता और ऑनलाइन सुगमता के दावों के बीच राज्य की ऑनलाइन एफआईआर व्यवस्था तकनीकी अड़चनों में उलझी रही। क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम यानी सीसीटीएनएस के तहत शुरू की गई सुविधा के तहत टीम हरिभूमि ने एकाउंट बनाकर कई बार एफआईआर दर्ज करने की कोशिश की लेकिन हर बार एरर ही बताया जाता रहा।

गिरीश केशरवानी के साथ विकास चौबे

हरिभूमि एक्सक्लूसिव

रायपुर-बिलासपुर समेत सभी जिलों में ऐसी दिक्कत बताई जाती रही। रायपुर कमिश्नर संजीव शुक्ला ने कहा कि तकनीकी दिक्कत है, उसे जल्द ठीक कर लिया जाएगा। वहीं बिलासपुर एसपी ने कहा कि सर्वर ने काम करना आज ही शुरू किया है। कुछ दिक्कतें हैं जिन्हें जल्द दूर कर दिया जाएगा।

सूत्रों ने बताया कि सर्वर में पखवाड़े भर से परेशानी आ रही है। फरियादियों को थाने जाकर एफआईआर करानी पड़ रही है। हरिभूमि ने ▶▶| शेष पेज 7 पर

टीम हरिभूमि ने कई एकाउंट से एफआईआर की कोशिश की, हर बार एरर बताया

नए और पुराने कानूनों को अपडेट करने में चुनौतियां

चुनौती बन गया सॉफ्टवेयर

पुलिस अधिकारी भी मानते हैं कि स्थानीय ऑफ़लाइन सर्वर और केंद्रीय सर्वर के बीच डेटा सिंक न होने से जानकारी अपडेट होने में देरी होती है। इसके साथ ही सॉफ्टवेयर के धीमा होने और पोर्टल पर तकनीकी बाधाओं के कारण एफआईआर और अन्य रिकॉर्ड दर्ज करने में समय लगता है। इसके साथ ही पुलिस कर्मचारियों में सॉफ्टवेयर के संचालन को लेकर ▶▶| शेष पेज 7 पर

तकनीकी खामी के कारण

सीसीटीएनएस का वर्जन-2 लागू किया जा रहा है, इसलिए तकनीकी खामी के कारण सर्वर डाउन है। खामी दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। समाधान एप में जल्द ही ऑनलाइन शिकायत दर्ज करने के साथ लोग एफआईआर की स्थिति के बारे में जानकारी हासिल कर सकते हैं।

- डॉ. संजीव शुक्ला
पुलिस कमिश्नर रायपुर

सर्वर डाउन, कुछ परेशानी

सीसीटीएनएस पोर्टल और सॉफ्टवेयर में सर्वर डाउन होने और कुछ तकनीकी समस्या के कारण इसे शुरू करने में देरी हुई। अब इसे सुधार लिया गया है।

- पंकज कुमार पटेल, एडिशनल एसपी, बिलासपुर

यौन शोषण के मामले में कोर्ट ने दिया आदेश

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ दर्ज होगा केस

एजेंसी ▶▶| प्रयागराज

प्रयागराज की एक विशेष पॉक्सो अदालत ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ बटुकों के साथ यौन शोषण के आरोपों की जांच के लिए झूंसी पुलिस थाने के प्रभारी को प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया। आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज और अन्य द्वारा दाखिल आवेदन पर विशेष न्यायाधीश विनोद कुमार चौरसिया की अदालत ने पिछले सप्ताह साक्ष्यों को देखने और पीड़ित बटुकों का बयान दर्ज करने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था।

अविमुक्तेश्वरानंद बोले- आरोप फर्जी

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि ये आरोप फर्जी है। सच्चाई सामने आ जाएगी। अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि मेरे खिलाफ फर्जी मुकदमा दायर किया गया था। उन्होंने कहा कि न्यायालय लंबा समय न लगाए, जल्द से जल्द इस पर कार्यवाही शुरू करे। उन्होंने कहा कि आरोप लगाने वाला खुद हिस्ट्रीशीटर है, उसका नाम कई जगह दर्ज है। वो राम भद्राचार्य जी का शिष्य है, ये आरोप कोई विधर्मी नहीं लगा रहा है। लोगों ने झूठा केस लगाया है।

मां का आशीर्वाद और अपार जनस्नेह

- बगिया में आत्मीयता के साथ मना मुख्यमंत्री का जन्मदिन
- राम सदन में सत्यनारायण व्रत कथा श्रवण कार्यक्रम का किया गया आयोजन
- शुभकामनाएं देने वालों का लगा रहा तांता, मुख्यमंत्री ने जताया आभार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का 62वां जन्मदिवस उनके गृहग्राम बगिया में अत्यंत उत्साह, आत्मीयता और पारिवारिक स्नेह के वातावरण में धूमधाम से मनाया गया। मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने गृहग्राम बगिया स्थित अपने घर पहुंचते ही सबसे पहले अपनी माता श्रीमती जसमनी देवी के चरण स्पर्श कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्यमंत्री श्री साय के जन्मदिवस पर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं देने वालों का दिनभर तांता लगा रहा। जनप्रतिनिधियों, अधिकारी-कर्मचारियों तथा बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री को जन्मदिवस की शुभकामनाएं देते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु जीवन की कामना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर सभी के स्नेह, शुभकामनाओं और आत्मीय स्वागत के लिए ▶▶| शेष पेज 7

कार पोल से टकराई, दो सगे भाई सहित तीन की मौत, एक गंभीर

रायपुर/आरंग। राजधानी रायपुर से सटे रायपुर–महासमुंद मार्ग पर शुक्रवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो सगे भाई सहित तीन युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा आरंग थाना क्षेत्र में आरंग नदी के पास हुआ, जहां तेज रफ्तार टाटा विस्टा कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर और लोहे की रेलिंग तोड़ते हुए पोल से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। सड़क हादसा में हर्ष कुमार देवांगन (21), उसका छोटा भाई राहुल देवांगन (20) तथा थानू सतनामी (22) की मौत हुई है। घायल की पहचान मिथिलेश धीवर (23) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार कार टाटा विस्टा सीजी- 4 एचडी 2156 में चार लोग सवार थे। ▶▶| शेष पेज 7 पर

- परिजन को महासमुंद छोड़ कर लौट रहे थे, तेज रफ्तार कार पोल से टकराई

SIKSHA 'O' ANUSANDHAN
SAAT-2026
Empowering students for a brighter future
B.TECH PROGRAMMES IN CORE COMPUTING
Computer Science and Engineering
Computer Science and Information Technology
APPROVAL & RECOGNITIONS
Approved by UGC and AICTE
Re-accredited by NAAC with A++ Grade
Granted with Category-1 Graded Autonomy by UGC
NBA Accredited Programmes
NIRF INDIA RANKINGS 2025
15th Best in University Category
22nd Best in Engineering Category
INTERNATIONAL RANKINGS 2026
Ranked in QS World Rankings 2026
Ranked in Times World Rankings 2026
To apply for admission through SAAT, Please visit: www.soa.ac.in

सबसे पहले लाइफ इंश्योरेंस
LIC भारतीय जीवन बीमा निगम LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA
हर पल आपके साथ
सौ वर्षीय प्लान!
एलआईसी का जीवन उमंग
UIN No.: 512N312V03 PLAN NO: 745
एक पार, नॉन-लिंक्ड, व्यक्तिगत, बचत, आजीवन बीमा प्लान
अंतिम प्रीमियम के बाद से लेकर 99 वर्ष की आयु तक हर वर्ष पाइए मूल बीमाधन राशि का 8% के बराबर गारंटीड उत्तरजीविता लाभ और 100 वर्ष की आयु तक जीवित रहने पर एकमुश्त परिपक्वता लाभ.
विशेषताएँ :
आयु योग्यता : 30 दिन से लेकर 55 वर्ष तक
न्यूनतम मूल बीमाकृत राशि : ₹ 2,00,000/-
अधिकतम मूल बीमाकृत राशि : कोई सीमा नहीं
प्रीमियम भुगतान अवधि : 15, 20, 25 एवं 30 वर्ष
पॉलिसी अवधि : (100 में से प्रवेश पर आयु घटाकर) वर्ष
प्रमुख विशेषताएँ :
100 वर्ष की आयु तक आजीवन जोखिम बीमा-सुरक्षा
पूरी प्रीमियम भुगतान अवधि में बोनस
अंतिम अतिरिक्त बोनस (यदि कोई हो)
ऋण सुविधा
हमारा वॉट्सएप नं. 8976862090 कहिए 'Hi'
अधिक जानकारी के लिए आप अपने बीमा एजेन्ट/नज़दीकी एलआईसी शाखा से संपर्क करें
डाउनलोड करें एलआईसी मोबाइल ऐप LIC digital
कॉल सेन्टर सर्विस (022) 6827 6827
हमें यहाँ फॉलो करें: LIC India Forever
IRDAI Regn No.: 512
LIC/P1/2025-26/32/Hin
धोखेधड़ी वाले फ़ोन कॉल्स तथा झूठे/भ्रामक प्रस्तावों से सावधान रहें. आईआरडीएआई या इनके कर्मचारी बीमा व्यवसाय जैसे कि बीमा पॉलिसियों की बिक्री, बोनस की घोषणा या प्रीमियम्स के निवेश, राशियां लौटाना जैसी कोई भी गतिविधियों में शामिल नहीं होते हैं. जिन पॉलिसीधारकों या संभावित ग्राहकों को ऐसे फ़ोन कॉल्स मिलें, वे कृपया पुलिस में इसकी शिकायत दर्ज करें. कृपया बिक्री के समापन से पहले बिक्री पुस्तिका को ध्यान से पढ़ लें.

अमेरिका, चीन सहित 86 देशों ने स्वीकार किया 'नई दिल्ली घोषणापत्र'

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

भारत की मेजबानी में बीते 16 से 20 फरवरी तक राष्ट्रीय राजधानी के भारत मंडपम में आयोजित किया गया 'इंडिया इंपैक्ट शिखर सम्मेलन-2026' शनिवार को सफलता के साथ संपन्न हो गया है।

जिसकी सबसे बड़ी और ऐतिहासिक उपलब्धि यह रही कि इसमें अमेरिका, चीन, ब्रिटेन और कनाडा सहित दुनिया के कुल 86 देशों और 2 अंतरराष्ट्रीय संगठनों (यूरोपीय संघ, अंतरराष्ट्रीय कृषि विकास कोष) ने सर्वसम्मति से 'नई दिल्ली घोषणापत्र' को स्वीकार किया है। जो इस बात का प्रमाण प्रस्तुत करता है कि भारत द्वारा इस वैश्विक आयोजन की 'सर्वजन हिताय-सर्वजन सुखाय' की थीम यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लाभ को समूची मानवता के साथ बराबरी से साझा करने को भी विश्व समुदाय ने एकस्वर में अपना समर्थन प्रदान किया है। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आयोजन के समापन अवसर पर संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मानव-केंद्रित एआई की सोच और दृष्टिकोण को सम्मेलन के जरिए वैश्विक स्तर पर अंगीकार किया गया है। आर्थिक वृद्धि के साथ सामाजिक भलाई को संतुलित करने को भी प्राथमिकता दी जा रही है। इन दोनों पहलुओं पर ध्यान दिया जाना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा, घोषणापत्र के मुख्य बिंदुओं में सुरक्षा और भरोसे को केंद्र में शामिल किया गया है। साथ ही नवाचार और मानव संसाधन के विकास पर भी इसमें ध्यान केंद्रित किया गया है। विदेश मंत्रालय ने 21 फरवरी को एक बयान जारी कर यह जानकारी दी है।

संपन्न हुआ एआई सम्मेलन

एआई में होगा 250 बिलियन का निवेश

केंद्रीय मंत्री ने ये भी बताया इस सम्मेलन की एक खास बात यह रही कि इसमें सिर्फ और सिर्फ एआई से जुड़े हुए बुनियादी ढांचे के लिए 250 बिलियन डॉलर से अधिक का निवेश सुनिश्चित किया गया है। सभी भागीदार देशों की आयोजन में सक्रिय भागीदारी देखने को मिली है। इसके अलावा सभी ने विषय से जुड़े हुए तमाम महत्वपूर्ण क्षेत्रों में साथ मिलकर काम करने को लेकर सहमति जताई है। सम्मेलन में कुल करीब पांच लाख से अधिक लोगों यानी आगंतुकों ने भाग लिया। बहुत कुछ सीखने को मिला, दुनिया के कई विशेषज्ञों के साथ संवाद हुआ, स्टार्टअप्स ने अपने कार्य को प्रदर्शित किया।

इन 7 स्तंभों पर केंद्रित है घोषणापत्र

- एआई संसाधनों का लोकतंत्रीकरण
- आर्थिक विकास-सामाजिक भलाई
- सुरक्षित और भरोसेमंद एआई
- विज्ञान के लिए एआई
- सामाजिक सशक्तिकरण के लिए पहुंच
- मानव पूंजी विकास
- लचीला, कुशल और नवीन एआई प्रणाली

हैदराबाद हाउस में दोनों देशों के राष्ट्रप्रमुखों के बीच हुआ समझौता

भारत और ब्राजील के बीच 20 अरब डॉलर व्यापार का लक्ष्य, दोनों देशों ने साइन किए कई एमओयू

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

अमेरिका के बाद भारत और ब्राजील के बीच भारत और ब्राजील के बीच क्रिटिकल मिनरल्स और रेयर अर्थ एलिमेंट्स को लेकर कई व्यापार समझौता हुआ, दोनों देशों ने कई एमओयू साइन किए। शनिवार को दिल्ली में दोनों देशों के बीच बैठक हुई है। इस दौरान साल 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 20 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया गया है। पिछले साल यानी 2025 में भारत और ब्राजील के बीच 15.21 अरब डॉलर तक व्यापार हुआ था। इसमें 25% से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है।

भारत का एक्सपोर्ट 8.35 अरब डॉलर और ब्राजील से इंपोर्ट 6.85 अरब डॉलर तक रहा। इसके अलावा ब्राजील में भारतीय निवेश 15 अरब डॉलर से ज्यादा रहा। बता दें कि इन दिनों ब्राजील के राष्ट्रपति लूला और उनका प्रतिनिधिमंडल भारत दौरे पर हैं। शनिवार को हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा की उपस्थिति में भारत और ब्राजील के बीच समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान हुआ।

ब्राजील में डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर सेंटर खोलेगा भारत

बताया गया कि भारत, ब्राजील में डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए एक सेंटर खोलने पर काम कर रहा है। 'एआई, सुपरकंप्यूटर, सेमीकंडक्टर और ब्लॉकचेन जैसे क्षेत्रों में भी अपने सहयोग को प्राथमिकता भारत प्राथमिकता दे रहा है। दोनों देशों का मानना है कि टेक्नॉलाजी समावेशी होनी चाहिए। इसे दोनों देशों के लिए ब्रिज की तरह काम करना चाहिए।

पीएम मोदी बोले- साझा प्रगति के लिए एक सेतु जैसा काम करना चाहिए

भारत दौरे पर हैं ब्राजील के राष्ट्रपति लूला और उनका प्रतिनिधिमंडल

यह कहा मोदी ने

इस दौरान, पीएम मोदी ने कहा कि यह समझौता मजबूत सप्लाई चेन बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। ब्राजील लैटिन अमेरिका में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। हम अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को 20 अरब डॉलर से अधिक तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा व्यापार सिर्फ एक आंकड़ा नहीं है। यह भरोसे का प्रतीक है। पीएम मोदी ने कहा कि मुझे खुशी है कि हम ब्राजील में डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना के लिए एक उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने पर काम कर रहे हैं। हम कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सुपरकंप्यूटर, सेमीकंडक्टर और ब्लॉकचेन जैसे क्षेत्रों में भी अपने सहयोग को प्राथमिकता दे रहे हैं। दोनों देशों का मानना है कि प्रौद्योगिकी समावेशी होनी चाहिए और साझा प्रगति के लिए एक सेतु का काम करना चाहिए।

चीन की निर्भरता कम करने की तैयारी में भारत-ब्राजील

क्रिटिकल मिनरल्स और रेयर अर्थ एलिमेंट्स से जुड़ा समझौता दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी का एक प्रमुख हिस्सा है, जो ग्लोबल सप्लाई चेन में चीन की निर्भरता कम करने, ग्रीन एनर्जी ट्रांजिशन को सपोर्ट करने और विकासशील देशों की आवाज को मजबूत करने पर केंद्रित है। यह समझौता दोनों देशों को कच्चे माल के निर्यातक से आगे बढ़ाकर प्रोसेसिंग, वैल्यू एडिशन और रिसाइक्लिंग में भागीदार बनाने पर जोर देता है।

यह नवीकरणीय ऊर्जा शक्ति की मुलाकात ब्राजील के राष्ट्रपति

ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा ने कहा, 'मेरे प्रिय मित्र मोदी, इस देश में छठी बार आकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। भारत और ब्राजील की यह मुलाकात बेहद खास है। हम सिर्फ ग्लोबल साउथ की दो सबसे बड़ी लोकतांत्रिक ताकतें ही नहीं हैं, बल्कि यह एक डिजिटल शक्ति और एक नवीकरणीय ऊर्जा शक्ति की मुलाकात है। उन्होंने कहा कि भारत और ब्राजील दोनों ही विविधताओं से भरे बड़े देश हैं, सांस्कृतिक उद्योग के बड़े केंद्र हैं और हम दोनों शांति का समर्थन करते हैं। भारत में ब्राजील के राजदूत केनेथ दा नोब्रेगा ने बताया कि राष्ट्रपति लूला भारत की राजकीय यात्रा पर 11 कैबिनेट मंत्रियों, 300 से अधिक कारोबारियों और 50 सीईओ के बड़े प्रतिनिधिमंडल के साथ आए हैं।

दिल्ली में 'लश्कर' के हमले की चेतावनी निशाने पर धार्मिक-ऐतिहासिक जगह

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

आतंकी हमले के इनपुट के बीच हाई अलर्ट पर पुलिस

राजधानी दिल्ली में एक बार फिर आतंकी हमले के इनपुट मिले हैं। सुरक्षा एजेंसियों की ओर से दिल्ली को हाई अलर्ट पर रखा गया है। खबर है कि लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी लाल किले के आसपास एक बार फिर धमाके की साजिश रच सकते हैं। इसके अलावा चांदनी चौक के एक प्रमुख मंदिर को भी निशाना बनाए जाने की आशंका जताई गई है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, लश्कर के आतंकी 6 फरवरी को पाकिस्तान के इस्लामाबाद की एक मस्जिद में हुए धमाके के बाद भारत में भी खौफनाक साजिश को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। खुफिया एजेंसियों को जैसे ही यह इनपुट मिला, दिल्ली पुलिस ने तुरंत लाल किला, चांदनी चौक और आसपास के धार्मिक स्थलों की सुरक्षा बढ़ा दी। भीड़भाड़ वाले इलाकों में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं।

इधर, पंजाब और कश्मीर में दो एलईडी बरामद

पंजाब और कश्मीर में दो अलग-अलग स्थानों पर आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने हाई अलर्ट जारी कर दिया है। यह बरामदगी ऐसे समय हुई है जब दिल्ली में पाकिस्तान के आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा की ओर से हमले की चेतावनी मिली है। पंजाब के अमृतसर में शुक्रवार को रेया पुलिस पोस्ट के पास एक संदिग्ध बैग मिला। पुलिस ने मौके पर बम निरोधक दस्ता बुलाकर जांच की। अमृतसर के एसएसपी सोहेल कासिम मीर ने बताया कि बैग के अंदर आईईडी पाया गया, जिसे बाद में सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय कर दिया गया। वहीं, कश्मीर के गांदरबल जिले के सफापोरा इलाके में भी इसी दिन एक आईईडी बरामद हुआ। सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस की टीम ने इसे भी कुछ ही घंटों में निरस्त कर दिया. यह उत्तर कश्मीर में इस सप्ताह तीसरी आईईडी गिरफ्तारी है, क्योंकि गुरुवार को तंगमार्ग रोड और बारामूला में भी आईईडी मिला था।

SHIVA EMBROCATION OIL
शिव एम्ब्रोकेशन ऑयल
रजि नं. 1721362
कापीराईट नं. 88763/10
दर्द का दुश्मन 25 दर्द की एक दवा - सिर दर्द, कमर दर्द, पसली दर्द या किसी भी अंग के आकस्मिक दर्द पर, दांत-दाढ़ के दर्द पर, चोट, मोच, सूजन पर, सर्दी- जुकाम पर, खांसी व श्वास (दमा) पर, न्यूमोनिया पर, गांठ (मांस की गांठ पड़ जाने पर), गिल्सी पर, टांसिल बढ़ने पर, कुलंग वात (सायटिका) पर, गठिया वात पर, चिकनगुनिया के दर्द पर, पेट फूलने पर, पेट दर्द व गैस पर, ताजे घाव का खून बंद करने के लिए, पके घाव के चारों और सूजन पर, खाज-खुजली पर, उठती हुई फुड़िया, बिस्कुटी आदि पर, खुर्रा पर, बिबाई फटने पर, बर्र काटने पर, बिच्छू काटने पर, थकावट पर असरकारक है।
HMS देखकर खरीदें
नकली माल से सावधान
94060-21769

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 10 लाख रुपए मुआवजे का दिया आदेश

'कैदी की आत्महत्या राज्य पूरी तरह जिम्मेदार'

एजेंसी ⏭ प्रयागराज

इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ पीठ ने शुक्रवार को महत्वपूर्ण फैसला सुनाया। हाई कोर्ट ने कहा कि अगर किसी कैदी की हिरासत में अप्राकृतिक तरीके से मौत होती है, तो उसके लिए पूरी तरह से राज्य सरकार जिम्मेदार होगी, भले ही वह मृत्यु आत्महत्या ही क्यों न हो। हाई कोर्ट ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत गारंटीकृत जीवन और मानवीय गरिमा का अधिकार एक आंतरिक और सर्वव्यापी अधिकार है। जस्टिस शेखर बी सराफ और जस्टिस मंजीव शुक्ला की खंडपीठ ने 20 फरवरी को प्रेमा देवी द्वारा दायर याचिका को स्वीकार करते हुए यह फैसला सुनाया। प्रेमा देवी ने पीलीभीत जिला जेल में अपने नाबालिग बेटे की मौत के लिए मुआवजे की मांग की थी।

मुआवजा देने का निर्देश

अदालत ने प्रतिवादियों- राज्य सरकार और अन्य अधिकारियों को तीन सप्ताह के भीतर कानूनी वारिसों को 10 लाख रुपये का मुआवजा देने का निर्देश देते हुए उत्तर प्रदेश सरकार से मुआवजे के निर्धारण के लिए दिशानिर्देश तैयार करने को भी कहा। फैसले के अनुसार, याचिकाकर्ता के बेटे, जो पॉक्सो मामले में विचाराधीन था। उसने 20 फरवरी, 2024 को आत्महत्या कर ली। उसका शव जेल के शौचालय के वेंटिलेटर से लटका हुआ मिला। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने पहले तीन लाख रुपये के मुआवजे की सिफारिश की थी। मुआवजा न मिलने पर याचिकाकर्ता ने हाई कोर्ट का रुख किया। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया कि मृतक को अवैध पैसों की मांग को लेकर पुलिसकर्मियों द्वारा प्रताड़ित किया गया, जिसके परिणामस्वरूप अंततः उसकी मृत्यु हो गई।

यूनेस्को विश्व धरोहर को लेकर एएसआई ने लिया फैसला

हर रोज खुलेगा अब लाल किला, जारी हुआ आदेश

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली में स्थित ऐतिहासिक लाल किला अब सप्ताह के सभी दिन आगंतुकों के लिए खुला रहेगा। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। पहले यह मुगलकालीन स्मारक प्रत्येक सोमवार को बंद रहता था। लाल किला एक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल भी है। एएसआई ने इस संबंध में एक आदेश जारी किया है। यह आदेश हाल ही में जारी किया गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आदेश के अनुसार लाल किला सोमवार को भी खुला रहेगा। यह आदेश 16 फरवरी से प्रभावी हो गया है। 16 फरवरी को लाल किला खुला था। आदेश पर एएसआई के महानिदेशक के हस्ताक्षर हैं। यह आदेश 13 फरवरी को जारी किया गया था। एएसआई देश के केंद्रीय संरक्षित स्मारकों का प्रबंधन करता है।

नए आदेश का प्रभाव

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने लाल किले को लेकर महत्वपूर्ण बदलाव किया है। इस नए आदेश से पर्यटकों को काफी सुविधा मिलेगी। अब वे सप्ताह के किसी भी दिन लाल किले का भ्रमण कर सकेंगे। पहले सोमवार को लाल किला बंद होने के कारण कई पर्यटक निराश होते थे। यह निर्णय पर्यटन को बढ़ावा देने में सहायक होगा।

ऐतिहासिक महत्व और प्रबंधन

लाल किला दिल्ली का एक प्रमुख ऐतिहासिक स्थल है। यह मुगलकालीन वास्तुकला का एक शानदार उदाहरण है। इसे यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण इस महत्वपूर्ण स्मारक का रखरखाव करता है। एएसआई देश भर में कई अन्य संरक्षित स्मारकों का भी प्रबंधन करता है।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं : पी.एफ.टी., ब्रांकोस्कोपी, स्लीप स्टडी
स्पेशलिस्ट : खांसी, श्वांस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
समय दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड़, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • केमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

सुधा सूरज फर्टिलिटी केयर
डॉ. सूरज कुमार चौधरी MD (Physician, Pathology)
डॉ.सुधा अग्रवाल चौधरी MBBS, MS (OBG) FRM स्त्री रोग विशेषज्ञ, इंफर्टिलिटी कंसल्टेंट
• पुरुष और महिला बांझपन परीक्षण • आईवीएफ, आईयूआई, पीसीओएस, सोनोग्राफी, • सभी पैथोलॉजी परीक्षण (रक्त, मूत्र, मल और वीर्य विश्लेषण) • गर्भवती महिला एवं गर्भाशय की सोनोग्राफी (टीवीएस, डॉपलर 3डी, 4डी)
C-81, VIP Estate, Opposite Ashoka Ratan Gate No.2, Shankar Nagar, Raipur, Mob. 63549 65797, 95120 44488

Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
छाती, एलर्जी एवं सांस से जुड़ी सभी बीमारियों का आधुनिक एवं विशेषज्ञ उपचार एक ही स्थान पर
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल 24 घंटे आपात चिकित्सा
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क : 8962566221, 07714916125, 7223065604

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) (ISO 9001-2000 Certified)
फोन: 0771-4044551 समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

निवेद चेस्ट & आई केयर
डॉ. देवी ज्योति दास M.D. DNB PULMONARY MEDICINE (DELHI) (Gold medalist)
उपलब्ध सुविधायें: एलर्जी, अस्थमा, निमोनिया, फिजीयॉथेरेपी, धुम्रपान नियंत्रण स्लिप स्टडी और आईसीयू केयर
आई केयर सुविधायें: मोतियाबिंद, काला मोतिया, डायबिटिक रेटिनॉपेथी और मेडिकल रेटिना
डॉ. नमित नंदे MS Ophthalmology
24, Central Avenue, Ground Floor, Below SBI Personal Banking Branch, Choubey Colony, Raipur (C.G.), Mob.: 0711-4337888,7697752001

उपलब्ध विशेषताएं • लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल
(मल्टीस्पेशियलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्पलेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
रानी सती मंदिर के पास, केलाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411 www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चों एवं बडों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ष पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

वैरिकोज वेन्स VASCULAR Clinic
वैरिकोज वेन्स & वैस्कुलर क्लिनिक
डॉ. प्रशांत पोटे MD DNB FVIR Interventional Radiologist
• वैरिकोज वेन्स • पैर का अल्सर • डीवीटी • फाइब्रॉइड • थायरॉइड/गॉइटर
पता- 309, लालगंगा बिजनेस पार्क, पचपेड़ी नाका, रायपुर, मोबाईल : 7400628099

पाइल्स क्षारसूत्र विशेषज्ञ
राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक वेलनेस सेंटर
25 वर्षों का अनुभव
11000 से ऊपर सफल चिकित्सा
फाफाडीह / पंडरी, रायपुर, मो. 9039050422

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

रायपुर, रविवार 22 फरवरी 2026 | फाल्गुन शुक्ल पक्ष पंचमी | वर्ष : 24, अंक : 213 | पृष्ठ : 14+4+4 =22, मूल्य : 5.00** | haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

नक्सल प्रभावित जिलों की **कहानी 2**

सुकमा में इस वर्ष 51 दिन में 12 नक्सलियों को किया गया ढेर

फोर्स का प्रयास नक्सली समर्पण कर मुख्यधारा में शामिल हो जाएं

राजेश दास ⏭ जगदलपुर

सुकमा में उखड़ रहे पैर, डीवीसी राजे समेत 13 नक्सली बचे, फोर्स ने कहा-सरेंडर करो या मरो

केंद्र सरकार ने छत्तीसगढ़ में छह जिलों को नक्सल प्रभावित माना है। इनमें बस्तर संभाग के सुकमा, बीजापुर, दंतेवाड़ा, नारायणपुर और कांकेर शामिल हैं। इनमें से सुकमा में फोर्स ने नक्सलियों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया है और कई नक्सलियों को एनकाउंटर में मार गिराया। बीते दो साल में 65 दुर्दांत नक्सलियों को मुठभेड़ में मार गिराया है। इस वर्ष बीते 51 दिन में ही 12 नक्सलियों को सुकमा जिले के अलग अलग इलाकों में हुए मुठभेड़ों में मार गिराने में फोर्स सफल रही है। अब सुकमा में केवल 13 हथियार बंद नक्सली बचे हैं। इनमें डीवीसी मेंबर राजे समेत निचले कैडर ⏭शेष पेज 7 पर

खास खबर

आत्मसमर्पण कर रहे हैं नक्सली

सरकार के नक्सलवाद के खात्मे के डेड-लाइन जारी होने के बाद आत्म समर्पण करने वाले नक्सलियों की संख्या में इजाफा हुआ है। वर्ष 2024 में 326, 2025 में 273 तथा वर्ष 2026 में 102 नक्सली समर्पण कर चुके है। वर्ष 2024 से आज पर्यन्त तक नक्सलियों से मुठभेड़ों व गिरफ्तारी के दौरान 186 अत्याधुनिक हथियार भी बरामद किए जा चुके हैं। इन वर्षों में नक्सलियों के सबसे घातक हथियार माने जाने वाले कमांड व प्रेशर आईईडी की संख्या 141 है, जो नक्सल अभियान के दौरान बरामद किया जा चुका है। नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान नक्सलियों को बहादुरी से मुकाबला करते हुए वर्ष 2024 से अब तक सात जवानों की शहादत हुई है।

मार्च तक खत्म करने का संकल्प

मार्च 2026 तक नक्सल मुक्त बस्तर के संकल्प की प्राप्ति करने सातों जिलों में समन्वित और बहुस्तरीय कार्ययोजना लागू की गई है, जिसके अंतर्गत विशेष रूप से सुकमा, बीजापुर एवं नारायणपुर जिलों में लक्षित रणनीतिक अभियान संचालित किए जा रहे हैं। जनता के सहयोग, सुरक्षा बलों के अदम्य साहस और प्रशासन की दृढ़ प्रतिबद्धता के बल पर बस्तर शीघ्र ही पूर्ण शांति, सुरक्षा और सतत विकास का सशक्त उदाहरण बनकर उभरेगा और बस्तर व छग से जल्द ही नक्सलवाद का खात्मा कर दिया जाएगा।

-सुंदरराज पट्टलिंगम, आईजी बस्तर

मोस्ट वांटेड राजे समेत 13 की तलाश जारी

सुकमा जिले की बात करें तो हथियारबंद नक्सलियों की संख्या केवल 13 है। इनमें डीवीसी राजे के अलावा निचले कैडर के अन्य 12 नक्सली शामिल हैं। एसपी किरण चौहान का कहना है कि निर्धारित डेड-लाइन से पूर्व आत्मसमर्पण नहीं करने पर इन्हें ढूंढकर समाप्त कर दिया जाएगा। राजे केरलापाल डिविजन कमेटी की मेंबर है, जो वर्तमान में इलाके में सक्रिय है। एसपी का कहना है कि नक्सली सरेंडर कर दें, इसके लिए भरसक कोशिश की जा रही है, लेकिन यदि नक्सली सरेंडर नहीं करते है तो जवान उनसे निपटने लगातार ऑपरेशन चला ही रहे है।

शाह बोले-31 मार्च तक खत्म कर दिया जाएगा नक्सलवाद

गुवाहाटी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि सरकार द्वारा निर्धारित 31 मार्च की समयसीमा तक देश से नक्सलवाद का खात्मा कर दिया जाएगा।

पूर्वोत्तर में पहली बार आयोजित 87वीं सीआरपीएफ दिवस परेड को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि जम्मू कश्मीर में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जहां पत्थरबाजी की घटनाओं की संख्या घटकर शून्य हो गई है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा मणिपुर में जातीय हिंसा से निपटने और केवल तीन वर्षों में माओवादियों की कमर तोड़ने के लिए भी सीआरपीएफ को तैनात किया गया। उन्होंने कहा, मैं सीआरपीएफ पर भरोसा कर सकता हूं और विश्वास के साथ कह सकता हूं कि हम 31 मार्च, 2026 तक देश से नक्सल समस्या का सफाया कर देंगे।

छत्तीसगढ़ की प्रशंसा की

गृह मंत्री ने छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर करेंगुटा पहाड़ियों में 21 दिनों के 'ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट' के लिए सीआरपीएफ की प्रशंसा की, जिसमें ⏭शेष पेज 7 पर

ऑस्ट्रेलिया को 17 रनों से हराया

भारतीय बेटियों का ऐतिहासिक प्रदर्शन, टी-20जीती सीरीज

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को तीसरे और निर्णायक मुकाबले में 17 रन से हराकर 2-1 से सीरीज अपने नाम कर ली। भारतीय महिला टीम ने इस जीत के साथ इतिहास रच दिया। ऑस्ट्रेलियाई धरती पर टीम इंडिया ने पहली बार टी20 सीरीज जीती है। शनिवार को एडिलेड में खेले गए तीसरे मुकाबले में भारत ने स्मृति मंधाना (82) और जेमिमा रोड्रिग्स (59) की अर्धशतकीय पारियों की मदद से 20 ओवर में छह विकेट पर 176 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया की टीम निर्धारित ओवरों में नौ विकेट खोकर सिर्फ 159 रन ही बना सकी। इस ⏭शेष पेज 7 पर

मंधाना ने ताबड़तोड़ 82 रन की पारी खेली

टीम इंडिया की तरफ से स्मृति मंधाना ने 82 रन की धुआंधार पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में 55 गेंदों का सामना करते हुए 8 चौके और 3 छक्के की मदद से 82 रन बनाए। हालांकि, वो शतक से चूक गईं।

रोड्रिग्स ने खेली अर्धशतकीय पारी

स्मृति मंधाना के अलावा, इस मैच में जेमिमा रोड्रिग्स ने भी 59 रन की अहम पारी खेली, जिसके दम पर टीम इंडिया ने 177 का लक्ष्य दिया। स्मृति और जेमिमा के बीच 121 रन की तगड़ी साझेदारी भी हुई। जेमिमा ने 46 गेंदों का सामना करते हुए चार चौके की मदद से 59 रन बनाए।

छत्तीसगढ़ में 25 लाख वोटर घटे, रायपुर में सबसे ज्यादा, खैरागढ़ में सबसे कम नाम कटे

छत्तीसगढ़ में अब कुल वोटर...1 करोड़ 87 लाख 30 हजार 914, पहले थी 2 करोड़ 12 लाख 30 हजार 737

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया पूरी हो गई है। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग ने अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन कर दिया है, जिसमें प्रदेश में करीब 24 लाख 99 हजार 823 वोटरों के नाम कटे हैं। सबसे ज्यादा रायपुर जिले में 4 लाख 98 हजार 556 वोटरों के नाम काटे गए हैं। वहीं सबसे कम खैरागढ़ में 9,843 मतदाताओं के नाम कटे हैं। प्रदेश में अब कुल वोटरों की संख्या 1 करोड़ 87 लाख 30 हजार 914 हो गई है।

एसआईआर प्रक्रिया शुरू होने से पहले छत्तीसगढ़ में मतदाताओं की कुल संख्या 2 करोड़ 12 लाख 30 हजार 737 थी। ड्राफ्ट सूची के प्रकाशन के बाद यह संख्या घटकर 1 करोड़ 84 लाख 95 हजार 920 हो गई। दावा-आपत्तियों की सुनवाई के उपरांत अंतिम निर्वाचक नामावली जारी की गई, जिसमें मतदाताओं की संख्या बढ़कर 1 करोड़ 87 लाख 30 हजार 914 हो गई। अंतिम चरण में सुनवाई के बाद 2 लाख 34 हजार 994 मतदाताओं के नाम जोड़े गए। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी यशवंत कुमार ने बताया कि करीब 24 लाख 99 हजार से अधिक नाम सूची से विलोपित किए गए हैं। पूरी प्रक्रिया के दौरान बड़ी संख्या में फर्जी या दोहराव वाले नाम हटाकर सूची को शुद्ध किया गया। अब प्रदेश में कुल मतदाताओं की संख्या 1,87,30,914 रह गई है। उन्होंने इस प्रक्रिया में सहयोग के लिए नागरिकों का आभार जताया।

खास खबर

मतदाता सूची में नाम नहीं है तो करें ये काम

यदि आपका नाम अंतिम प्रकाशित निर्वाचक नामावली में शामिल नहीं है तो नाम दर्ज कराने के लिए फॉर्म 6 भरकर उसके साथ घोषणा पत्र और आवश्यक सहायक दस्तावेज संलग्न कर ऑनलाइन या ऑफलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। यदि अंतिम मतदाता सूची में दी गई जानकारी में कोई त्रुटि है तो फॉर्म 8 भरकर आवश्यक दस्तावेजों के साथ ऑनलाइन या ऑफलाइन सुधार के लिए आवेदन किया जा सकता है।

रायपुर टॉप पर सुकमा में सबसे कम वोटर

वर्ष 2026 की अंतिम मतदाता सूची के अनुसार छत्तीसगढ़ में मतदाताओं की संख्या के मामले में रायपुर जिला शीर्ष पर है, जबकि सुकमा सबसे नीचे है। आंकड़े बताते हैं कि शहरी और अर्ध-शहरी जिलों में मतदाताओं की संख्या अपेक्षाकृत अधिक है, वहीं बस्तर अंचल और नवगठित जिलों में मतदाता संख्या कम बनी हुई है। यह वितरण प्रदेश की जनसंख्या संरचना और क्षेत्रीय संतुलन की स्पष्ट तस्वीर प्रस्तुत करता है।

पारदर्शिता और निष्पक्षता पर जोर

निर्वाचन विभाग के अनुसार, इस अभियान से मतदाता सूची अधिक पारदर्शी और विश्वसनीय बनी है, जिससे आगामी चुनावों में निष्पक्षता सुनिश्चित होगी। विभाग ने स्पष्ट किया है कि सूची के शुद्धिकरण की प्रक्रिया आगे भी जारी रहेगी, ताकि हर पात्र नागरिक को मतदान का अधिकार मिल सके और फर्जी नामों पर रोक लगे।

आप के जिले में मतदाता

रायपुर	1393967
बिलासपुर	1341254
दुर्ग	1135061
रायगढ़	842695
बलौदाबाजार-भाटापारा	840661
कोरबा	818010
महासमुंद	796873
राजनांदगांव	792482
बेमेतरा	725023
सूरजपुर	675186
सक्ति	670283
बालोद	656301
जांजगीर-चांपा	645105
जशपुर	622084
कबीरधाम	607917
धमतरी	606042
सरगुजा	602310
सारंगढ़-बिलाईगढ़	536343
उत्तर बस्तर कांकेर	540273
बस्तर (जगदलपुर)	520392
मुंगेली	446306
गरियाबंद	437624
बलरामपुर	418340
कोंडागांव	379213
मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर	292599
खैरागढ़-छुईखदान-गंडई	216900
गौरेला-पेंड्रा-मरवाही	188855
नारायणपुर	181736
दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा	172864
कोरिया	159816
मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी	158680
बीजापुर	155180
सुकमा	154539

---

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

आरोपी डिप्टी कलेक्टर उइके निलंबित

बालोद। डौंडी क्षेत्र की एक युवती की शिकायत पर राज्य शासन ने डिप्टी कलेक्टर दिलीप उइके को निलंबित कर दिया है।

अधिकारी पर शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने और लाखों रुपए की धोखाधड़ी करने का आरोप है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पीड़िता ने बताया कि वर्ष 2017 में दोनों की पहचान पढ़ाई के दौरान हुई थी। आरोप है कि दिलीप उइके ने शादी का वादा कर संबंध बनाए। युवती का कहना है कि उसने ⏭शेष पेज 7 पर

बस और वैन की टक्कर में चार की मौत

भोपाल। मध्यप्रदेश के भिंड जिले में शुक्रवार देर रात को राष्ट्रीय राजमार्ग पर तेज रफ्तार बस के वैन से टकरा जाने से चार लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। यह हादसा तड़के करीब ढाई बजे राष्ट्रीय राजमार्ग-719 पर गोहद चौराहा थाना क्षेत्र के अंतर्गत चिमका गांव के पास हुआ। यह स्थान जिला मुख्यालय से लगभग 45 किलोमीटर दूर है। गोहद चौराहा के थाना प्रभारी (एसएचओ) मनीष धाकड़ ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि खाली बस ने वैन को टक्कर मार दी, जिससे उसमें सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

भारत सहित सभी देशों पर होगा प्रभाव

ट्रंप ने वैश्विक शुल्क 10 से बढ़ाकर किया 15 फीसदी

एजेंसी ⏭ वाशिंगटन/नई दिल्ली

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को घोषणा की कि सभी देशों पर एक दिन पहले लागू किए गए 10 प्रतिशत वैश्विक शुल्क को बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया गया है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, कल शुल्क को लेकर अमेरिकी उच्चतम न्यायालय के हास्यास्पद, खराब ढंग से लिखे गए और असामान्य रूप से अमेरिका विरोधी फैसले की गहन, विस्तृत और पूरी समीक्षा व कई महीनों के विचार-विमर्श के बाद मैं 10 प्रतिशत वैश्विक शुल्क को बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर रहा हूं।

अब तक वसूल किए 133 अरब डॉलर

अमेरिकी सीमा शुल्क एजेंसी ने दिसंबर तक आईईईपीए के तहत जारी शुल्क आदेशों के तहत कुल 133 अरब डॉलर वसूल किए हैं। हालांकि, जानकारों का कहना है कि इस राशि का रिफंड आयातकों को मिल सकता है, लेकिन आम लोगों को यह रिफंड मिलना मुश्किल है, क्योंकि कंपनियों ने बढ़े हुए शुल्क का बोझ कीमत वृद्धि के रूप में उपभोक्ताओं पर डाल दिया था।

भारत ने तोड़ी चुप्पी, कहा-कर रहे अध्ययन

भारत सरकार ने हम अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले के डेवलपमेंट और इसके असर पर बारीकी से अध्ययन कर रहे है। केंद्रीय वाणिज्य मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि भारतीय सरकार अमेरिकी टैरिफ और उनके प्रभावों से संबंधित घटनाक्रमों की स्टडी कर रही है। इससे पहले केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि केंद्र इस फैसले की जांच करेगा और वाणिज्य मंत्रालय या विदेश मंत्रालय में से कोई एक इस पर आधिकारिक प्रतिक्रिया देगा।

एसीबी की बड़ी कार्रवाई

घर में 90 हजार घूस लेते पकड़ा गया फूड इंस्पेक्टर

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने मस्तूरी के फूड इंस्पेक्टर को राशन दुकान आवंटन मामले में अपने घर में 90 हजार रुपए घूस लेते रंगे हाथों पकड़ लिया। एसीबी ने उक्त फूड इंस्पेक्टर को गिरफ्तार कर लिया है। एंटी करप्शन ब्यूरो डीएसपी अजितेश सिंह ने बताया, मस्तूरी ब्लॉक के ग्राम विद्याडीह निवासी महेंद्र पटेल ⏭शेष पेज 7 पर

दूसरी बार कराई थी पोस्टिंग

फूड इंस्पेक्टर वस्त्रकार पूर्व में मस्तूरी एसडीएम कार्यालय में पदस्थ थे। रिश्वत लेने की शिकायत पर उन्हें वहां से हटाकर खाद्य शाखा जिला मुख्यालय अटैच कर दिया गया था। कुछ दिनों बाद उन्होंने फिर से मस्तूरी में पोस्टिंग करा ली।

सीजीपीएससी परीक्षा आज

ज्वेलरी पर रोक, घड़ी और डार्क कपड़े पर भी पाबंदी

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजीपीएससी) की परीक्षा रविवार 22 फरवरी को आयोजित होगी। इस पर कुल 238 पदों पर भर्ती होगी। पिछले दस वर्षों के आंकड़ों पर नजर डालें तो राज्य सेवा परीक्षा में पदों की संख्या में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। वर्ष 2015 में सर्वाधिक 352 पदों पर भर्ती हुई थी। कोविड काल (2020-21) में पदों की संख्या घटकर 171–175 तक पहुंच गई थी। वर्ष 2024 में 246 पदों के लिए नोटिफिकेशन जारी हुआ था। पिछले कई वर्षों से पदों की संख्या लगभग 200 से 250 के बीच बनी हुई है। इस बार मुख्य नगर पालिका अधिकारी (कक्षा 'ख') के 18 पद, छत्तीसगढ़ ⏭शेष पेज 7 पर

दो घंटे पहले पहुंचना होगा सेंटर

सीजीपीएससी की यह परीक्षा रविवार को दो पालियों में आयोजित की जाएगी। पहली पाली का समय सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक होगा। पेपर-I जनरल स्टडीज के लिए होगा। वहीं दूसरी पाली का समयः दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक है। पेपर-II में एप्टीट्यूड टेस्ट लिया जाएगा। पहली पाली के लिए अभ्यर्थियों को सुबह 8 बजे तक केंद्र पहुंचना होगा। दूसरी पाली के लिए दोपहर 1 बजे तक उपस्थिति अनिवार्य है। पहली पाली में सुबह 9:45 बजे और दूसरी पाली में दोपहर 2:45 बजे मुख्य द्वार बंद कर दिया जाएगा।

---

23 फरवरी से 20 मार्च तक चलेगा सदन, 15 बैठकें होंगी

विधानसभा बजट सत्र कल से, कवासी लखमा सदन में रहेंगे सशर्त उपस्थित

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

खास खबर

छत्तीसगढ़ विधानसभा का बजट सत्र 23 फरवरी से शुरू होकर 20 मार्च तक चलेगा, इस दौरान 15 बैठक प्रस्तावित हैं। बजट सत्र को लेकर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि शराब घोटाला मामले में कांग्रेस के पूर्व मंत्री कवासी लखमा जमानत पर रिहा हो गए हैं, उन्होंने 6 फरवरी को व्यक्तिगत रूप से लिखित में बजट सत्र में शामिल होने के लिए अनुमति मांगी है। शर्तों के मुताबिक कवासी लखमा छत्तीसगढ़ के 23 फरवरी से 20 मार्च तक चलने वाले बजट

सत्र विधानसभा में उपस्थित रहेंगे। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने बताया कि महाधिवक्ता छत्तीसगढ़ के अभिमत अनुसार कवासी लखमा विधानसभा सदस्य को कुछ शर्तों के आधार पर विधानसभा के फरवरी ⏭शेष पेज 7 पर

24 को पेश होगा बजट

विधानसभा अध्यक्ष ने बताया कि वित्तमंत्री ओपी चौधरी वर्ष 2026-2027 का बजट मंगलवार 24 फरवरी को दोपहर 12.30 बजे पेश करेंगे। वित्तमंत्री के बजट भाषण का दूरदर्शन, आकाशवाणी से सीधा प्रसारण किया जाएगा। 26 एवं 27 फरवरी को वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट पर सामान्य चर्चा होगी। 9 से 17 मार्च तक सभा में विभागवार अनुदान मांगों पर चर्चा होगी। 17 मार्च को बजट की मांगों से संबंधित विनियोग विधेयक का पुनर्स्थापन होगा। बजट की मांगों से संबंधित विनियोग विधेयक पर चर्चा कर 18 मार्च को पारित करने की तिथि निर्धारित की गई है।

भारत का नजरिया एआई को कुछ चुनिंदा कंपनियों तक सीमित रखने के बजाय इसे आम आदमी की भाषा और जरूरतों के हिसाब से ढालकर एक डिजिटल क्रांति लाने का है। एआई अब हर क्षेत्र में गहराई से प्रवेश कर चुका है, लेकिन इसके साथ ही बड़े खतरे भी सामने आए हैं- नौकरियों पर असर और स्किल में बड़ा अंतर, डेटा प्राइवेसी और साइबर सुरक्षा, डीपफेक, गलत सूचना और चुनावी हस्तक्षेप भेदभाव और पक्षपात, इंसानी नियंत्रण से बाहर जाती टेक्नोलॉजी का डर। दूसरी एक बड़ी चिंता विदेशी एआई सिस्टम पर निर्भरता और उसके चलते मार्केट कंसंट्रेशन है। फिर भी, एआई अब केवल भविष्य की अवधारणा नहीं, बल्कि वर्तमान का हिस्सा बन चुका है। एआई लोगों को रोजगार देगा। 2025 में भारत में लगभग 2.9 लाख एआई से जुड़े रोजगार के अवसर पैदा हुए और 2026 में इसमें 32% की वृद्धि होने का अनुमान है, जो करीब 3.8 लाख नई नौकरियों का लक्ष्य दिखाता है। हालांकि एआई के लाभ तभी व्यापक होंगे, जब उसका उपयोग केवल बड़े शहरों या बड़ी कंपनियों तक सीमित न रहे, बल्कि गांवों, छोटे उद्यमों और सामान्य नागरिकों तक पहुंचे। साथ ही, सरकार को इस बात पर भी निरंतर नजर रखनी होगी कि एआई का दुरुपयोग, जैसे फेक न्यूज, डीपफेक, साइबर अपराध और डेटा के अनैतिक इस्तेमाल समाज में अस्थिरता न पैदा करें। भरोसा और सुरक्षा, एआई के भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी हैं। ***इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...***

एआई लोगों की मदद करेगा, रहना होगा अलर्ट

विश्लेषण

रवि शंकर

वरिष्ठ पत्रकार

भारत का नजरिया एआई को कुछ चुनिंदा कंपनियों तक सीमित रखने के बजाय इसे आम आदमी की भाषा और जरूरतों के हिसाब से ढालकर एक डिजिटल क्रांति लाने का है। एआई अब हर क्षेत्र में गहराई से प्रवेश कर चुका है, लेकिन इसके साथ ही बड़े खतरे भी सामने आए हैं। जैसे नौकरियों पर असर और स्किल में बड़ा अंतर, डेटा प्राइवेसी और साइबर सुरक्षा, डीपफेक, गलत सूचना और चुनावी हस्तक्षेप भेदभाव और पक्षपात, इंसानी नियंत्रण से बाहर जाती टेक्नोलॉजी का डर। इसलिए हमें एआई को लेकर अलर्ट भी रहना होगा।

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में जो कुछ हुआ, उसने साफ कर दिया कि यह केवल एक ग्लोबल इवेंट नहीं, बल्कि भारत की टेक्नोलॉजी सॉवरेनिटी का वैश्विक शंखनाद था, जिसकी गूंज पेरिस से लेकर न्यूयॉर्क तक सुनाई दी। इसमें शामिल दुनिया के दिग्गज नेताओं से लेकर टेक्नोलॉजी पर राज करने वाली कंपनियों के सीईओ तक ने जो बातें कहीं, वह भारत की चमक बयां करती हैं। इतना ही नहीं, भारत इस समिट के जरिए दुनिया को यह संदेश दिया है कि एआई का विकास सिर्फ ताकतवर देशों का खेल नहीं होना चाहिए, बल्कि यह ऐसा क्षेत्र बने जहां ग्लोबल साउथ की आवाज, जरूरतें और चुनौतियां भी केंद्र में हों। अब तक एआई पर वैश्विक बहस ज्यादातर अमेरिका, यूरोप और चीन के इर्द-गिर्द घूमती रही है, लेकिन भारत जैसे देश के सामने विशाल आबादी, विकासशील अर्थव्यवस्था, डिजिटल डिवाइड, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, विभिन्न भाषाएं और सामाजिक संरचना को लेकर अलग-अलग चुनौतियां हैं। भारत चाहता है कि एआई का इस्तेमाल केवल कॉर्पोरेट मुनाफे या सैन्य ताकत बढ़ाने तक सीमित न रहे, बल्कि यह गरीबी घटाने, सार्वजनिक सेवाओं को बेहतर बनाने और शासन को अधिक पारदर्शी बनाने का औजार बने। एआई समिट के जरिए भारत यह दिखाने की कोशिश कर रहा है कि वह एआई फॉर गुड का मॉडल पेश कर सकता है। वह डेमोक्रेटिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस गवर्नेंस का उदाहरण बन सकता है और ग्लोबल साउथ की चिंताओं को वैश्विक एजेंडे में ला सकता है। बहरहाल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विकास और इस्तेमाल का ग्लोबल हब बनाने का बड़ा विज़न 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' पेश किया है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय भागीदारों से भारत में डिज़ाइन करने और दुनिया को डिलीवर करने का आह्वान किया। इस महत्वाकांक्षा को एआई समिट में भी प्रमुखता से दिखाया गया, जिसने भारत को ग्लोबल साउथ में एक लीडर और दुनिया के मंच पर एक बड़े खिलाड़ी के तौर पर पेश किया। भारत दुनिया में दूसरी सबसे बड़ी आबादी के साथ सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और इसकी कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) क्रांति में महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है। वर्तमान में भले ही अमेरिका और चीन एआई के दो विपरीत ध्रुव बने हुए हैं, लेकिन भारत में एआई लीडर बनने की तीव्र आकांक्षा और क्षमता है। भारत में भी वर्तमान में एआई पर व्यापक शोध कार्य चल रहा है, जो वैश्विक समस्याओं के समाधान में सहायक हो सकता है। एआई का उद्देश्य लोगों की मदद करना है, न कि उनकी जगह लेना। भविष्य में मनुष्य स्मार्ट सिस्टम के साथ मिलकर काम करेंगे।

सरकार की प्रतिबद्धता इंडिया एआई मिशन जैसी बड़ी पहलों से और मजबूत होती है, जिसके लिए अगले पांच सालों में 10,300 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। इसका मकसद कंप्यूटिंग पावर बढ़ाना और सस्ती दरों पर रिसर्च के मौके उपलब्ध कराना है। दुनिया भर में एआई के क्षेत्र में भारत की तेज़ी से हुई तरक्की साफ दिखती है। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी ने इसे अमेरिका और चीन के बाद एआई वाइब्रेंस में तीसरे स्थान पर रखा है। यह तरक्की भले ही गति दिखाती है, लेकिन स्थापित एआई दिग्गजों से मुकाबले के लिए अभी काफी लंबा सफर तय करना बाकी है। अमेरिका प्राइवेट इन्वेस्टमेंट, कंप्यूटिंग क्षमता और फाउंडेशन मॉडल डेवलपमेंट जैसे अहम क्षेत्रों में आगे है, जबकि चीन रिसर्च आउटपुट और पेटेंट जेनरेशन में बाज़ी मारता है। भारत का एआई इकोसिस्टम अभी मैच्योर होने के बजाय तेज़ी से बढ़ रहा है। इस कंपीटिशन के माहौल में न सिर्फ एआई की बुनियादी क्षमताओं में बड़ा निवेश जरूरी है, बल्कि स्वदेशी विकास पर भी खास ध्यान देना होगा, खासकर सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग जैसे क्षेत्रों में, जहां भारत एक उपभोक्ता से निर्माता बनने की ओर बढ़ रहा है।

आज जब दुनिया एआई क्रांति के मुहाने पर है और भारत इस क्षेत्र की तीसरी सबसे सक्षम शक्ति बनने की तैयारी कर रहा है इसी कारण दुनिया भर की नामी एआई कंपनियां देश में दिलचस्पी लेने के साथ भारी निवेश भी कर रही हैं, तब फिर सरकार को एआई क्रांति की चुनौतियों से सावधान रहने के साथ उससे उत्पन्न हो रहे अवसरों को भुनाने के लिए कोई ठोस रूपरेखा बनानी चाहिए। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पूरी तरह डेटा पर आधारित है। इसका मतलब ये है कि किसी भी एआई टूल के पास जितना अधिक डेटा होगा वो मॉडल उतना ही शक्तिशाली होगा। हालांकि, आधार और यूपीआई जैसी डिजिटल सार्वजनिक वस्तुओं के जरिए भारत ने दुनिया को दिखा दिया है कि हम तकनीक को कितने बड़े पैमाने पर लागू कर सकते हैं। अब यही काम हम एआई के साथ करने जा रहे हैं। भारत का नजरिया एआई को कुछ चुनिंदा कंपनियों तक सीमित रखने के बजाय इसे आम आदमी की भाषा और जरूरतों के हिसाब से ढालकर एक डिजिटल क्रांति लाने का है। एआई अब हर क्षेत्र में गहराई से प्रवेश कर चुका है। लेकिन इसके साथ ही बड़े खतरे भी सामने आए हैं- नौकरियों पर असर और स्किल में बड़ा अंतर, डेटा प्राइवेसी और साइबर सुरक्षा, डीपफेक, गलत सूचना और चुनावी हस्तक्षेप भेदभाव और पक्षपात, इंसानी नियंत्रण से बाहर जाती टेक्नोलॉजी का डर। दूसरी एक बड़ी चिंता विदेशी एआई सिस्टम पर निर्भरता और उसके चलते मार्केट कंसंट्रेशन है। फिर भी, एआई अब केवल भविष्य की अवधारणा नहीं, बल्कि वर्तमान का हिस्सा बन चुका है।

एआई इम्पैक्ट समिट 2026 ने यह स्पष्ट संकेत दिया है कि भारत एआई को केवल तकनीक के रूप में नहीं, बल्कि विकास, समावेशन और सुशासन के उपकरण के रूप में देख रहा है। तेजी से बढ़ती एआई प्रतिस्पर्धा के बीच यह शिखर सम्मेलन भारत के लिए अपनी उपलब्धियों को दुनिया के सामने रखने का शानदार अवसर रहा है। एआई के लाभ तभी व्यापक होंगे, जब उसका उपयोग केवल बड़े शहरों या बड़ी कंपनियों तक सीमित न रहे, बल्कि गांवों, छोटे उद्यमों और सामान्य नागरिकों तक पहुंचे। डिजिटल विभाजन को कम किए बिना एआई क्रांति अधूरी रहेगी। साथ ही, सरकार को इस बात पर भी निरंतर नजर रखनी होगी कि एआई का दुरुपयोग, जैसे फेक न्यूज, डीपफेक, साइबर अपराध और डेटा के अनैतिक इस्तेमाल समाज में अस्थिरता न पैदा करें। भरोसा और सुरक्षा, एआई के भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी हैं।

एआई छीनेगा नहीं, लाखों नौकरियां देगा युवाओं को

उम्मीद

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

आजकल हर तरफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की चर्चा है। राजधानी में एआई इंपैक्ट सम्मेलन में हाल ही में संपन्न हुआ है। इसमें करीब डेढ़ दर्जन देशों के राष्ट्राध्यक्ष या प्रधानमंत्री शामिल हुए। इसके अलावा, सारे संसार से प्रतिनिधि भी भाग ले रहे थे। दरअसल, एआई तकनीक मशीनों को इंसानों जैसा सोचने-समझने की ताकत दे रही है। एआई आ रहा है। चैट जीपीटी, मशीन लर्निंग, ऑटोमेशन। बैंक में एआई चैटबॉट्स, फैक्टरियों में रोबोट्स, गवर्नमेंट में ई-गवर्नेंस। कुछ रूटीन काम ऑटोमेट होंगे, लेकिन इतिहास बताता है कि नई तकनीक अंततः ज्यादा रोजगार पैदा करती है। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की रिपोर्ट के अनुसार, एआई से नई स्किल्स वाली नौकरियां बढ़ेंगी। एआई स्पेशलिस्ट, डेटा साइंटिस्ट, मशीन लर्निंग इंजीनियर आदि। एनएएसएससीओएम और अन्य रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत में एआई से 2025-2030 तक लाखों नई नौकरियां आएंगी। एआई टैलेंट की डिमांड 1 मिलियन से ज्यादा होगी, और एआई अपनाने से जीडीपी में 450-500 बिलियन डॉलर का इजाफा होगा। कई अध्ययनों में पाया गया कि एआई से कुछ रूटीन जॉब्स बदलेगी या कम होंगी, लेकिन नई जॉब्स (जैसे एआई कॉन्फिगरेटर, एक्सपीरियंस डिजाइनर) ज्यादा तेजी से बढ़ रही हैं। भारत में एआई से प्रोडक्टिविटी बढ़ेगी, व नए सेक्टर जैसे हेल्थकेयर, एग्रीकल्चर, एजुकेशन में अवसर खुलेंगे। एक बात साफ है कि आज के डिजिटल युग में एआई एक क्रांतिकारी तकनीक बन चुकी है। जहां कुछ लोग एआई को नौकरियों के लिए खतरा मानते हैं, वहीं वास्तविकता यह है कि भारत जैसे युवा-प्रधान देश में एआई नए और बेहतर रोजगार के द्वार खोल रहा है। हाल के वर्षों में भारत ने एआई अपनाने में वैश्विक नेतृत्व हासिल किया है। स्टैनफोर्ड एआई इंडेक्स 2025 के अनुसार, भारत दुनिया में एआई प्रतिभा की भर्ती में सबसे आगे है, जहां सालाना भर्ती दर लगभग 33% है। 2025 में भारत में लगभग 2.9 लाख एआई से जुड़े रोजगार के अवसर पैदा हुए और 2026 में इसमें 32% की वृद्धि होने का अनुमान है, जो करीब 3.8 लाख नई नौकरियों का मतलब है। ये अवसर मुख्य रूप से मशीन लर्निंग, डेटा साइंस, एआई इंजीनियरिंग, क्लाउड कंप्यूटिंग और एआई एथिक्स जैसे क्षेत्रों में उभर रहे हैं। बैंगलोर, हैदराबाद, पुणे और चेन्नई जैसे शहर एआई जॉब्स के प्रमुख केंद्र बन चुके हैं। ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) ने भी 2025 में करीब 4.5 लाख नई नौकरियां जोड़ीं, जिनमें एआई-संचालित भूमिकाएं प्रमुख हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई जैसे नेताओं ने स्पष्ट किया है कि एआई नौकरियां खत्म नहीं करेगा, बल्कि उन्हें बदलकर नई संभावनाएं देगा। भारतएआई मिशन, स्किल इंडिया और विभिन्न एडटेक प्लेटफॉर्म्स के जरिए युवाओं को रीस्किलिंग और अपस्किलिंग का अवसर मिल रहा है। एआई स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में उत्पादकता बढ़ा रहा है, जिससे अप्रत्यक्ष रूप से लाखों सहायक रोजगार सृजित हो रहे हैं। एआई का नेट प्रभाव रोजगार पर सकारात्मक है। यह उत्पादकता बढ़ाता है, नए उद्योग जन्म देता है और उच्च वेतन वाली नौकरियां पैदा करता है। भारत की 65% से अधिक युवा आबादी इस बदलाव का सबसे बड़ा लाभार्थी बनेगी, बशर्ते हम कौशल विकास पर फोकस करें। कंप्यूटर की तरह, एआई भी जॉब किलर नहीं, बल्कि जॉब क्रिएटर साबित होगा। स्पेस टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में काम कर रही सेलेस्टियल एयरोस्पेस के साइंटिस्ट श्रेयांस जैन मानते हैं कि जो लोग एआई सीखेंगे, वे आगे बढ़ेंगे। नई स्किल्स से बेहतर सैलरी, प्रमोशन और अवसर मिलेंगे। पर भारत में प्राइवेट और गवर्नमेंट सेक्टर के लाखों लोग चिंतित हैं कि कहीं, एआई उनकी नौकरी तो नहीं छीन लेगा, लेकिन यह डर पुराना है। याद कीजिए 1980-1990 के दशक को, जब कंप्यूटर भारत में आ रहे थे। तब भी यही डर था कंप्यूटर नौकरियां खा जाएगा। मजदूर यूनियनें सड़कों पर उतरीं, हड़तालें हुईं, विरोध प्रदर्शन हुए। सरकारी दफ्तरों, बैंकों, रेलवे में हर जगह कंप्यूटर का विरोध। लेकिन कंप्यूटर ने भी रोजगार पैदा किए। संदेश साफ है एआई से नौकरियां नहीं छिनेंगी, बल्कि बढ़ेंगी बशर्ते हम इसे अपनाएं, स्किल्स अपग्रेड करें और आगे बढ़ें। सब मिलकर इस नई क्रांति का हिस्सा बनें।

भारत में एआई से 2025-2030 तक लाखों नई नौकरियां आएंगी। एआई टैलेंट की डिमांड 1 मिलियन से ज्यादा होगी और एआई अपनाने से जीडीपी में 450-500 बिलियन डॉलर का इजाफा होगा। इसलिए स्किल्स अपग्रेड करें और आगे बढ़ें।

गलगोटिया जैसी यूनिवर्सिटी पर निगरानी की जरुरत

चिंतन

योगेश कुमार सोनी

वरिष्ठ पत्रकार

दिल्ली के प्रगति मैदान में स्थित भारत मंडपम में एआई इम्पैक्ट समिट 2026 का आयोजन किया गया। पूरी दुनिया से एआई के जानकार और उनसे जुड़े अविष्कारों को दिखाया जा रहा है। इन्हीं सब के बीच ग्रेटर नोएडा स्थित गलगोटिया यूनिवर्सिटी की ओर से दिखाए गए एक रोबोट पर विवाद मच गया है जो एक इंटरनेशनल मुद्दा बन गया। मामला यह है कि गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने जिस रोबोट को खुद के द्वारा तैयार किया गया बताया था, लेकिन वह वो चीन का रोबोट निकला। इसकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया में बहुत तेजी से वायरल हो रही हैं। यही नहीं गलगोटिया यूनिवर्सिटी के ऊपर मीम्स भी बन गए हैं। गलगोटिया यूनिवर्सिटी को लेकर देश ही नहीं दुनिया में भी चर्चा होने लगी है। स्थिति यह है कि एआई समिट में गलगोटिया यूनिवर्सिटी की ओर से खुद का रोबोट बताकर चीनी प्रोडक्ट दिखाने के बाद बड़े स्तर पर किरकिरी हो गई। इसके बाद गलगोटिया यूनिवर्सिटी को बुधवार को भारत मंडपम में चल रहे एआई समिट एक्सपो से अपना स्टॉल खाली तक करा दिया। बता दें कि गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने 'ओरियन' रोबोट एआई समिट में दिखाया गया जो एक रोबोटिक कुत्ता है। इसकी तस्वीर और वीडियो सामने आने के बाद इसकी सच्चाई सबके सामने आ गई। लोगों ने रिसर्च किया और सबकुछ पता चल गया। चीन पल्स एक्स हैंडल से एक पोस्ट किया गया जिसमें कहा गया कि भारतीय यूनिवर्सिटी ने चीन के रोबोट को खुद का रोबोट बताया। लेकिन सवाल यही है कि देशभर अपनी पहचान रखने वाली ने इतनी बड़ी यूनिवर्सिटी ने आखिर ऐसा क्यों किया। क्या इसके पीछे कोई राजनितिक साजिश थी, क्योंकि इसको लेकर कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि यह सरकार को बदनाम करने का भी काम हो सकता है। और यदि ऐसा नहीं तो गलगोटिया यूनिवर्सिटी को अपनी बड़े स्तर पर उपस्थिति दर्ज करवानी थी और अपनी यूनिवर्सिटी को सबसे सर्वश्रेष्ठ बताना था। मामला चाहे कुछ भी हो लेकिन इस घटनाक्रम से देश की साख पर बट्टा लगा गया। वहीं समिट में पहुंचे तमाम लोगों ने कहा कि गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने जो काम किया है यह बेहद निंदनीय है इससे न सिर्फ देश की बदनामी हुई है बल्कि यूनिवर्सिटी के प्रति लोगों में विश्वास खत्म हुआ है। स्थिति यह है कि अब देश के एआई भविष्य व गुणवत्ता पर कई तरह के सवालिया निशान खड़े हो गए। इसके अलावा गलगोटिया यूनिवर्सिटी से सालाना हजारों विद्यार्थी पास आउट होते हैं और हाल ही में पढ रहे बच्चों को क्या कोई भी नौकरी देगा? इस घटना के बाद कई कंपनियों का दृष्टिकोण इस यूनिवर्सिटी के लिए बदल गया।विशेषज्ञों का मानना है कि भारत में रोबोटिक्स अभी पूरी तरह विकसित नहीं हुआ है और इसे अभी एक विकसित हो रहे इकोसिस्टम के रूप में देखा जा रहा है लेकिन कुछ कंपनियां सरकार को खुश करने व अपने व्यापार को बढ़ोतरी करने में केवल अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही है। बीते दो दशकों से रोबोटिक्स के क्षेत्र में काम कर रहे और आईआईटी मंडी में रोबोटिक्स के एक प्रोफ़ेसर ने कहा कि भारत के पास तकनीकी क्षमता और प्रतिभा होने के बावजूद इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी चुनौतियां इस क्षेत्र की रफ़्तार को सीमित कर रही हैं।उन्होंने यह भी कहा कि 'एआई की आत्मा का एक रोबोटिक शरीर खोजने' जैसा है और यह एक कठिन क्षेत्र है क्योंकि इसमें इंजीनियरिंग की लगभग हर शाखा के समन्वय की आवश्यकता होती है। सबसे बड़ी बात यह है कि भारत जब वैश्विक एआई दौड़ में खुद को प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित कर रहा है ऐसे में यह घटना 'मेड इन इंडिया' की छवि के लिए एक बड़ा झटका मानी जा रही है। ऐसे में केन्द्र व राज्य सरकारों को मिलकर इस पर निगरानी रखने की सख्त आवश्यकता है और इनकी देखरेख के लिए अलग से एक विभाग बनाना चाहिए जिससे की कोई गड़बड़ी की गुंजाइश न हो। सच्चाई यह है कि जो छोटे संस्थान होते हैं वहां बच्चों को अच्छे से सिखाया जाता है। केवल बड़ी-बड़ी इमारतों को दिखाकर बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जाता है। लेकिन अब गलगोटिया प्रकरण के बाद अब बड़े एक्शन ऑफ प्लान की जरुरत है।

गलगोटिया यूनिवर्सिटी ने जो काम किया है यह बेहद निंदनीय है इससे न सिर्फ देश की बदनामी हुई है बल्कि यूनिवर्सिटी के प्रति लोगों में विश्वास खत्म हुआ

रोजगार के साथ चुनौतियां भी बढ़ाएगी कृत्रिम बुद्धिमत्ता

चुनौती

चरणजीत चरण

वरिष्ठ साहित्यकार

जैसे ही हम एआई की बात करते हैं, इसे रोजगार के प्रति एक डर के रूप में देखा जाता है और युवाओं के लिए एक चुनौती माना जाता है। आज जैसा कि हम जानते हैं, कृत्रिम बुद्धिमत्ता हमारे जीवन में इतना अधिक घुल-मिल गई है कि हम इसके बिना भविष्य की कल्पना नहीं कर सकते। जब हम इससे मिलने वाले लाभों की बात करते हैं, तो उससे होने वाले संभावित नुकसान स्वाभाविक रूप से हमारी चर्चा के केंद्र में आ जाते हैं। इसे लेकर जो सबसे बड़ा डर और भ्रम किसी भी देश या समाज में हो सकता है, वह है रोजगार में कटौती होना। इसमें कोई शक नहीं है कि एआई के माध्यम से बहुत से काम आसान हुए हैं, कार्यों में लगने वाले समय को न्यूनतम किया गया है तथा कार्य की सटीकता भी बढ़ी है; लेकिन यह चिंता भी चिंतन का विषय है कि यह तकनीक रोजगार के लिए एक चुनौती बनकर उभरी है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि पश्चिम की भौतिकवादी दुनिया एआई का इस्तेमाल किसी भी कार्य में सटीकता बढ़ाने और लागत कम करने में करना चाहती है। वहीं भारत की सोच इस विषय में बिल्कुल अलग है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अनुसार, भारत इसका इस्तेमाल खर्च में कटौती के रूप में नहीं, बल्कि गुणवत्ता में सुधार और मानवीय क्षमता के विस्तार के रूप में करना चाहता है। पश्चिम की दुनिया जहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता को मानव क्षमताओं के प्रतिस्थापन के रूप में उपयोग करना चाहती है, वहीं भारत इसे मानव सहयोग के रूप में उपयोग करना चाहता है। हाल ही में हुए दिल्ली एआई समिट का मकसद भी यही है कि इसे न सिर्फ मानव सहयोगी के रूप में देखा जाए, बल्कि उसका इस्तेमाल कार्यकुशलता और सृजनात्मकता बढ़ाने के लिए किया जाए।

भारत और पश्चिम की दुनिया में शुरू से अब तक एक बुनियादी अंतर यही रहा है कि पश्चिम ने इस क्षेत्र में जितने भी नवाचार किए हैं, उन्हें बहुत गोपनीय रखा है। साथ ही, ऐसी किसी भी तकनीक को मानव श्रम की कटौती के रूप में इस्तेमाल किया है और उनके तमाम प्रयोग भी इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए नज़र आते हैं। इसके विपरीत, भारत का उद्देश्य

एआई समिट का मकसद यही है कि इसे न सिर्फ मानव सहयोगी के रूप में देखा जाए, बल्कि उसका इस्तेमाल कार्यकुशलता व सृजनात्मकता बढ़ाने के लिए किया जाए।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से मानव जीवन में आने वाली जटिलताओं का निवारण करना और इसके माध्यम से नए रोजगार का सृजन करना है। उदाहरण के रूप में, भारत ने अपने ग्रामीण क्षेत्रों में इसका इस्तेमाल कर स्वास्थ्य प्रणाली को सुधारने में अभूतपूर्व कार्य किया है। मरीजों का डेटा एकत्र करने से लेकर जटिल बीमारियों के निदान तक पहुंचना और छोटे-छोटे गाँवों तक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना, इन सभी क्षेत्रों में भारत का कार्य सराहनीय है। यदि हम इसकी बुनियाद में जाएँ, तो देखते हैं कि इस प्रणाली के रखरखाव के लिए जिस बुनियादी ढांचे की आवश्यकता होगी, उसी से भविष्य में लाखों नए रोजगार सृजित होंगे। भारत में एआई को न सिर्फ सरकारी बल्कि अब निजी क्षेत्र के लिए भी खोल दिया गया है। सरकार पूरी निष्ठा से इस दिशा में कार्य कर रही है कि इसका इस्तेमाल युवाओं में कौशल विकास के लिए हो, न कि छंटनी के लिए। भारत का 'इंडिया एआई मिशन' केवल शोध के लिए नहीं है, बल्कि सरकार की कोशिश है कि देश का युवा बुनियादी रूप से इस क्षेत्र में अपनी कार्यकुशलता और क्षमताओं का विकास करे। दिल्ली समिट के अनुसार, भारत के पास दुनिया का सबसे बड़ा डेटा समूह है। इसी डेटा का उपयोग करने के लिए जिस मानव संसाधन की आवश्यकता है, उसी के कारण भारत दुनिया का एआई कार्यालय बन रहा है। भारत चूंकि एक कृषि प्रधान देश है, इसलिए कृषि क्षेत्र के नवाचार में कृत्रिम बुद्धिमत्ता अग्रणी भूमिका निभा सकती है। दिल्ली समिट में विशेषज्ञों के माध्यम से एक विशेष बात उभरकर आई कि भारत का 'सॉवरेन मॉडल' दुनिया के उन तमाम देशों के लिए एक मिसाल है, जो अपनी जनसंख्या को केंद्र में रखकर प्रगति करना चाहते हैं।

भारत ने इस समिट के माध्यम से दुनिया को बताया है कि एआई का विकास रोजगार छीनने के लिए नहीं, बल्कि क्षमता विकास के लिए होगा। भारत चाहता है कि इसका इस्तेमाल 'सहायक बुद्धिमत्ता' के रूप में हो, जो चिकित्सकों, शिक्षकों, अभियंताओं और सृजनशील लोगों जैसे शिल्पकार, संगीतकार, लेखक के सहायक के रूप में कार्य करे, न कि उनका स्थान ले। समग्र रूप से देखें तो इस संदर्भ में सरकार का मकसद है कि तकनीक का उपयोग केवल मशीनों की क्षमता बढ़ाना नहीं होना चाहिए, बल्कि यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उस तकनीक से नए रोजगार कैसे सृजित हों और वह लोगों के दैनिक जीवन को कैसे सुगम बनाए।

कई तरह की समस्याएं भी पैदा कर सकता है एआई

दृष्टिकोण

विकेश कुमार बडोला

स्वतंत्र स्तंभकार

नई दिल्ली के भारत मंडपम में जब 'इंडिया-एआई इंपैक्ट समिट 2026' का वैश्विक सम्मेलन आयोजित किया गया, तब से एक स्वाभाविक प्रश्न द्वारा मन-मस्तिष्क आंदोलित हुए बिना नहीं रह पा रहे हैं, कि क्या भारत व विश्व में प्राकृतिक कृषिकर्म एवं प्रकृति के समुचित संरक्षण हेतु भी कोई अधि मंथनपरक सम्मेलन कभी होगा? क्या इस दिशा में भारतीय शासन, विदेशी शासनों तथा देशी-विदेशी कंपनियों के अथाह धन-संसाधन धारी स्वामियों को इस बारे में कोई आत्मरुचि कभी होगी अथवा नहीं? जीवन की मुख्य आवश्यकताओं से पृथक एआई अर्थात कृत्रिम मेधा का विषय सहसा इतना व्यापक व विशाल क्यों हो गया है कि यह चाहे-अनचाहे सार्वजनिक विमर्श के केंद्र में आ गया है? ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि सॉफ्टवेयर कंपनियों, पूंजीपतियों तथा कम जनसंख्या के साथ अधिक तकनीक व प्रौद्योगिकी से समृद्ध विश्व के लघु आकार वाले देश एआई तकनीक बेचकर लाभार्जन करना चाहते हैं। इनमें अमेरिका प्रमुख है। डेयरी उत्पादों पर किंकर्तव्यविमूढ़ता के कारण भारत-अमेरिका के मध्य अपेक्षित व्यापार समझौता नहीं हुआ, तो भारतीय व अमेरिकी शासन तथा दोनों देशों के सॉफ्टवेयर कारोबारियों ने नवीनतम कम्प्यूटर प्रौद्योगिकी एआई के बलबूते पारस्परिक व्यापार में वृद्धि करने की नीति बनाई है। ये नीति अमेरिका में एआई के प्रसारण के बाद बृहद स्तर पर फैली आजीविका की समस्या तथा भारत में आगामी वर्षों में एआई के कारण संभवतः फैलने वाली आजीविका की समस्या की अनदेखी करके बनाई गई है।

एआई न केवल आजीविका की समस्या अपितु सामाजिक, व्यक्तिगत, सार्वजनिक व अमानवीय समस्याएं भी उत्पन्न करेगा। एक समय उदारीकरण के बाद वाहन उद्योगों को फलीभूत करने देशवासियों को द्विपहिया, तिपहिया और चौपहिया वाहन खरीदने, रखने व चलाने के लिए उकसाया गया था। आज उसके दुष्परिणाम सड़कों पर प्रतिदिन कई घंटों के जाम, समय की बर्बादी, सड़क चौड़ीकरण हेतु वन क्षेत्रों व प्राचीन वृक्षों के कटान, ध्वनि प्रदूषण, वायु प्रदूषण, प्राकृतिक विकृतियों के स्वरूप में स्पष्ट दृष्टिगोचर हैं। इन दुष्परिणामों का देश-दुनिया के शासन के पास कोई समाधान नहीं है। लोगों ने इनके साथ घुट-घुट कर जीने को नियति मान लिया है। इसी प्रकार की कई वस्तुओं, सुविधाओं व सेवाओं को रखने एवं खरीदने के लिए लोगों

चोरी-डकैती, साइबर ठगी, डीप फेक, धोखाधड़ी रोकने के लिए एआई के संबंध में त्वरित और कठोर दंड की नीतियां भी लागू करनी होंगी।

को विवश किया जाता रहा है। लोगों से कभी पूछा नहीं गया कि उन्हें ये सब कुछ चाहिए भी कि नहीं। लोगों के बीच यही स्थिति एआई अर्थात कृत्रिम मेधा की है। कंपनियों ने एक प्रौद्योगिकी विकसित कर दी है। अब उसे आभासी उत्पाद के रूप में बेचने के लिए दुनिया के शासनों पर दबाव बनाओ कि अपनी शासकीय नीतियों के माध्यम से अपने देश की जनसंख्या को इस उत्पाद के ग्राहक के रूप में परिवर्तित करने की योजनाएं बनाइए। एआई सम्मेलन का यही मूल उद्देश्य है। अमेरिका आधारित सॉफ्टवेयर की सर्वाधिक विशाल कंपनी गूगल, अपने आरंभिक सॉफ्टवेयर कर्म से लेकर नवीनतम एआई अनुप्रयोग को एक सूचनापरक आभासी उत्पाद बना, विश्व में प्रसारित कर अधिक से अधिक लाभार्जन करने हेतु व्यग्र है। विश्व का सर्वाधिक जनसंख्या धारी देश है भारत। गूगल जैसी कंपनियों के लिए अपने सॉफ्टवेयर कारोबार को चमकाने के लिए, भारत न केवल ग्राहक संख्या के स्तर पर, अपितु भारतीय मूल के गूगल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के माध्यम से भी, एआई बाजार का केंद्र बिंदु बना हुआ है। एक अरब पचास करोड़ की जनसंख्या बहुत विशाल है। उसे एआई बेचा जाएगा तो न केवल गूगल, बल्कि अमेरिका भी आर्थिक रूप से संपन्न बनेंगे। आजकल देखा जा रहा है कि भारतीय किशोरों व युवाओं में व्यापक रुचि बने क्रिकेट को विश्वस्तर पर प्रसारित किया जा रहा है और इस प्रसारण अभियान में जो आर्थिक आधार हैं उनमें गूगल की जेमिनी भी प्रमुख प्रायोजक है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता से पूर्व जितने भी वास्तविक एवं अवास्तविक उत्पाद व सेवायें लोगों पर थोपी गई हैं, उनका प्रमुख उद्देश्य जनकल्याण नहीं अपितु व्यक्तिगत व कंपनीगत लाभार्जन ही रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता अपवाद नहीं है। ये भी जनकल्याण नहीं, विशुद्ध लाभ की योजना है। कृत्रिम रूप में मेधा प्रस्तुत करनेवालों से सीधा प्रश्न है कि क्या यह मेधा बिना व्यक्ति के संचालित हो सकती है? अंततः इसे भी किसी व्यक्ति के मन-मस्तिष्क, विचारों-भावनाओं तथा हाथों द्वारा ही तो चलाया जाना है।

जब ऐसा है तो इस पर इतना अतिशयोक्तिपूर्ण मंथन क्यों किया जा रहा है? क्या देश-दुनिया में अभी तक प्रसारित डिजिटल व कम्प्यूटर आधारित लेन-देन, गतिविधियां तथा अन्य प्रसारण अनुप्रयोग प्रतिकूलताओं अर्थात चोरी-डकैती, साइबर ठगी, डीप फेक, धोखाधड़ी, दुष्प्रचार, मिथ्या सूचना तथा अन्य विसंगतियों से पूर्णतः मुक्त हैं, जो कृत्रिम मेधा के सम्मुख ये चुनौतियां नहीं उभरेंगी? जब तक देश-दुनिया में बेईमान, मक्कार, अशांत, उपद्रवी, प्रकृति विरोधी, पंगे लेने की दुष्प्रवृत्तियों से घिरे हुए तथा अन्य मानवीय बुराइयों से युक्त लोग रहेंगे, तब तब कृत्रिम मेधा हो अथवा कोई अन्य प्रौद्योगिकी, सभी का पूर्ण दुरुपयोग होता रहेगा। एआई के संबंध में भी कितने ही सूचना प्रौद्योगिकी आधारित नियम-कानून बन जायं, किंतु जब तक त्वरित व कठोर दंड की नीतियां लागू नहीं होंगी, तब तक कृत्रिम मेधा के माध्यम से भी कुछ भी यथोचित नहीं होगा।

रजनीकांत-कमल हासन की फिल्म 'आरके एक्स केएच' का पोस्टर जारी

मुंबई। साउथ के 2 दिग्गज रजनीकांत और कमल हासन एक साथ आने के लिए तैयार हैं। निर्माताओं ने आखिरकार उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'आरके एक्स केएच' का पोस्टर जारी कर दिया है। इसी के साथ प्रोमो रिलीज पर अपडेट दे दिया है। पिंकविला की रिपोर्ट में बताया गया था कि प्रोमो के लिए दोनों ने रेट्रो लुक में शूटिंग की है, जिसका सबूत पोस्टर में देखने को मिला है। इसे 'कूल रेट्रो स्वैग' नाम दिया गया है, जिसे देखने के लिए लोग उतावले हैं। 'आरके एक्स केएच' के पहले पोस्टर में 2 व्यक्तियों के हाथ दिखाए गए हैं। एक ने सोने की चमचमाती हुई घड़ी पहन रखी है, जबकि दूसरे के हाथ में सोने की अंगूठी नजर आ रही है। पोस्टर को देखकर साफ पता चलता है कि निर्माताओं की ओर से विंटेज स्टाइल का प्रोमो वीडियो जारी किया जाएगा। फिल्म का प्रोमो 21 फरवरी, यानी शनिवार को दोपहर 12:07 बजे जारी किया गया।

सलमान, आमिर के बाद अर्नब गोस्वामी बन सुनील ग्रोवर ने लूट ली महफिल

मुंबई। हाल ही में टीवी के सबसे चर्चित कॉमेडी शो द ग्रेट इंडियन कपिल शो में में फिल्म 'ओ रोमियो' की स्टार कास्ट पहुंची। इस खास एपिसोड में फिल्म मेकर विशाल भारद्वाज भी मौजूद थे लेकिन हर बार की तरह इस बार भी असली महफिल सुनील ग्रोवर ने लूट ली। उनकी एंट्री और अंदाज ने दर्शकों को हंसी से लोटपोट कर दिया। कभी सलमान खान का दबंग स्टाइल, कभी आमिर की परफेक्शन वाली झलक, हर बार नए अवतार में नजर आने वाले सुनील ग्रोवर ने इस बार मशहूर न्यूज एंकर अर्नब गोस्वामी की पैरोडी की, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और फैंस तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

काश मैं सिस्टम का हिस्सा होती

एजेंसी ⏭ मुंबई

अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने हाल ही में अपनी फिल्म 'द लेडी किलर' की भारी असफलता और उससे जुड़े विवादों पर पहली बार खुलकर बात की है। अर्जुन कपूर संग बनी इस फिल्म को भारतीय सिनेमा की अब तक की सबसे बड़ी फ्लॉप फिल्मों में से एक माना जाता है। भूमि ने एक इंटरव्यू में बताय कि फिल्म का जो वर्जन दर्शकों ने देखा, वो अधूरा था। भूमि बोलीं कि इस फिल्म की असफलता ने उन्हें बुरी तरह तोड़ दिया था। मीडिया से बातचीत के दौरान भूमि ने अपनी फिल्म 'द लेडी किलर' की विफलता को याद किया, जो हाल के वर्षों में बॉलीवुड की सबसे बड़ी फ्लॉप फिल्मों में से एक बनकर उभरी। उन्होंने खुलासा किया कि फिल्म का लगभग 35 प्रतिशत हिस्सा कभी शूट ही नहीं किया गया था। हमने जो सक्रिप्ट पढ़ी थी, वो पूरी थी, लेकिन सेट पर फिल्म को अधूरा छोड़ दिया गया और जो कुछ रिलीज हुआ, वो एक अधूरी फिल्म थी।

भूमि ने बताया क्यों फ्लॉप हुई फिल्म : भूमि बोलीं कि जो फिल्म सिनेमाघरों में पहुंची, वह उस वर्जन से कोसों दूर थी, जिसे कलाकारों ने शुरुआत में साइन किया था। उन्होंने बताया, काश मुझे बेहतर पता होता, शायद अगर मैं सिस्टम का हिस्सा होती तो चीजों को अलग तरह से संभाल सकती थी। मैं सदमे में थी। मैं बस यही सोचती रह गई कि आखिर हो क्या रहा है, क्योंकि ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था। आखिरकार, मैंने खुद को समझाया कि यह एक सीख थी।

इस असफलता का जिम्मेदार कौन : भूमि ने कहा कि जब निर्माताओं ने फिल्म रिलीज करने का फैसला किया तो वो दंग रह गईं। फिल्म की विफलता ने उन्हें मानसिक और पेशेवर झटका दिया। उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि इस नाकामी से कैसे निकलें। उन्हें लगा था कि उनका करियर खत्म हो चुका है। भूमि आज भी दुविधा में हैं कि इस असफलता के पीछे कौन जिम्मेदार था वो खुद या कोई और। उनके दिमाग में ये एक 'खिचड़ी' की तरह उलझा हुआ है।

45 करोड़ का बजट, सिर्फ 1 लाख की कमाई : अर्जुन कपूर और भूमि की क्राइम-थ्रलिर फिल्म 'द लेडी किलर' 3 नंवबर 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म का बजट 45 करोड़ था और ये महज 1 लाख रुपये जुटा पाई थी। विकास बहल ने इस फिल्म का निर्देशन किया था। फिल्म का बॉक्स ऑफिस पर इतना बुरा हाल हुआ था कि इसे ओटीटी पर कोई खरीदार नहीं मिला, जिसके बाद इसे मुफ्त में यूट्यूब पर रिलीज करना पड़ा।

ई-नीलामी सूचना

ऋणवसूली अधिकरण

भारत सरकार, वित्त मंत्रालय वित्तीय सेवायें विभाग (बैंकिंग प्रभाग)
द्वितीय एवं तृतीय तल, संचार विकास भवन (BSNL बिल्डिंग), रेजीडेंसी रोड, हेड पोस्ट ऑफिस के पास,
साउथ सिविल लाइन, जबलपुर- (मप्र) 482001
Case No.: RC 67/2025/ओ.ए.नं. 1588/2019
ई-नीलामी क्रमांक 38/2026

• **UCO BANK** वि. **SHRI SIDDHARTH GHOSH** एवं अन्य में पारित वसूली प्रमाणपत्र क्रमांक RC No.RC 67/2025/ O.A.No. 1588/2019 में जारी राशि की वसूली हेतु प्रमाण पत्र Rs.33,78,784.00 (Rupees Thirty Three Lakh Seventy Eight Thousand Seven Hundred Eighty Four Only) तथा उस पर 8.85 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से दिनांक 25.09.2019 से ब्याज एवं वसूली हेतु निम्नलिखित संपत्ति ऑनलाईन ई-नीलामी प्रकिया के तहत वेबसाईट https://www.bankeauctions.com के माध्यम से की जावेगी।

ई-नीलामी की तिथि एवं समय :- 26.03.2026 दोपहर : 12.00 से 01.00

संपत्ति की अनुसूची

Flat No. 201, Second Floor, Plot area 1034 sq.ft., Block- B, Matri Chhaya, Infront of Chhattisgarh College, Gram/Mouza- Ghanora, Tehsil & District-Durg (C.G.); property in the name of Smt. Shyamili Ghosh W/o Shri Amit Ghosh.

प्रारक्षित मूल्य :-Rs.18,30,000.00 (Rupees Eighteen Lakh Thirty Thousand only);

विक्रय की शर्तें :

1. इच्छुक निविदाकर्ता वैध डिजीटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र धारक होना चाहिए। अधिक विवरण हेतु M/s. C-1 India Pvt. Ltd., website : https://www.bankeauctions.com; Helpline No. 0124-4302020/21/22/23/24, for help a bidder in e-auction contact to Mr. Mithalesh Kumar on Mob. No. 7080804466; E-mail id: - mpcg@c1india.com or E-mail ID: support@bankeauctions.com
2. इच्छुक निविदाकर्ता को सूचित किया जाता है कि निविदा जमा करने के पूर्व वेबसाईट https://www.bankeauctions.com में उपलब्ध नीलामी बीड प्रपत्र तथा विस्तृत नियमों व शर्तों का अवलोकन कर लें।
3. बिड केवल ऑनलाईन माध्यम से निर्धारित प्रपत्र पर पहचान पत्र की प्रति साथ संलग्न कर जमा करनी होगी (विस्तृत नियम व शर्तों का संदर्भ लें)
4. अग्रिम जमा धरोहर राशि (ईएमडी) हेतु प्रारक्षित मूल्य की 10 प्रतिशत राशि जो रूपये Rs.1,83,000.00 (Rupees One Lakh Eighty Three Thousand only) है, RTGS/NEFT/MONEY TRANSFER द्वारा वसूली अधिकारी, ई-नीलामी खाता, ऋण वसूली अधिकरण जबलपुर के नाम से धारित Account No. 7890303849 in the name of Recovery Officer, E-auction account, DRT Jabalpur with Indian Bank, Civil Lines Branch, Jabalpur. (IFSC Code:IDIB000C627) में आवश्यक रूप से जमा करनी होगी तथा उक्त राशि का प्रेषण बिड प्रपत्र में सुस्पष्ट रूप से उल्लेखित करना होगा।
5. निविदा ऑनलाईन माध्यम से दिनांक 24.03.2026 अथवा इसके पूर्व 17.00 बजे तक जमा करनी होगी।
6. ऑनलाईन माध्यम से जमा बिड प्रपत्र तथा अनुलग्नकों की प्रति वसूली अधिकारी, ऋण वसूली अधिकरण, तृतीय तल, संचार विकास भवन (BSNL बिल्डिंग), रेजीडेंसी रोड, हेड पोस्ट ऑफिस के पास, साउथ सिविल लाईन, जबलपुर को प्रेषित करनी होगी तथा शीघ्र अति शीघ्र भेजने के लिए सर्विस प्रोवाइडर को सूचित किया जाता है और वह, सभी नीलामी के खरीददारों की सूची एवं अन्य दस्तावेज उपलब्ध करावें।
7. ऑनलाईन नीलामी बोली प्राप्त बिड में से अधिकतम बोली से प्रारंभ होगी तथा प्रत्येक बिड वृद्धि राशि न्यूनतम रू. Rs.20,000.00 (Rupees Twenty Thousand only) होगी। ऑनलाईन बिड में समय समाप्त के पूर्व बिड डालने पर सिस्टम द्वारा अपने आप 5 मिनिट का समय बढ़ता रहेगा।
8. असफल बोली कर्ताओं की अग्रिम धरोहर राशि (ईएमडी) वसूली अधिकारी, ऋण वसूली अधिकरण, जबलपुर द्वारा उसी खाते में वापिस की जायेगी, जिससे कि उस का भुगतान हुआ है तथा इस संबंध में कोई भी पूछताछ स्वीकार्य नहीं होगी। इच्छुक निविदाकर्ता द्वारा अग्रिम धरोहर राशि (ईएमडी) जमा किये जाने के पश्चात वे जब तक असफलत बोली कर्ता घोषित नहीं किये जाते तब तक ईएमडी राशि वापस नहीं ले सकते अन्यथा राशि जप्त कर ली जायेगी।
9. सफल बोलीकर्ता को विक्रय उसके पक्ष में घोषित किये जाने की स्थिति में, 25 प्रतिशत बोली राशि (ईएमडी राशि को समायोजित करते हुए) अगले दिन RTGS/NEFT/MONEY TRANSFER के द्वारा कंडिका-4 में उल्लेखित खाते में जमा करनी होगी।
10. सफल बोली कर्ता को विक्रय मूल्य की शेष 75 प्रतिशत राशि एवं विक्रय मूल्य का 1 प्रतिशत पोन्डेज शुल्क तथा रू. 10 (प्रति संपत्ति अलग-अलग) सहित नीलामी के 15 दिनों के अंदर या यदि 15 वां दिन रविवार अथवा अन्य अवकाश हो तो, 15 वें दिन पश्चात प्रथम कार्यालयीन दिवस को उपरोक्त उल्लेखित कमांक 4 में दर्शित खाते में समयावधि में भुगतान करना होगा। भुगतान में चूक करने पर संपत्ति की नई विक्रय उद्घोषणा जारी करने के पश्चात पुनः विक्रय की जायेगी। अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा उक्त राशि शासन के पक्ष में जप्त कर ली जायेगी तथा तत्पश्चात विक्रय होने वाली संपत्ति अथवा राशि के किसी अंश पर चूककर्ता बोलीकर्ता के समस्त दावे समपहृत होंगे।
11. संपत्ति ''जहां है जैसी है तथा बिना किसी शिकायत'' के आधार पर विक्रय की जायेगी।
12. संपत्ति का निरीक्षण दिनांक 16.03.2026 प्रातः 12 बजे से 16 बजे तक किया जा सकेगा।
13. संपत्ति प्रारक्षित मूल्य से कम मूल्य पर विक्रय नहीं की जायेगी।
14. वसूली अधिकारी को किसी बोली को स्वीकृत या अस्वीकृत करने या बिना कोई कारण बताये नीलामी को आगे बढ़ाने या स्थगित करने का निर्बाध अधिकार होगा।
15. इच्छुक निविदाकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि वे Mr.Amit Kumar Sahu, Chief Manager, Mob. No. 9348907154 में उपलब्ध संपत्ति के स्वत्वाधिकार विलेख का निरीक्षण करले तथा संपत्ति की पहचान एवं विवरणी सही होने तथा प्रभारों आदि की पड़ताल कर ले। इस संबंध में वसूली अधिकारी किसी तरह से जिम्मेदार नहीं होगा। संपत्ति का विवरण बैंक द्वारा प्रदत्त दस्तावेज पर आधारित है।
16. ई-नीलामी के संबंध में विवरण M/s. C-1 India Pvt. Ltd., website: https://www.bankeauctions.com; Helpline No. 0124- 4302020/21/22/23/24, for help a bidder in e-auction contact to Mr. Mithalesh Kumar on Mob. No. 7080804466; E-mail id:-mpcg@c1india.com or E-mail ID: support@bankeauctions.com.
17. संपत्ति से संबंधित अधिक जानकारी Mr.Amit Kumar Sahu, Chief Manager, Mob. No. 9348907154 से प्राप्त की जा सकती है।
18. इच्छुक निविदाकर्ता ई-नीलामी प्रकिया में अपने स्वयं के कार्यालय/स्वेच्छा के स्थान से बोली लगाने हेतु सम्मिलित हो सकते हैं। प्रत्येक निविदाकर्ता द्वारा इंटरनेट कनेक्टीविटी स्वतः सुनिश्चित करनी होगी। डीआरटी/बैंक/सेवा प्रदाता किसी भी प्रकार से इंटरनेट कनेक्टीविटी, नेटवर्क समस्या, तंत्र विक्षेप, विद्युत व्यवधान आदि के लिए जिम्मेदार नहीं होगा।

(प्रीति देसाई)
वसूली अधिकारी 1

स्थान : जबलपुर
दिनांक- 11.02.2026

बैंक ऑफ इंडिया Bank of India BOI

न्यू राजेंद्र नगर शाखा: विजेता कॉम्प्लेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग.), दूरभाष-07712998001

कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति के लिए)

सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के [नियम 8 (1)] के तहत

जबकि

अधोहस्ताक्षरकर्ता ने बैंक ऑफ इंडिया, न्यू राजेन्द्र नगर शाखा का प्राधिकृत, रायपुर शाखा अधिकारी होते हुए वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13(2) और प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 3 के तहत प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में मांग सूचना जारी की थी तथा ऋणी को मांग सूचना में उल्लेखित धनराशि जिसका विवरण नीचे दिया गया है का भुगतान सूचना प्राप्ति के 60 दिनों के भीतर करने को कहा गया था। ऋणी के यह राशि लौटाने में विफल होने पर ऋणी/बंधकर्ता और सर्वसाधारण को एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता ने उक्त अधिनियम की धारा 13 (4) सपठित उक्त नियम के नियम 8 के तहत उसको प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में एतस्मिन नीचे वर्णित सम्पत्तियों का आधिपत्य (कब्जा) नीचे वर्णित दिनांक को ग्रहण कर लिया है तथा जिसका विवरण अधोवर्णित है।

उधारकर्ता/गारंटर/बंधकर्ता (यों) का ध्यान सुरक्षित परिसंपत्तियों को छुड़ाने के लिये उपलब्ध समय के संबंध में अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (18) के प्रावधानों के लिये आमंत्रित किया गया है। ऋणी/बंधकर्ता को विशिष्ट रूप से और सर्वसाधारण को सामान्य रूप से एतद् द्वारा सम्पत्ति के साथ व्यवहार (क्रय-विक्रय) नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और उक्त सम्पत्ति का किसी भी प्रकार से क्रय-विक्रय बैंक ऑफ इंडिया, न्यू राजेन्द्र नगर शाखा के मूल ब्याज व अन्य व्यय के भार के अधीन होगा जिसका विवरण निम्न प्रकार है।

उधारकर्ता/	संपत्ति का विवरण	मांग पत्र दिनांक	देय राशि
जमानतदार उधारकर्ता:- श्री आशीष गुप्ता	रिहायशी संपत्ति भूमि एवं मकान स्थित मकान नं. 125, खसरा संख्या 310/2 का भाग, आरडीए राजेंद्र नगर योजना, मदर टेरेसा वार्ड, वार्ड संख्या 43, कॉलम संख्या 5, राजेंद्र नगर का भाग, राजेंद्र नगर हाउसिंग बोर्ड योजना, मकान संख्या 114/45/70, मौजा-टिकरापारा, तहसील और जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) क्षेत्रफल 430 वर्ग फुट श्री आशीष गुप्ता के नाम पर स्थित। **चौहद्दी:**-उत्तर -जनता मकान, दक्षिण -सड़क, पूर्व - सड़क, पश्चिम-मकान संख्या 126.	दिनांक 08.12.2025 कब्जा दिनांक 21.02.2026	₹ 5,34,611.00 (पाँच लाख चौंतीस हज़ार छह सौ ग्यारह रुपये मात्र) + ब्याज + अन्य खर्च
	रिहायशी संपत्ति भूमि एवं मकान स्थित मकान नं. 124, खसरा संख्या 310/2 (भाग) का हिस्सा, राजेंद्र प्रसाद वार्ड संख्या-24, आरडीए राजेंद्र नगर जनता कॉलोनी, दिशानिर्देश उपखंड संख्या 24, पुराना राजेंद्र नगर, मकान संख्या 114/70, तहसील एवं जिला रायपुर (छत्तीसगढ़), क्षेत्रफल 430 वर्ग फुट श्री आशीष गुप्ता के नाम पर स्थित। **चौहद्दी:**-उत्तर - गली, दक्षिण - सड़क, पूर्व - जनता मकान संख्या 123, पश्चिम - गली।	दिनांक 08.12.2025 कब्जा दिनांक 21.02.2026	₹ 13,21,553.95 (तेरह लाख इक्कीस हजार पांच सौ तिरपन रुपये एवं पंचानवे पैसे मात्र) + ब्याज + अन्य व्यय) + ब्याज + अन्य खर्च

दिनांक : 22.02.2026, स्थान : रायपुर — प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ इंडिया

शिल्पा-जैकी 26 साल बाद फिर एक साथ

मुंबई। शिल्पा शेट्टी और जैकी श्रॉफ की जोड़ी पूरे 26 साल बाद पर्दे पर वापसी कर रही है। ये दोनों कलाकार अमेजन प्राइम वीडियो की एक नई वेब सीरीज के लिए साथ आए हैं। आखिरी बार इन्हें 26 साल पहले पर्दे पर साथ देखा गया था, इसलिए दशकों बाद इनके नए प्रोजेक्ट ने दर्शकों को काफी उत्साहित कर दिया है। शिल्पा और जैकी के साथ-साथ उनके प्रशंसक भी इस सीरीज को लेकर बेहद उत्साहित हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, शिल्पा और जैकी की जोड़ी पर्दे पर धमाल मचाने को तैयार है। दोनों अमेजन प्राइम वीडियो की एक वेब सीरीज के लिए बातचीत कर रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि ये 8 कड़ियों की एक 'स्लाइस-ऑफ-लाइफ' ड्रामा सीरीज होगी, जो शहरी रिश्तों और जीवन में मिलने वाले दूसरे मौकों की कहानी बयां करेगी।

RERA APPROVED

पहले फेज़ के शानदार रिस्पॉन्स के बाद
अब अगला मौका आपके लिए

रायपुर के विकसित होते कमर्शियल ज़ोन में

स्मार्ट निवेश का स्मार्ट विकल्प

☑ आसान किस्तों में भुगतान
☑ 80% तक फायनेंस उपलब्ध
☑ सुरक्षित और लाभदायक निवेश

डुमरतराई का प्राइम लोकेशन,
आज का निर्णय, कल की सफलता

Project Developed By -
SHRI DWARKA BUILDERS
श्री द्वारिका बिल्डर्स
औषधि वाटिका, मेडिकल कॉम्प्लेक्स के पास, डूमरतराई, रायपुर (छत्तीसगढ़)
76173 90000, 88179 55000, 70677 53237
SCAN FOR LOCATION

Proejct RERA No. : PCGRERA070126002020 | www.rera.cgstate.gov.in

तरकश

संजय के. दीक्षित

छत्तीसगढ़ में उपचुनाव-1

चुनाव आयोग ने राज्यसभा की 37 सीटों के लिए चुनाव का ऐलान किया है, उनमें छत्तीसगढ़ की दो सीटें भी शामिल हैं। छत्तीसगढ़ के कांग्रेस कोटे से राज्यसभा में गए केटीएस तुलसी और फूलोदेवी नेताम की सीटें अप्रैल में खाली हो रही हैं। चूकि विधानसभा में बीजेपी के अब 54 विधायक हैं, इसलिए इस बार पार्टी को एक सीट मिलना निश्चित है। बची एक सीट कांग्रेस की झोली में जाएगी। कांग्रेस से अबकी नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत की दावेदारी की बड़ी चर्चा है। महंत विधानसभा से लेकर लोकसभा के लिए कई-कई बार चुने जा चुके हैं। कई मौकों पर उन्होंने राज्यसभा में जाने की इच्छा प्रगट भी की है। वैसे भी महंत जी किस्मत के बड़े धनी हैं...पद उनके पास खुद से चलकर आते हैं। इसलिए, इसमें कोई अचरज की बात नहीं कि पार्टी कहीं उनकी अधूरी इच्छा इस बार पूरी न कर दें। महंतजी अभी 73 के हैं, राज्यसभा में जाने के बाद लगभग 80 साल तक दिल्ली में रहने का सम्मानजनक इंतजाम हो जाएगा। वैसे हर बड़े राजनीतिज्ञों की तरह महंतजी का भी अपना एक सपना है...उनके ठीकठाक रहते सियासत में उनके सूरज का उदय हो जाए। और इसके लिए राज्यसभा चुनाव से बढ़ियां मौका क्या हो सकता है...जांजगीर, सक्ती में इस समय सारे विधायक कांग्रेस के हैं...फिर बात बेटे की, तो महंतजी की पकड़ सभी पार्टियों में है...बेटे की नैया पार करा ही लेंगे। अगर ऐसा हुआ तो आजादी के बाद देश की सियासत में एक नया रिकार्ड बनेगा। एक परिवार के पति राज्यसभा, पत्नी लोकसभा और बेटा विधानसभा में।

छत्तीसगढ़ में उपचुनाव-2

राज्यसभा के लिए टीएस सिंहदेव भी कांग्रेस से स्वाभाविक दावेदार होंगे। गांधी परिवार से नजदीकियों के बाद भी उनकी किस्मत बार-बार दगा दे जा रही। न वे मुख्यमंत्री बन पाए और न ही उन्हें प्रदेश अध्यक्ष बनने दिया जा रहा। दूसरा, अगर पीसीसी चीफ बदलना होगा तो राज्यसभा के लिए दीपक बैज की दावेदारी प्रबल हो जाएगी। तीसरा नाम भूपेश बघेल का है। वैसे, भूपेश का चांस कम प्रतीत होता है। भूपेश जननेता हैं...कांग्रेस पंजाब से लेकर असम तक उनका उपयोग कर रही है। मगर राजनीत में कब, क्या हो जाए कौन जानता है। भूपेश अगर राज्यसभा गए तो फिर पाटन से उनके बेटे चैतन्य की विधायकी तय हो जाएगी। याने पाटन में उपचुनाव होगा।

बीजेपी और सरप्राइज

राज्यसभा चुनाव के लिए कांग्रेस से चरणदास महंत की दावेदारी हो या फिर फूलोदेवी नेताम को रिपीट करने की...कम-से-कम अटकलें तो लगाने की गुजाइश है। सत्ताधारी पार्टी की बात जुदा है। बीजेपी में आजकल इस कदर चौंकाने वाले फैसले हो रहे कि बड़े-से-बड़े लीडरों को कुछ पता नहीं होता। पिछली बार का राज्यसभा का वाकया याद ही होगा। बीजेपी के लोगों को नहीं पता था कि देवेंद्र प्रताप सिंह हैं कौन? उनका नाम इतना अनजान था कि सोशल मीडिया में यूपी के देवेंद्रप्रताप की फोटो लगाकर लोग भाजपा का लगे टारगेट करने...कांग्रेस की तरह बीजेपी ने भी आयातित नेता को राज्यसभा भेज दिया। बीजेपी की लिस्ट आने के करीब आधे घंटे बाद जाकर क्लियर हो पाया कि देवेंद्र प्रताप सिंह रायगढ़ के रहने वाले हैं। इस बार भी राज्यसभा चुनाव में कुछ वैसा ही होगा। हां, इतना जरूर है कि प्रदेश की सियासत में ओबीसी और आदिवासी का कोटा फुल है। आदिवासी मुख्यमंत्री हैं, तो ओबीसी से डिप्टी सीएम समेत सात मिनिस्टर। लिहाजा, अनुसूचित जाति या सामान्य वर्ग से गुंजाइश बन सकती है।

बाहरी प्रत्याशी

छत्तीसगढ़ बनने के बाद अप्रैल 2002 में राज्यसभा की दो सीटों के लिए पहला चुनाव हुआ था। उसमें कांग्रेस से मोतीलाल वोरा और रामाधार कश्यप चुने गए थे। उसके बाद अभी तक 22 राज्यसभा सदस्यों के चुनाव हुए हैं। इसमें बीजेपी ने हमेशा लोकल को मौका दिया, कांग्रेस ने पांच बार बाहरी प्रत्याशियों को राज्यसभा में भेजा। सबसे पहले जून 2004 में मोहसिना किदवई छत्तीसगढ़ से निर्वाचित हुई। जून 2020 में उन्हें फिर रिपीट किया गया। उसके बाद 2018 से 2023 के बीच सबसे अधिक तीन बाहरी उम्मीदवारों को कांग्रेस ने राज्यसभा में भेजा। केटीएस तुलसी, राजीव शुक्ला और रंजीता रंजन। मोतीलाल वोरा चूकि कद्दावर नेता रहे इसलिए वे 18 साल तक एक कोटा अपने पास रखा। वरना, और दो-एक बाहरी प्रत्याशी कांग्रेस से राज्यसभा में पहुंच गए होते। हालांकि, लोकल बॉडी की अनिच्छा के बाद भी एक सरकार में तीन-तीन बाहरी लोगों को राज्यसभा में भेजकर कांग्रेस अंजाम भुगत चुकी है, इसलिए इस बार कांग्रेस के लोगां को डरने की जरूरत नहीं है।

नेता प्रतिपक्ष चेंज?

कांग्रेस पार्टी ने चरणदास महंत के राजनीतिक कद और संसदीय अनुभवों को देखते भले ही नेता प्रतिपक्ष बना दिया मगर उनका स्वभाव नेता प्रतिपक्ष वाला नहीं है। यही वजह है कि पार्टी सदन में जैसी आक्रमकता चाहती है, वैसा कुछ हो नहीं रहा। अलबत्ता, एकाधिक बार नेता प्रतिपक्ष सरकार की भी सराहना कर चुके हैं। महंतजी राज्यसभा में जाएं या नहीं, कांग्रेस पार्टी नेता प्रतिपक्ष को लेकर संवेदनशील है। अगर नया नेता चुनने का अवसर आया तो जाहिर तौर पर दो नाम केंद्र में होंगे। उमेश पटेल और देवेंद्र यादव। भूपेश बघेल का नाम बड़ा जरूर है मगर पार्टी उनका उपयोग दूसरों प्रदेशों में कर रही है। देवेंद्र तेज-तर्रार विधायक होने के साथ सतनामी समुदाय के मसले पर जेल जाकर अपना कद बढ़ा चुके हैं तो उमेश पटेल के साथ नंदकुमार पटेल का नाम जुड़ा है। विधानसभा में इस समय उमेश बढ़ियां परफार्म कर रहे हैं। भविष्य में अगर नेता प्रतिपक्ष चुनने का समय आया तो बहुत संभावना है कि उसके लिए ये दो नेता ही तगड़े दावेदार होंगे।

पूत के पांव पालने में

छत्तीसगढ़ का दुर्भाग्य कहें या एसडीएम का? शायद ही किसी स्टेट में ऐसा हुआ होगा, जब कोई सब डिवीजन मजिस्ट्रेट दो बार जेल गया हो। मगर छत्तीसगढ़ में ऐसा हुआ, जब सात साल की सर्विस में अफसर को दो बार जेल जाना पड़ा और दो बार सस्पेंड। राप्रसे अधिकारी करुण डहरिया को गरियाबंद में 20 हजार रिश्वत लेते एसीबी ने ट्रेप किया था। वे तीन महीने जेल में रहकर छूटे और फिर जैसा कि देश के सिस्टम में होता है, निलंबन से बहाल होकर फिर से एसडीएम बन गए। पूत के पांव जब पालने में दिख गया था, तब तो बलरामपुर कलेक्टर रिमजिएस एक्का को उन्हें एसडीएम नहीं बनाना था। मगर पिछले दो साल से वे कुसमी सब डिवीजन के प्रमुख बने बैठे थे। और ग्रामीणों से मारपीट और मौत केस में उन्हें जेल जाना पड़ गया।

कमाऊ पूत

कलेक्टर पहले काबिल डिप्टी कलेक्टरों को एसडीएम बनाते थे। मगर अब एसडीएम बनाने के पैरामीटर बदल गए हैं। मैदानी इलाकों में 25 परसेंट तक काबिलियत चल जाता है, बस्तर, सरगुजा में हंड्रेड परसेंट कमाऊ पूत चाहिए। जो एसडीएम ज्यादा पैसा लाकर देगा, कलेक्टर के वे उतने ही करीबी और चेहेते होते हैं। कलेक्टरों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वह डिप्टी कलेक्टर किन-किन धतकरमों में लिप्त है या लिप्त रहा है। कलेक्टर हों या नेता-मंत्री सभी को आखिर कमाऊ पूत ही तो चाहिए।

बड़ा सवाल

बलरामपुर के एसडीएम कांड से सवाल उठता है, क्या रिश्वत लेते पकड़े गए अधिकारियों, कर्मचारियों को फिर से महत्वपूर्ण पोस्टिंग दी जानी चाहिए? छत्तीसगढ़ में बड़ी संख्या में सरकारी मुलाजिम ऐसे हैं, जो रिश्वत लेते जेल की हवा खाकर लौटने के बाद फिर से मलाईदार कुर्सी पर बैठे हैं। जीरो टॉलरेंस पर काम कर रही सरकार को ऐसे मुलाजिमों की एक लिस्ट बनानी चाहिए, ताकि उन्हें अहम पदस्थापनाओं से अलग रखा जा सकें। क्योंकि, ऐसे अफसरों के साथ ऑन बिल्ट प्राब्लम रहता है...आगे चलकर फिर सरकार की साख को डेंट करते हैं।

बस्तर हनीमून डेस्टिनेशन

80 की दशक में जैसा बस्तर था...अफसरों के लिए वैसा ही...हनीमून डेस्टिनेशन जैसा बनता जा रहा है। माओवादियों के चलते पहले तो जान सांसत में पड़ी होती थी, न जाने किस पल क्या हो जाएगा? अधिकारी बस्तर से मीटिंग में रायपुर आने से डरते थे। बहुत आवश्यक हुआ तो देर रात प्रायवेट गाड़ी में बिना गनमैन के, हनुमान चालीसा पढ़ते हुए निकलते थे। कोशिश रहती थी, सुबह के पहले-पहले कम-से-कम कांकेर क्रॉस कर जाएं। मगर अमित शाह ने बस्तर की रौनक फिर से लौटा दी है। सरकार भी युवा अधिकारियों पर इनायत बरत रही है। न्यू कपल को अगल-बगल के जिलों में पोस्टिंग दी जा रही। इससे हो ये रहा कि वीकेंड में कई-कई जिला मुख्यालय खाली हो जा रहे। न्यू कपल हैं तो दोनों करना चाहिए। काम भी खूब और इंजॉय भी।

चना-मूर्रा जैसे आईएएस

एक तो दिग्विजय सिंह ने छंटे हुए अफसरों को छत्तीसगढ़ भेज दिया। उपर से रही-सही कसर पीएससी ने पूरी कर दी। हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस ने पीएससी परीक्षा निरस्त कर दी थी मगर सरकार ने उदारता बरतने में कोई कमी नहीं की...सबके सब आईएएस बन गए। पिछले साल भी दर्जन भर अधिकारियों में से एकाध ही आईएएस बनने लायक रहे होंगे, और इस बार सात में भी कमोवेश वही हाल रहा। छत्तीसगढ़ में अब हालात ऐसे बनते जा रहे कि लोग दिग्विजय सिंह को कोसना बंद कर देंगे। इस समय मुआवजा घोटालों से लेकर अनेक कर्मकांडों में डिप्टी कलेक्टर दागदार हो रहे...जेल जा रहे, देखिएगा कुछ सालों बाद ये सबके सब भारतीय प्रशासनिक सेवा का तमगा लगाकर घूमेंगे। क्योंकि, 50 खोखा कमा लिया तो उसमें से पांच-सात खोखा फेंकने में उनके घर से क्या जाएगा? फंडा यह है कि जमकर कमाओ, जमकर खर्च करो और फिर आईएएस बन जाओ। बाकी आम पब्लिक छत्तीसगढ़ियां, सबले बढ़ियां...पर ताली बजाता रहे।

संगठन मंत्री का प्रमोशन!

छत्तीसगढ़ के संगठन मंत्री पवन साय के प्रमोशन की इन दिनों बड़ी चर्चा है। वैसे भी पिछले तीन महीने से छत्तीसगढ़ से लगभग वे बाहर ही हैं। बीजेपी ने उन्हें पश्चिम बंगाल के मोर्चे पर लगा रखा है। जाहिर है, पवन साय ने छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के दौरान काफी काम किया था। पार्टी अब उन्हें इसका ईनाम देना चाहती है। पवन साय को क्षेत्रीय संगठन मंत्री बनाया जा सकता है। क्षेत्रीय संगठन मंत्री बनने का मतलब होगा, वे एकाधिक राज्यों के प्रभारी होंगे। पवन साय के प्रमोशन से उनके समर्थक क्या सोच रहे हैं, ये तो नहीं मालूम। मगर ये जरूर पता है कि पार्टी में जल्द कुछ अहम बदलाव होंगे। जाहिर है, प्रमोशन होने पर पवन की जगह कोई नया आदमी संगठन प्रभारी बनकर आएगा। फिर नितिन नबीन की जगह प्रदेश प्रभारी की भी नियुक्ति होगी।

ओपी के पिटारे से क्या?

जिस राज्य में बजट का 40 परसेंट हिस्सा कर्मचारियों, अधिकारियों के वेतन और 35 परसेंट फ्रीबीज में निकल जा रहा हो, वहां के बजट से कोई चमत्कारित उम्मीद कैसे रखी जा सकती है। छत्तीसगढ़ के खजाने की यह स्थिति है कि कोई महीना ऐसा नहीं जाता, जब 15 तारीख क्रॉस करते ही वित्त विभाग के अधिकारियों की पेशानी पर बल नहीं पड़ते हों। हर महीने 2500 करोड़ वेतन और करीब 800 करोड़ महतारी वंदन याने 3200 करोड़ चाहिए-ही-चाहिए। फिर भी, ओपी पढ़े-लिखे मिनिस्टर हैं, किल्लतों के बावजूद कुछ हटके करने का प्रयास करेंगे ही। अंदेशा है कि इस बार बजट में शहरी क्षेत्रों के डेवलपमेंट के लिए ठीकठाक राशि का प्रावधान किया जाएगा। खासकर, बिलासपुर और रायपुर को संवारने पर। युवाओं और रोजगार से जुड़ी कुछ अहम घोषणाओं की भी उम्मीदें हैं।

नेताओं की आंखों में धूल

छत्तीसगढ़ के ह्यूमन रिसोर्स को मजबूत करने सरकार कई मोर्चों पर काम कर रही है। एजुकेशन में नित नए प्रयोग और नवाचार किए जा रहे हैं। मगर यह भी सनद रहे कि रिजल्ट को लेकर अफसरशाही नेताओं की आंखों में धूल झोंकने का भी काम करती है। खासकर, स्कूल शिक्षा में। नकल के नाम पर यूपी-बिहार बदनाम थे। वहां अब स्थिति बदल गई है। और छत्तीसगढ़ में? स्कूल शिक्षा में छत्तीसगढ़ पिछले 25 सालों से देश में नीचे से तीसरे स्थान से उपर नहीं आ पाया। बता दें, कुछ बरसों पहले दो कलेक्टरों के बारे में पुख्ता जानकारी मिली थी कि अपने जिले का नंबर बढ़ाने स्कूल वालों को कुछ भी करने के लिए कह डाला था। जाहिर है, छत्तीसगढ़ के कलेक्टरों में अभी भी श्रेय लेने की होड़ है कि उनके जिले से इतने लोग मेरिट में आए। चिंतन पर इस पर भी होनी चाहिए कि रिमोट एरिया के स्कूलों में रिजल्ट इतने बढ़ियां कैसे आ जाते हैं। और, अगर ऐसा ही रहा तो सवाल उठता है...छत्तीसगढ़ के ह्यूमन रिसोर्स का क्या होगा? इस पर मनन करना चाहिए।

बजट सत्र में ट्रांसफर

ब्यूरोक्रेसी में ऐसा परसेप्शन चला आ रहा, बजट सत्र में ट्रांसफर नहीं होते। मगर छत्तीसगढ़ में ऐसा कई बार हो चुका है। इसी सरकार ने मानसून सत्र के दौरान ट्रांसफर किया था। बहरहाल, 23 फरवरी से बजट सत्र प्रारंभ हो रहा है। और 24-25 फरवरी के आसपास बलौदा बाजार कलेक्टर दीपक सोनी सेंट्रल डेपुटेशन के लिए रिलीव होंगे। 24-25 इसलिए क्योंकि 24 को गिरौदापुरी मेला समाप्त हो जाएगा। इसके बाद सरकार उन्हें कार्यमुक्त कर देगी। सवाल उठता है, बलौदा बाजार का अगला कलेक्टर कौन होगा? कलेक्ट्रेट को जलाने जैसी घटना के बाद तो सरकार कोई रिस्क नहीं लेना चाहेगा। लिहाजा, बतौर कलेक्टर दो-एक जिला करने वाले अनुभवी आईएएस अफसर को ही बलौदा बाजार भेजा जाएगा। हो सकता है, इस चक्कर में एक छोटा चेन बन जाए।

अंत में दो सवाल आपसे

1. क्या छत्तीसगढ़ के इस बजट में रायपुर-भिलाई में मेट्रो रेल की घोषणा हो सकती है?
2. एक मंत्री का नाम बताएं, जो कुर्सी की स्थिरता के लिए कामख्या के एक पंडित से यज्ञ करवाएं हैं?

मादक पदार्थों के 7 तस्कर गिरफ्तार हेरोइन जब्त

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के जम्मू और उधमपुर जिलों में अलग-अलग स्थानों से मादक पदार्थ के सात कथित तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। आर.एस. पुरा के निवासी बलविंदर कुमार और सनी कुमार को जम्मू शहर के गांधी नगर इलाके से गिरफ्तार किया गया और उनके पास से एक पिस्तौल, एक मैगजीन और 21 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। सांबा निवासी मोहम्मद इकबाल और अमित कुमार उर्फ जोगी को भी गांधी नगर से गिरफ्तार किया गया और उसके पास से एक पिस्तौल और 146 ग्राम हेरोइन जब्त की गई। ये गिरफ्तारियां मादक पदार्थ के एक तस्कर के खुलासे के आधार पर की गईं, जिसे गांधी नगर पुलिस ने इसी महीने की शुरुआत में गिरफ्तार किया था।

दो बाइक की ट्रॉली से टक्कर, तीन की मौत

लखीमपुर खीरी। लखीमपुर खीरी जिले में शुक्रवार रात को दो मोटरसाइकिल लकड़ी से लदी ट्रॉली से टकरा गईं, जिससे तीन लोगों की मौत हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना जिले के निघासन थाना क्षेत्र अंतर्गत निघासन-सिंगाही मार्ग पर हुई। सुरेश और छोटू एक मोटरसाइकिल से सिंगाही लौट रहे थे, जबकि विकास और उसका दोस्त बिरजू दूसरी मोटरसाइकिल पर सवार थे। दोनों मोटरसाइकिलें लकड़ी लदी ट्रॉली से आमने-सामने टकरा गईं, जिससे यह हादसा हुआ। विकास, सुरेश और छोटू की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बिरजू गंभीर रूप से घायल हो गया।

केरल में हटाए गए लगभग नौ लाख मतदाताओं के नाम

तिरुवनंतपुरम। मतदाता सूची का विशेष गहन परीक्षण प्रक्रिया के बाद निर्वाचन आयोग ने शनिवार को केरल में अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की, जिसमें से लगभग नौ लाख नाम हटा दिए गए हैं। राज्य में मतदाताओं की कुल संख्या अब 2.69 करोड़ से अधिक है। भारत निर्वाचन आयोग ने वेबसाइट का एक लिंक भी साझा किया है, जिससे जनता अद्यतन सूची में अपना नाम देख सकती है। निर्वाचन आयोग द्वारा शुक्रवार को संवाददाता सम्मेलन में जारी आंकड़ों के अनुसार, संशोधित मतदाता सूची में 2,69,53,644 मतदाता हैं।

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि
Email : response.haribhoomi@gmail.com
CLASSIFIED
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 6263818152
79871-19756

Appointment आवश्यकता

टेलीकॉलर
Requirment- Creditsea Finance Hiring Telecaller - Collection Associates (Hindi, English, Tamil, Telugu, Kannada, Malayalam). Salary 15,000–25,000; Male/Female; Complete Desk Job.3rd floor, Radhey Chambers, Pandri. Contact HR : 9109165137, 7999611198, 9131205196; Freshers, Experienced apply Immediately now. (RO-7243)

ग्राफिक डिजाइनर
आवश्यकता है- ग्राफ़िक डिजाइनर- न्यूज़पेपर विज्ञापन, ब्रोशर आदि डिजाइनिंग के लिए कोरल ड्रॉ, फोटोशॉप व अन्य नए सॉफ्टवेयर पर काम का 3-5 साल अनुभवी। संपर्क: 9300593000.(आरो-7245)

कैप्टन
आवश्यकता है- होटल वेलफेयर क्लब में स्टुअर्ट और कैप्टन की आवश्यकता है विजयबसंत काम्प्लेक्स जी.ई.रोड करण सुजुकी शोरूम के बाजू में भिलाई ,मो.- 8305279438. (आरो नं.-228)

सेल्समैन/सेल्सगर्ल
आवश्यकता है- पूनम स्वीट्स, प्रतिष्ठित मिठाई दुकान में सेल्समेन, सेल्सगर्ल्स, मिठाई कारीगर एंव नाश्ता कारीगर की अतिशीघ्र आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता। आकर्षक वेतन कोई शैक्षणिक योग्यता नहीं. रहने की सुविधा उपलब्ध। सम्पर्क: पूनम स्वीट्स, जयस्तंभ चौक, रायपु Mob:- 9893397633. (आरो-16572)

हरिभूमि क्लासीफाईड

हेल्पर/सेल्समैन
आवश्यकता है- प्रतिष्ठित कपड़ा दुकान में काम करने हेतु हेल्पर एंव अनुभवी सेल्समैन की आवश्यकता है, मिलने का समयः दोपहर 3:00 से 6:00 बजे तक, चुन्नीलाल केसरीमल बरलोटा शॉप नंबर D- 29- 30, प्रथम गेट, टेक्सटाइल मार्केट, पंडरी, रायपुर, संपर्क: 9 4 2 5 5 0 6 6 5 8, 9 4 2 4 2 0 0 6 5 8, 9977252503.(RO-7268)

पैकिंग कार्य
आवश्यकता है- चायपत्ती के पैकिंग कार्य हेतु लड़की व महिला और पुरूष, लड़कों की जरूरत है संपर्क करें - जैन ट्रेडर्स नियर SBI ATM आकृति विहार अम्लीडीह रायपुर के सामने गली 74699-80000, 0771-4075490.(RO-A)

क्लिनिक/ऑफिस कार्य
आवश्यकता है- क्लिनीक/ऑफिस में कार्य हेतु,दसवीं/ बारहवीं पढ़े लड़की/लड़के की आवश्यकता है, स्थायी निवासी को प्राथमिकता वेतन योग्यतानुसार मो.- 9 3 0 3 2 4 2 2 0 0, 7987365434 मिलने का समय- सुबह 10बजे से 1बजे तक पता:-स्टेशन रोड स्वरूप टॉकिज के सामने ब्राइट फर्नीचर के पीछे दुर्ग(छ.ग.) (आरो न.-4139)

आवश्यकता
आवश्यकता है- Free Recruitment Luxembourg और Germany के लिए भर्ती जारी। भर्ती प्रक्रिया फ्री है किसी भी प्रकार की एडवांस फीस नहीं। बीजा, टिकट, डॉक्यूमेंटेशन आदि सभी खर्च जॉइनिंग के बाद सैलरी से कटेगा सम्पर्क करें 9081281990.(आरो-40033)

हरिभूमि क्लासीफाईड
छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

ड्रायवर
आवश्यकता है- आकांक्षा लायंस इंस्टीट्यूट में स्कूल बस और फोर व्हीलर वाहन चलाने हेतु अनुभवी ड्राइवर की आवश्यकता है, जिसे स्कूल बस चलाने का 2 वर्ष का अनुभव हो, अपने ड्राइविंग लाइसेंस (HMV / LMV) सहित संपर्क करें। देवपुरी, पचपेड़ीनाका, संतोषीनगर, अवंतिविहार वाले को प्राथमिकता- न्यू कचना रोड, अवंतिविहार, रायपुर- 8 3 1 9 5 3 6 2 5 1, 7828159179.(आरो-540)

बिलिंग क्लर्क
आवश्यकता है- सी.एस.डी कैंटीन, नया रायपुर हेतु बिलिंग क्लर्क /बिलिंग चेक /एमटीएस के पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते है। वेतन 15,000/- प्रति माह निर्धारित है। इच्छुक अभ्यर्थी अपना आवेदन दिनांक 10 मार्च 2026 तक ईमेल आईडी- sdpithoragarh350@gmail.com पर भेजे। अधिक जानकारी हेतु मोबाइल नंबर 7051008675 पर संपर्क करें।(आरो-541)

सेल्स/असिस्टेंट
आवश्यकता है- दुर्ग, धमतरी, Bemetara , बालोद, जिला में कार्य करने हेतु Solar सेल्स एग्जीक्यूटिव- 7 पद (Male/ Female) भिलाई में ऑफिस असिस्टेंट-2 पद (Female), solar panel लगाने हेतु 8 (Male) technician की आवश्यकता है। पता- Elite Electrical and Solar Power, Hind Nagar , Bhilai 9977000162 (आरो नं.-229)

क्लासीफाईड

असिस्टेंट प्रोफेशर
AGRASEN COLLEGE
Vill- Dhanora, Dist- Durg (C.G) 491001
(Affiliated To: Hemchand Yadav University, Durg)
APPOINTMENT
Designation :- Assistant Professor (Physics, Chemistry, Botany, Zoology, History, Sociology, Political Science, Geography, Commerce, Foundation Course- Hindi, English), Post :- 01 EACH
Qualification :- PG with 55% and PhD or NET/SET/SLET pass
Designation :- Assistant Professor PG Diploma in Yoga Education and Philosophy, Post :- 01
Qualification :- PG with 55% and PhD or NET/SET/SLET pass
Designation :- Assistant Professor MSW Post :- 01
Qualification :- PG with 55% and PhD or NET/SET/SLET pass
* Pay Scale As per UGC &C.G. State Govt. Norms and their amendment from time to time.
* Candidates should send their application and Bio-Data with in 07 days from the date of publication at
Agrasen College, Village- Dhanora, District- Durg (C.G.) 491001 or mail at: agrasencollege@ymail.com

ऑफिस कार्य
शीघ्र आवश्यकता है- जो बाहर रहकर कार्य कर सके इंदौर में ऑफिस कार्य हेतु लड़के, आयु 18 से 30 वर्ष वेतन 12000+ कमीशन+ बोनस के साथ 20000 रहना फ्री +गाड़ी किराया +कोई शुल्क नहीं लगेगा संपर्क, 9 9 8 1 1 2 1 0 3 6, 8269109014.(आरो-326)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

टेलीकॉलर
आवश्यकता है- Sopy India Services को 18 से 40वर्ष की टेलीकॉलर लड़कियां, महिलाएं चाहिए। वेतन 11500 (पार्ट टाईम), 15500 (फुल टाईम), योग्यता 10वीं, वर्क फ्रॉम होम काम। सम्पर्क करें- राहुल सर 7558393950 (आरो-39964)

Property प्रापर्टी

मकान/प्लाट
मकान बेचना है- मकान EWS 1528-29 हाउसिंग बोर्ड छावनी, भिलाई वार्ड क्रमांक 26 क्रिकेट स्टेडियम के पास बेचना है एंव मैत्री विहार कॉलोनी शिवा पब्लिक स्कूल के पीछे गार्डन से सटा हुआ दुकान का पूर्व मुखी प्लाट क्रमांक 67 फेज बी 30 वर्ग मीटर शीघ्र बेचना है। संपर्क:- 8815155454.(RO-6667)

मकान बेचना है- दुर्ग शहर के टॉप लोकेशन न्यू आदर्श नगर, मीनाक्षी नगर, वृंदावन नगर में 2BHK, 3BHK, 4BHK मकान उपलब्ध एवं बोरसी में 700/-से 2200/- रुपए फिट तक के प्लाट उपलब्ध फाइनेंस सुविधा के साथ संपर्क - 7888098366.(आरो 10376)

Services सर्विसेस
सर्विस -अगर आप मेडिकल फ्रेंचाइजी (दुकान) लेना चाहते हैं या मेडिकल में इन्वेस्ट करना चाहते हैं, तो हाउसवाइफ, एंटरप्रेन्योर, स्टूडेंट, नौकरीपेशा, रिटायर्ड लोग इसमें हिस्सा ले सकते हैं। छत्तीसगढ़ के सभी गाँव, तहसील, व जिलों में फ्रेंचाइजी देना शुरु है। सम्पर्क करें- 8 0 1 0 4 0 0 2 0 5, 7 4 9 9 7 9 1 0 4 7, 8 8 0 6 5 4 7 2 5 2, 9 1 1 9 4 0 7 8 8 0, 8 0 1 0 4 0 0 2 0 5, 7 0 2 0 3 0 7 8 5 5, 8806547252.(आरो-222)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

वैवाहिकी वर चाहिए
वर चाहिए- 50-वर्ष/ 5'4''/ गवर्नमेंट रेलवे टिकट कलेक्टर (BRS) कार्यरत मासिक - 62400/ नि :संतान हेतु वर चाहिए! अविवाहित, तलाकशुदा, विधुर, नौकरीपेशा, घर जमाई, रिटायर्ड मान्य -7898382130, 98939 51705 (1324)

वधु चाहिए
वधु चाहिए- अग्रवाल वधु चाहिए उम्र 26 वर्ष रंग गोरा अकेला 12वीं पास ऊंचाई 5'5" अविवाहित स्वंय की व्यवसाय, स्वयं का घर उच्च वर्ग हेतु वधु चाहिए मो.- 7049784336, 88158 59240, पता- बी. अग्रवाल, राधाकृष्ण मंदिर डोंगरगांव छत्तीसगढ़ (6681)

वधु चाहिए
बिलासपुर निवासी बिजनेस एवं प्राइवेट जॉब कर रहे 28 वर्षीय सरयूपारी ब्राह्मण युवक हेतु सुयोग्य वधु चाहिए सर्व ब्राह्मण स्वीकार्य
सम्पर्क करें-
6263215412
9229991967

Finance फायनेंस
फाइनेंस - विनायिका फाइनेंस द्वारा सभी प्रकार लोन उपलब्ध बिजनेस, पर्सनल, कृषि महिला समूह, मकान, दुकान, लघु उद्योग, पर्सनल लोन, आधारकार्ड, पैन कार्ड प्रति उपलब्ध (2% ब्याज) (30% छूट) संपर्क:- 7587708423.(आरो-542)

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

हमारा अशियाना
META PROPERTIES
3BHK
VILLA & PLOTS AVAILABLE
VIP CITY, Saddu, Vidhan Sabha, Raipur, C.G.
812 000 8290
Khanna Advt.

सब कुछ है यहां
पढ़ते रहिए हरिभूमि क्लासिफाईड

आवश्यक सूचना
पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वाद-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व व्यक्तिगत से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों को हरिभूमि (प्रिंट प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने दावों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

विज्ञापन बुकिंग टाइम
सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

Healthcare

गुप्त रोगी स्वयं मिले
शादी से घबराहट गुप्त रोग
- शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी
- शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता
- लिंग में ढीलापन, छोटापन, पतलापन
- लिंग में टेढ़ापन
- वीर्य में शुक्राणु की कमी
- बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी
- पेशाब में धातु जाना
- शुगर से सेक्स में आई हुई कमजोरी
संपर्क जे.जे. अहमद दवाखाना सरकारी आई.टी.आई. पॉवर हाऊस अंबेडकर चौक, सी मार्ट के सामने बस स्टैण्ड, भिलाई
प्रतिदिन - सोम से शनि समय - 9 बजे से 5 बजे तक रविवार - 9 बजे से 2 बजे तक
9098889899

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।
18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये। लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330

बिजनेस साइट

सस्ती किस्तों का जाल : क्या सच में 'नो कॉस्ट' है ईएमआई

ईएमआई में नहीं दिखता ब्याज लेकिन कीमत बदल जाती है

ऑनलाइन शॉपिंग के दौर में एक लाइन सबसे ज्यादा लुभाती है वो है 'नो कॉस्ट' ईएमआई। छोटी-छोटी किस्तें देखकर खरीदारी का फैसला आसान लगने लगता है। दिमाग कहता है "इतनी सी ईएमआई है, अभी ले लेते हैं।" लेकिन निवेश और व्यक्तिगत वित्त के नजरिए से देखें तो 'नो कॉस्ट' ईएमआई उतनी सरल नहीं, जितनी दिखाई देती है। अब सवाल यह है कि क्या वाकई इसमें कोई लागत नहीं होती? या फिर लागत सिर्फ नजर नहीं आती?

'नो कॉस्ट' ईएमआई होती क्या है?

सरल शब्दों में, 'नो कॉस्ट' ईएमआई का मतलब है कि आप किसी प्रोडक्ट की कीमत किस्तों में चुकाते हैं और आपको अलग से ब्याज नहीं देना पड़ता। यानी कुल ईएमआई जोड़ने पर रकम उतनी ही होगी जितनी प्रोडक्ट की कीमत। लेकिन बैंक या फाइनेंस कंपनी बिना कमाई के पैसा उधार नहीं देती। तो फिर ब्याज कौन दे रहा है? यहीं से असली खेल शुरू होता है।

बैंक की कमाई कैसे होती है?

जब आप ईएमआई चुनते हैं, तो आमतौर पर प्रोडक्ट पर मिलने वाला सीधा डिस्काउंट कम कर दिया जाता है। उसी घटे हुए डिस्काउंट से बैंक का ब्याज एडजस्ट कर दिया जाता है। मतलब ये कि कागजों में आपको "ब्याज नहीं" दिखता है। लेकिन आपको मिलने वाला फायदा पहले ही कम कर दिया जाता है। बैंक को उसका हिस्सा मिल जाता है, और ग्राहक को लगता है कि वह बिना अतिरिक्त खर्च के सुविधा ले रहा है।

एक उदाहरण से समझिए

- ⏭ मान लीजिए आप 60,000 रुपये का स्मार्टफोन खरीदना चाहते हैं।
- ⏭ फुल पेमेंट पर ऑफर: 5,000 रुपये का सीधा डिस्काउंट
- ⏭ अंतिम कीमत: 55,000 रुपये
- ⏭ अब आप नो कॉस्ट ईएमआई चुनते हैं डिस्काउंट घटकर 2,500 रुपये रह जाता है
- ⏭ नई कीमत: 57,500 रुपये
- ⏭ आपने शुरुआत में ही 2,500 रुपये ज्यादा दे दिए।
- ⏭ अगर इसमें 499 प्रोसेसिंग फीस और उस पर 18% जीएसटी जोड़ दें, तो कुल खर्च लगभग 58,000 रुपये से ऊपर पहुंच सकता है।
- ⏭ दिखने में ईएमआई आसान थी, लेकिन कुल भुगतान बढ़ चुका है।

सबसे बड़ा भ्रम है: ईएमआई

- ⏭ सुविधा=सस्ता सौदा
- ⏭ असल में ईएमआई सिर्फ भुगतान को छोटे हिस्सों में बांटती है। खर्च कम नहीं करती।
- ⏭ छोटी ईएमआई दिमाग पर दबाव कम डालती है। एकमुश्त 55,000 देने से ज्यादा आसान लगता है 4,800 रुपये की मासिक किस्त देना। लेकिन कुल रकम का हिसाब अक्सर नजरअंदाज हो जाता है।
- ⏭ यह मनोवैज्ञानिक प्रभाव है—छोटे नंबर कम डराते हैं।
- ⏭ छिपे हुए चार्ज जिन पर कम ध्यान जाता है

ये अतिरिक्त खर्च संभव

- ⏭ प्रोसेसिंग फीस : 199 से 999 रुपये या उससे अधिक
- ⏭ जीएसटी : प्रोसेसिंग फीस या ब्याज वाले हिस्से पर 18%
- ⏭ ईएमआई कन्वर्जन चार्ज
- ⏭ लेट पेमेंट पेनल्टी (यदि किस्त समय पर न भरी जाए)
- ⏭ ये सभी बातें अक्सर शर्तों में छिपी होती हैं, प्रोडक्ट पेज पर बड़े अक्षरों में नहीं लिखी होतीं।
- ⏭ तुलना: फुल पेमेंट बनाम नो कॉस्ट ईएमआई
- ⏭ भुगतान तरीका दिखने वाली कीमत संभावित असली खर्च
- ⏭ फुल पेमेंट 55,000 55,000
- ⏭ नो कॉस्ट ईएमआई 57,500 58,000+

यह अंतर छोटा लग सकता है, लेकिन महंगे इलेक्ट्रॉनिक्स, फर्नीचर या एसी जैसे उत्पादों में यह हजारों रुपये तक पहुंच सकता है।

कब नो कॉस्ट ईएमआई सही विकल्प

⏭ हर बार नो कॉस्ट ईएमआई गलत नहीं होती। कुछ परिस्थितियों में यह उपयोगी हो सकती है। आपके पास पूरी रकम उपलब्ध नहीं है। ईएमआई लेने से डिस्काउंट कम नहीं हो रहा। प्रोसेसिंग फीस शून्य है। आप कैश फ्लो मैनेजमेंट के लिए भुगतान फैलाना चाहते हैं। अगर इन शर्तों में से अधिकतर पूरी होती हैं, तो ईएमआई एक व्यावहारिक विकल्प हो सकता है।

निवेश के नजरिए से

व्यक्तिगत वित्त का एक मूल सिद्धांत है खर्च से पहले गणित करें। यदि आपके पास पर्याप्त बचत है और आप फुल पेमेंट कर सकते हैं, तो अक्सर वह सस्ता विकल्प होता है। ईएमआई चुनने से पहले यह सोचें।

सोचें क्या यह जरूरत है

⏭ क्या ईएमआई के कारण मैं अतिरिक्त खर्च कर रहा हूं?
⏭ क्या मैं कई ईएमआई का बोझ एक साथ उठा रहा हूं?
⏭ कई बार लोग एक साथ 3-4 ईएमआई ले लेते हैं। छोटी-छोटी किस्तें मिलकर बड़ी मासिक देनदारी बन जाती हैं।

मार्केटिंग बनाम समझदारी

आज का ई-कॉमर्स माहौल भावनात्मक फैसले लेने को प्रेरित करता है। अभी खरीदें, बाद में भुगतान करें। लेकिन समझदार खरीदार पहले कैलकुलेशन करता है, फिर निर्णय लेता है। नो कॉस्ट ईएमआई धोखा नहीं है, लेकिन अधूरी जानकारी नुकसान में बदल सकती है। नो कॉस्ट ईएमआई सुविधा देती है, लेकिन हर सुविधा की एक कीमत होती है चाहे वह सीधी दिखे या छिपी हुई हो। इसलिए पहले पूरा गणित समझें, कुल भुगतान जोड़ें, और फिर फैसला लें। क्योंकि समझदारी से किया गया खर्च ही असली बचत है।

रियल एस्टेट में बड़ी राहत

क्लासिक ग्रुप के सभी प्रोजेक्ट्स पर 6 लाख रुपए तक का लाभ

रायपुर। शहर के रियल एस्टेट बाजार में ग्राहकों को बड़ी राहत देते हुए क्लासिक ग्रुप ने अपने सभी प्रोजेक्ट्स में 6 लाख रुपए तक के विशेष लाभ की घोषणा की है। यह ऑफर सीमित अवधि के लिए लागू किया गया है और अब इसके केवल अंतिम तीन दिन शेष हैं। कंपनी की ओर से शुरू की गई यह विशेष योजना कुल छह दिनों के लिए प्रभावी है, जिसके तहत प्रॉपर्टी खरीदने वाले ग्राहकों को अधिकतम 6 लाख रुपए तक की बचत का अवसर मिल रहा है। क्लासिक ग्रुप के अनुसार, इस ऑफर का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को अपने सपनों का घर खरीदने के लिए प्रोत्साहित करना है। लगातार बढ़ती महंगाई और निर्माण लागत के बीच यह योजना खासतौर पर मध्यम वर्गीय खरीदारों के लिए राहतकारी साबित हो रही है। सीमित समय की इस पेशकश के चलते साइट विजिट करने वाले कई ग्राहक मौके पर ही बुकिंग कर इस लाभ का फायदा उठा रहे हैं। क्लासिक ग्रुप की ओर से विकसित प्रोजेक्ट्स आधुनिक सुविधाओं, बेहतर लोकेशन और उच्च निर्माण गुणवत्ता के लिए पहचाने जाते हैं। कंपनी के प्रमुख प्रोजेक्ट्स में क्लासिक कैसल में प्रीमियम प्लॉट्स उपलब्ध हैं, सुमीत लैंडस्केप में प्लॉट्स की पेशकश की जा रही है, जबकि क्लासिक टॉवर्स में आधुनिक फ्लैट्स उपलब्ध हैं। कंपनी ने मकान, प्लॉट और फ्लैट खरीदने के इच्छुक ग्राहकों की सुविधा के लिए बैंक फाइनेंस की व्यवस्था भी उपलब्ध कराई है, जिससे खरीदारों को आसान भुगतान विकल्प मिल सके।

बालको अस्पताल परिसर में नई फार्मेसी का शुभारंभ

रायपुर। बालको मेडिकल सेंटर (बीएमसी), रायपुर द्वारा बालको अस्पताल परिसर में नई फार्मेसी की शुरुआत की गई। फार्मेसी का उद्घाटन बीएमसी की निदेशक डॉ. भावना सिरोही ने किया। इस अवसर पर भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक राजेश कुमार, मुख्य चिकित्सक अधिकारी डॉ. विवेक सिंहा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। नई फार्मेसी का संचालन बीएमसी रायपुर द्वारा किया जाएगा। इसका उद्देश्य कोरबा एवं आसपास के क्षेत्रों के मरीजों को एक ही स्थान पर किफायती दरों पर आवश्यक दवाइयाँ उपलब्ध कराना है। कैंसर उपचार से जुड़ी कीमोथेरेपी तथा अन्य विशेष दवाएँ भी यहीं उपलब्ध होंगी। बीएमसी शीघ्र ही बालको अस्पताल में कीमोथेरेपी डे-केयर सपोर्ट सुविधा भी शुरू करेगा, जिससे स्थानीय मरीजों को इलाज के लिए बड़े शहरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा और समय पर उपचार संभव हो सकेगा।

सुयश हॉस्पिटल में एंडो-सोनोग्राफी पर अत्याधुनिक वर्कशॉप

रायपुर। सुयश हॉस्पिटल में एंडो-सोनोग्राफी (ईयूएस) विषय पर विशेष वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से पेट के अंदरूनी अंगों जैसे लिवर, पैंक्रियास (अग्न्याशय) और गॉलब्लैडर का सूक्ष्म अध्ययन किया जाता है। ईयूएस द्वारा पेट के भीतर की गांठों की बायोप्सी लेकर सटीक निदान संभव है। पैंक्रियास की सूजन से बनने वाले पानी के गोले (सिस्ट) को भी बिना चीरफाड़ सुरक्षित तरीके से निकाला जा सकता है। विशेषज्ञों ने बताया कि यह तकनीक कई मामलों में ऑपरेशन की आवश्यकता को टाल सकती है। वर्कशॉप में डॉ. चेलापति राव, डॉ. अमिताभ नायक, डॉ. संजय अग्रवाल, डॉ. जीवन लाल गिडले, डॉ. मनोज लाहोटी एवं डॉ. अमित जोशी के मार्गदर्शन में लाइव डेमो और प्रशिक्षण सत्र आयोजित हुए।

श्री स्वास्तिक ग्रुप के नए प्रोजेक्ट 'फॉरेस्टा' की भव्य लॉन्चिंग आज

रायपुर। श्री स्वास्तिक ग्रुप की ओर से बहुप्रतीक्षित नए प्रोजेक्ट 'फॉरेस्टा' की भव्य लॉन्चिंग आज पुरानी धमतरी रोड, टेकारी, रायपुर में की जाएगी। श्री स्वास्तिक ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर सुनील साहू के अनुसार, यह प्रोजेक्ट आधुनिक सुविधाओं, प्रीमियम लोकेशन और उच्च गुणवत्ता के निर्माण मानकों के साथ विकसित किया जा रहा है, ताकि ग्राहकों को सुरक्षित और लाभकारी निवेश का अवसर मिल सके। तेजी से विकसित हो रहे टेकारी क्षेत्र में बेहतर कनेक्टिविटी और सुव्यवस्थित प्लानिंग इसे आवासीय और निवेश दोनों दृष्टि से उपयुक्त बनाती है।

आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित आवासीय प्रोजेक्ट

प्रोजेक्ट 'फॉरेस्टा' में अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप अनेक अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इनमें भव्य प्रवेश द्वार, कंक्रीट रोड, कवर्ड कैंपस, सीसीटीवी सर्विलांस, अंडरग्राउंड ड्रेनेज एवं सीवरेज सिस्टम, अंडरग्राउंड केबलिंग और आकर्षक लैंडस्केप गार्डन शामिल हैं। साथ ही भव्य बैंक्विट हॉल, मल्टीपर्पज कोर्ट, स्विमिंग पूल, अत्याधुनिक जिम, योग, एरोबिक्स एवं मेडिटेशन जोन, इंडोर एवं आउटडोर गेम्स तथा वॉकिंग ट्रैक जैसी प्रीमियम सुविधाएं शामिल हैं।

प्राइम लोकेशन पर प्रॉपर्टी खरीदने का सुनहरा अवसर : लॉन्चिंग अवधि के दौरान ग्राहक अपनी पसंद के प्लॉट साइज 2000 से 6000 तक की बुकिंग कर सकते हैं। सुनील साहू ने बताया कि यह अवसर विशेष रूप से उन लोगों के लिए है, जो कम कीमत में बेहतरीन लोकेशन पर प्रॉपर्टी खरीदना चाहते हैं। समूह का कहना है कि टेकारी जैसी उभरती लोकेशन में यह प्रोजेक्ट भविष्य में भी अत्यंत लाभदायक सिद्ध होगा।

श्री गणेश विनायक आई हॉस्पिटल में मेटा विजन एआई लैब की शुरुआत

रायपुर। श्री गणेश विनायक आई हॉस्पिटल ने नेत्र चिकित्सा में नई पहल करते हुए मेटा विजन एआई लैब (एडवांस्ड ऑक्यूलर इमेजिंग एवं डायग्नोस्टिक यूनिट) की स्थापना की है। यह लैब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और विशेषज्ञ डॉक्टरों के अनुभव का संगम है, जिससे आंखों की बीमारियों की शुरुआती और सटीक पहचान संभव हो रही है। अत्याधुनिक इमेजिंग तकनीक से ग्लूकोमा, डायबिटिक रेटिनोपैथी और केराटोकोनस जैसी गंभीर बीमारियों का पता प्रारंभिक अवस्था में लगाया जा रहा है। एआई आधारित ओसीटी और पेंटाकैम मशीनों से बिना दर्द और बिना इंजेक्शन जांच की सुविधा मिल रही है। एम्स, शंकर नेत्रालय और एलवी प्रसाद आई इंस्टीट्यूट से प्रशिक्षित विशेषज्ञों की टीम यहां सेवाएं दे रही है। आधुनिक कैटरैक्ट सर्जरी में मल्टीफोकल और टॉरिक लेंस के उपयोग से मरीजों को बेहतर और संतुलित दृष्टि मिल रही है।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रायपुर, रविवार 22 फरवरी 2026

कुछ साल पहले तक वर्क फ्रॉम होम के बारे में कम ही लोग जानते थे। लेकिन आज कंडीशन इससे भी एक कदम आगे बढ़कर वर्क फ्रॉम एनीवेयर तक पहुंच चुकी है। कई सर्विस सेक्टर्स ऐसे हैं, जिसमें यह वर्क मोड खूब पॉपुलर हो चुका है। इस मोड के अनेक फायदे हैं तो कुछ कमियां भी हैं। इन सबके बारे में आप जरूर जानना चाहेंगे।

कहीं से भी काम करने की आजादी

वर्क फ्रॉम एनीवेयर

{ कवर स्टोरी / कीर्तिशेखर }

करीब पांच वर्ष पहले कोरोना महामारी ने कार्यशैली में जिस बदलाव को मजबूरी में शुरू कराया था, वह अब स्थायी जीवनशैली का विकल्प बनता जा रहा हैं। पहले सवाल था- क्या घर से काम करना संभव है? अब सवाल बदल चुका है- क्यों न कहीं से भी काम किया जाए? इसी सवाल से जन्म होता है, वर्क फ्रॉम एनीवेयर की अवधारणा का यानी, ऐसा काम जिसे करने के लिए न तो ऑफिस की दीवारें जरूरी हैं, न किसी तय शहर की सीमा, बस आपका अपना लैपटॉप हो, इंटरनेट कनेक्शन हो और थोड़ी-सी मानसिक एकाग्रता, इसके बाद कहीं पर भी आप अपना ऑफिस वर्क शुरू कर सकते हैं।

ऐसे बदलती गई कार्यशैली: वर्क फ्रॉम होम ने लोगों को यह सिखाया कि जरूरी नहीं कि हर काम मीटिंग रूम या ऑफिस डेस्क पर ही बैठकर किया जाए। इस अवधारणा ने यह भी बताया कि प्रोडक्टिविटी का मतलब केवल कुर्सी पर बैठना नहीं होता। आउटपुट ज्यादा मायने रखता है। इसके बाद लोगों ने महसूस किया कि अगर घर से काम करना संभव है, तो फिर इंटरनेट की बदौलत कहीं से भी काम करना संभव है। कोरोना और उसके बाद से ही लोगों ने घूमने गए हिल स्टेशनों, समुद्र किनारे या शहर से अपने गांव जाकर घर के एक कोने में बैठकर देश-विदेश की मल्टीनेशनल कंपनियों का काम करने लगे। यहीं से वर्क फ्रॉम एनीवेयर का कॉन्सेप्ट व्यवहार में उतरा।

इसलिए चुन रहे यह तरीका: वर्क फ्रॉम एनीवेयर का कॉन्सेप्ट पॉपुलर होने की कई वजहें हैं। महानगरों में भीड़ बहुत बढ़ती जा रही है। भारी-भरकम किराए के बाद ही किराए का मकान मिलता है, बल्कि वहां जिंदगी भी बहुत मुश्किल भरी हो जाती है। ऑफिस आने-जाने में रोज ट्रैफिक जाम से पाला पड़ता है। परिवार साथ न होने की वजह से खाने की समस्या होती है। घर और परिवार से दूर रहने के कारण हर समय मानसिक अशांति रहती है। इस तरह काम तो होता है, पर जीवन बेचैन रहता है। इसलिए युवाओं का कहना है कि अब वो जीवन के लिए काम करना चाहते हैं, काम के लिए जीवन की हायतौबा नहीं झेलना चाहते। नतीजा यह है कि नई पीढ़ी के बहुत से लोग वर्क फ्रॉम एनीवेयर का विकल्प बड़ी सहजता से चुन रहे हैं, क्योंकि यह विकल्प उन्हें भरपूर आजादी का एहसास कराता है।

इस कॉन्सेप्ट का मेन टार्गेट: वर्क फ्रॉम एनीवेयर के बारे में इस बात को समझना जरूरी है कि इसका मतलब डिजिटल घुमक्कड़ी नहीं है, न ही इसका मतलब है कि कहीं भी घूमते-फिरते रहें और जब मौका मिले या मन करे तो काम कर लें। अगर इस धारणा का मतलब यह हो जाएगा, तब तो काम करना प्राथमिकता नहीं रह जाएगी। प्रोफेशनल्स के लिए उनका वर्क बहुत मायने रखता है। ऐसे में इंटरनेट ने बौद्धिक काम करने वाले लोगों को यह सुविधा तो दी ही है कि अगर हिल स्टेशन पर घूमने जाएं, तो समय निकालकर वहां से भी अपना काम कर सकें। मां-बाप के पास गांव जाएं तो वहां भी साथ अपना काम लेकर जाएं और कहीं किसी जरूरी यात्रा पर निकल रहे हों तो भी अपना काम अपने साथ रख सकते हैं।

इन फील्ड्स में है सफल यह मॉडल: वर्क फ्रॉम एनीवेयर का कॉन्सेप्ट सर्विस सेक्टर में ही संभव है कि आप कहीं से भी अपनी विशेषज्ञता संबंधी सेवाएं अपने नियोक्ता को दे सकें। हर काम वर्क फ्रॉम एनीवेयर के ढांचे में फिट नहीं होता है। बहरहाल, जो काम इस मोड में सही से किए जा सकते हैं, वो क्षेत्र हैं- आईटी और सॉफ्टवेयर, डिजिटल मार्केटिंग, एडिटिंग, कंटेंट राइटिंग, डिजाइनिंग, ऑनलाइन टीचिंग, कस्टमर सपोर्ट-कंसल्टेंसी, एचआर असिस्टेंस और फाइनेंस एनालिसिस भी इस वर्क पैटर्न से संभव है। दूसरे शब्दों में जिन कामों में फिजिकल उपस्थिति या मशीनरी की मौजूदगी की जरूरत नहीं होती, उन क्षेत्रों में यह मॉडल तेजी से अपनाया जा रहा है।

एंप्लॉई-एंप्लॉयर दोनों खुश: कंपनियां इसलिए इस मॉडल को स्वीकार कर रही हैं, क्योंकि इससे उनको भी फायदा है। इससे उन्हें ऑफिस स्पेस पर खर्च नहीं करना पड़ता। ऑफिस चलाने के लिए जो एस्टेब्लिशमेंट खर्च होते हैं, उनसे भी बचाव हो जाता है और सबसे बड़ी बात तो यह है कि लोगों को भर्ती करने के लिए पूरी दुनिया का दायरा मिल जाता है। कर्मचारी भी इससे संतुष्ट रहते हैं, क्योंकि हर रोज घर से काम करने के लिए नहीं निकलना पड़ता और न ही यात्रा करने की जो परेशानियां और तनाव होती हैं, उनसे निपटना पड़ता है।

कंपनियां भी अब इस बात को समझ चुकी हैं कि अगर सहूलियतों के बीच कर्मचारी को काम करने का मौका मिलता है तो उसका परफॉर्मेंस बेहतर होता है। इसलिए वे ऐसे कर्मचारियों को रखना पसंद करती हैं। इससे कर्मचारियों को सबसे बड़ा फायदा यह होता है कि उनके रहने और दूसरी जगह पर जाकर खाने-पीने की जो भारी भरकम लागत आती है, उससे छुटकारा मिल जाता है। घर से ऑफिस तक जाने में जो समय लगता है, उससे भी मुक्ति मिल जाती है। यह बचा हुआ समय व्यक्तिगत रुचियों का आनंद लेने और आराम करने के लिए इस्तेमाल होता है। कह सकते हैं इस अवधारणा से काम कराने वाला भी खुश होता है और काम करने वाला भी खुश और दोनों को फायदा होता है।

प्रोफेशनल्स का बचता है टाइम: काम की इस अवधारण का एक फायदा यह है कि लोग दिन में ऑफिस का काम करते हैं और फिर जो उनका दफ्तर तक जाने और आने का समय बचता है। उस समय का उपयोग बागवानी करने, संगीत सीखने, लेखन करने या अपने किसी शौक को पूरा करने के लिए लगाते हैं।

मौजूद हैं कुछ चुनौतियां: इस वर्क मोड में सबसे पहली चुनौती तो यह है कि ये काम वहीं हो सकता है, जहां इंटरनेट की सुविधा अच्छी हो, बिजली की आपूर्ति चौबीसों घंटे हो और काम करने के लिए एक सुरक्षित और एकांत जगह हो। साथ ही वहां दफ्तर जैसा माहौल बनाने की सुविधा हो। इसके अलावा सेल्फ डिसिप्लीन भी जरूरी होता है। कुछ लोग जब खुद निर्णय लेना होता है, तो कंसंट्रेट होकर काम नहीं करते। ऐसे काम करने के तरीके से कई प्रोफेशनल्स का निजी जीवन डिस्टर्ब हो जाता है। वे ऑफिस वर्क में बहुत समय देने लगते हैं। इसलिए बहुत सारे लोग शुरू-शुरू में यह फॉर्मूला अपनाते हैं, लेकिन जल्द ही ऊब कर ऑफिस आने लगते हैं। क्योंकि घर में काम करते हुए उनके वर्किंग ऑवर बहुत बढ़ जाते हैं। वर्क फ्रॉम एनीवेयर करते समय भले तनाव कम होता हो, आजादी खूब महसूस होती हो, लेकिन सामाजिक संपर्क से कट जाते हैं और अकेलेपन की आशंका से घिर जाते हैं। इसलिए कई बार कहीं से भी काम करने की सुविधा का नुकसान मानसिक रूप से बीमार होने के रूप में सामने आता है। इसलिए लोग अब हाइब्रिड मॉडल को बेहतर मान रहे हैं यानी चार दिन घर में और दो दिन दफ्तर में काम करना, सही संतुलन है। हां, महिलाओं को जरूर काम करने की इस शैली का फायदा मिलता है, क्योंकि इसके चलते उन्हें होम मेकिंग और करियर में संतुलन बनाने में मदद मिलती है। *

वर्क फ्रॉम एनीवेयर के लिए जरूरी सुविधाएं

- घर में तेज रफ्तार इंटरनेट कनेक्शन होना जरूरी है।
- घर में लैपटॉप के साथ बैकअप पावर की सुविधा होना जरूरी है।
- घर में काम करने के लिए ऑफिस जैसे स्थान का होना जरूरी है।
- रोज सुबह अनुशासित ढंग से तैयार होकर दफ्तर की तरह काम करना जरूरी है।
- घर से काम करते समय कंप्यूटर और साइबर सिक्योरिटी का ज्ञान भी जरूरी है। अगर कंप्यूटर की बेसिक समझ नहीं है तो कभी-भी अगर लैपटॉप या वर्क स्टेशन में कोई समस्या आ गई, तो तब तक काम नहीं कर पाएंगे, जब तक घर कोई मैकेनिक आकर समस्या हल न करे।
- घर से काम करने के लिए लगातार तकनीक में भी माहिर होते रहना जरूरी है।
- घर से काम करते समय लगातार उत्साह बनाए रखना भी जरूरी है ताकि अपना नियमित रूटीन सही से पूरा कर सकें।

आज के दौर में जीवन को सुविधाजनक बनाने वाला मोबाइल बेशुमार लोगों को अपना लती भी बना रहा है। इसके दुष्प्रभावों से बचने के लिए अब लोग तरह-तरह के उपाय आजमा रहे हैं। इनके बारे में आप भी जानिए।

मोबाइल एडिक्शन से बचने के लिए

आजमाए जा रहे तरह-तरह के उपाय

{ टेक्नोलाइफ / लोकमित्र गौतम }

हर सुबह आंख खुलते ही मोबाइल। रात में सोते समय आखिरी नजर तक मोबाइल। दिन में बीच-बीच में सैकड़ों बार स्क्रीन चेक करना। अब ये किसी व्यक्ति विशेष की आदत नहीं बल्कि ज्यादातर लोगों की लाइफस्टाइल बन गई है। अब मोबाइल में नोटिफिकेशन देखना याद नहीं रखना पड़ता। लोगों की यह स्वतः आदत बन गई है। लेकिन इसी दौर में कुछ और भी दिलचस्प और विरोधाभासी बातें भी हो रही हैं। एक ट्रेंड बहुत तेजी से उभर रहा है और यह है मोबाइल से दूरी बनाने का। नहीं, लोग तकनीक छोड़ नहीं रहे बल्कि उसके साथ नई-नई शर्तों के तहत रिश्ता तय कर रहे हैं। कोई नोटिफिकेशन बंद कर रहा है, कोई फोन ग्रे स्केल पर डाल रहा है, कोई डंब फोन खरीद रहा है, तो कोई रविवार को मोबाइल अलमारी में बंद करके उसमें ताला लगा देता है। मोबाइल को लेकर उसके पक्ष और उसके विरोध में एक से बढ़कर एक आदतें दुनिया का ध्यान खींच रही हैं।

क्यों छोड़ना चाहते हैं फोन: हाल के कुछ सालों में ऐसे कई अनुभव सामने आए हैं, जिससे पता चलता है कि मोबाइल लोगों का ध्यान बहुत जल्दी भटका देता है। यह भी महसूस किया गया है कि लगातार मोबाइल का इस्तेमाल करने से अधूरेपन का एहसास बढ़ जाता है। मोबाइल की लत लग जाए, तो कब देखते ही देखते टाइम फुर्र हो जाता है, पता ही नहीं चलता। इन सबके अलावा हाल के सालों में बिना कुछ किए लोगों को एक ऐसी थकान जकड़ रही है, जो जानकारों के मुताबिक मोबाइल की देन है। ऐसे ही और भी अनेक कारण हैं, जिसके चलते अब लोग मोबाइल से अगर पूरी तरह से नहीं, तो बीच-बीच में कुछ समय तक के लिए पिंड छुड़ाना चाहते हैं। इसलिए इन दिनों लोग मोबाइल से दूर रहने के लिए तरह-तरह के उपाय आजमा रहे हैं। इनमें से कुछ के बारे में बता रहे हैं।

नोटिफिकेशन मिनिमलिज्म: बहुत से लोग अब सिर्फ कॉल और जरूरी एप्स के नोटिफिकेशन ही चालू रखते हैं। व्हाट्सएप ग्रुप, सोशल मीडिया लाइक और ई-मेल अलर्ट, सब कुछ लोग बंद कर रहे हैं। इस कारण फोन हाथ में लेने की अपने आप जरूरत कम रह जाती है। ऐसे उपाय अपनाने वाले लोग बताते हैं- जहां वह पहले 125 से 150 बार तक स्क्रीन अनलॉक करते थे, वहीं ऊपर बताए गए उपाय यानी नोटिफिकेशन मिनिमलिज्म के बाद अब ये संख्या घटकर 40 से 50 बार रह गई है।

ग्रे स्केल मोड: इसका मतलब है फोन की रंगीन स्क्रीन को ब्लैक एंड व्हाइट में बदल देना। फोन की दुनिया काली-सफेद होते ही लोगों का रील्स में आकर्षण घट जाता है और स्क्रॉल करने का मन ही नहीं रह जाता। यह एक छोटा-सा उपाय है, लेकिन इसके बेहद असरदार मनोवैज्ञानिक नतीजे हासिल होते हैं। इसके साथ ही कुछ लोग अपने फोन में डाउनलोड किए गए हर मीडिया एप के लिए दिन में 20 से 30 मिनट की लिमिट तय कर देते हैं और लिमिट खत्म होते ही यह एप अपने आप ही लॉक हो जाते हैं, जिससे इनसे मुक्ति मिल जाती है। ये उपाय शुरू में तो झुंझुलाहट पैदा करता है, मगर 3-4 दिन के बाद इसकी आदत बन जाती है।

फोन मुक्त दिन की शुरुआत: कुछ लोग इन दिनों सुबह जगने के बाद एक से दो घंटा तक बिल्कुल मोबाइल के पास नहीं जाते, इस दौरान उनका मोबाइल स्विच ऑफ रहता है। जब तक मोबाइल स्विच ऑफ रहता है, वे फ्रेश होते हैं, चाय पीते हैं, अखबार पढ़ते हैं, एक्सरसाइज का अपना रुटीन खत्म करते हैं या ऐसा कुछ नहीं भी करते हैं तो इस दौरान सिर्फ खिड़की या बालकनी से बाहर झांकते हैं। जो लोग ये उपाय आजमा रहे हैं, उनका अनुभव बताता है कि इससे पूरा दिन शांति महसूस होती है।

सोशल मीडिया फास्टिंग: कुछ लोग सोशल मीडिया फास्टिंग का उपाय भी आजमा रहे हैं। फोन से दूर रहने का यह एक और उपाय है। इसके चलते जैसे कुछ लोग धार्मिक रूप से हफ्ते में किसी एक या दो दिन उपवास रखते हैं। लगभग उसी तरह इस प्रयोग के तहत लोग हफ्ते में एक दिन या 15 दिन में एक दिन फोन से पूरी तरह से दूर रहने का उपाय आजमाते हैं।

बेडरूम से बाहर फोन: कुछ लोग अपने फोन को बेडरूम से बाहर रखकर सोते हैं। इस तरह फोन को बेडरूम से बाहर रखने के बहुत फायदे मिलते हैं। इससे नींद बेहतर आने लगती है। रात की स्क्रॉलिंग खत्म हो जाती है। *

मानसिक स्वास्थ्य के लिए है जरूरी

लोग इस बात को भली-भांति समझने लगे हैं कि फोन के बहुत ज्यादा इस्तेमाल के कारण उनकी आंखों पर ही नहीं, ध्यान लगाने की क्षमता पर, भावनात्मक स्थिरता पर और यहां तक कि आत्मसंतोष की अनुभूति पर भी जबर्दस्त असर पड़ने लगा है। मोबाइल से दूर रहना एक तरह से खुद के पास होने जैसा है। क्योंकि जो लोग बहुत ज्यादा फोन इस्तेमाल करते हैं, उन लोगों के अनुभव बताते हैं कि वो जितना ही ज्यादा फोन में रहते हैं, उतना ही ज्यादा अकेलापन महसूस करते हैं। ऐसे में इससे दूरी बनाने की आदत मानसिक स्वास्थ्य बेहतर बनाती है।

{ गजल / हबीब कैफी }

मोहब्बत में जो लिखता है
अंधेरे में भी दिखता है

वहां कुछ फूल खिलते हैं
जहां वो पांव टिकता है

जिसे सब इश्क कहते हैं
सर-ए-बाजार बिकता है

फकत रोटी नहीं सिकती
तवे पर दिल भी सिकता है

महकता फूल लिखना था
उसी को खार लिखता है

{ व्यंग्य / महेश कुमार केशरी }

मेरे घर आ धमकने का पड़ोसी महोदय को बस बहाना चाहिए। कभी चीनी, कभी टमाटर, कभी धनिया पत्ती तो कभी मिर्च गोलकी मांगने चले आते हैं। गोया मेरा घर नहीं, कोई धर्मशाला हो।

प्रभु बचाए ऐसे पड़ोसी से

कहते हैं, सांप चंदन के पेड़ से हमेशा लिपटे रहते हैं। हालांकि मैं चंदन जैसा तो बिल्कुल नहीं हूं, फिर भी न जाने क्यों आस-पड़ोस के लोग मुझसे लिपटने को आतुर रहते हैं। कुछ ऐसे ही बगल के घर में रहने वाले मेरे एक पड़ोसी भी हैं। मेरे घर आ धमकने का उनको बस बहाना चाहिए। कभी चीनी, कभी टमाटर, कभी धनिया पत्ती तो कभी मिर्च गोलकी मांगने चले आते हैं। उन पड़ोसी महाशय को जब-जब कोई जरूरत होती है, वे भुजंग की तरह मुझसे आकर चिपट जाते हैं। गोया कि मैं आदमी नहीं बल्कि चंदन का पेड़ होऊं। उनका मेरे घर आना-जाना ऐसे होता है, जैसे मेरा घर नहीं, कोई धर्मशाला हो। ऐसे पड़ोसी मुझे मिले हैं, जिनको दिन भर में मुझसे दसियों बार काम पड़ता है। 'भाई साहब! भाई साहब!' कह-कह कर वे मुझे चूना लगाते रहते हैं। कभी-कभी तो मुझे लगता है, जैसे मैंने इन पड़ोसी महाशय को गोद लिया हुआ है। और वे मेरे बच्चे सरीखे हैं। वाह रे भाई! मान-न-मान मैं तेरा मेहमान। कभी 'हम बाहर जा रहे हैं, जरा घर देखिएगा।' कभी 'जरा बाइक की चाबी दीजिएगा बच्चे को स्कूल छोड़ने जाना है।' तो कभी 'बाजार जा रहे हैं, जरा मेरा फलना-ढिमकाना सामान भी लेते आइएगा।' अगर कभी थोड़ी नाराजगी मैं जताता तो दांत निपोरते हुए बोलते, 'अब एक पड़ोसी ही तो दूसरे पड़ोसी के काम आता है!' किसी दिन आकर पूछते हैं, 'भाई आपके पास कैंची होगी?' तो किसी रोज कहते, 'भाई साहब आपके पास रस्सी तो होगी?' मन आता है कि कह दूं, 'जिस भी चीज की जरूरत पड़े, वो आपको मुझसे ही चाहिए होती है। भला मैं आपूर्ति मंत्रालय में काम तो नहीं करता कि हर चीज का जुगाड़ करके आपके लिए रखा होऊं। भाई मैंने आपका ठेका थोड़ी न लेकर रखा है।' अभी बीते दिनों उन्हीं पड़ोसी का खल चोरी हो गया। वे मुझ पर झल्लाने लगे, 'आप के भरोसे घर छोड़कर गया था, देखिए मेरा खल चोरी हो गया।' मन में आया उसी खल में उन्हें कूट दूं। कह दूं कि आपने मुझे अपना खरीदा हुआ नौकर समझ लिया है क्या, जो मैं आपकी चाकरी करूंगा।

पता नहीं कब मेरा पिंड छूटेगा इन महाशय से! भगवान बचाए ऐसे पड़ोसी से। *

{ लघुकथा / डॉ. रंजना जायसवाल }

डुबकी

खोया-पाया कैंप में उस बूढ़े बाबा को बैठे छह घंटे हो गए थे। रात गहराती जा रही थी। अभी तक उन्हें कोई ढूंढने भी नहीं आया था। बाबा की आंखें एक आशा के साथ हर आहट के साथ दरवाजे तक जातीं, लेकिन वह निराश होते। कैंप के कर्मचारी की ड्यूटी बदलने का समय हो गया था। नए कर्मचारी ने पानी का गिलास पकड़ाते हुए बाबा से पूछा, 'आप कहां से आए हैं?'

'बेटा काफी दूर से आए हैं।'

'कुछ नाम तो होगा।'

'नाम...' बाबा ने याद करने की कोशिश की।

'किसके साथ आए हैं?'

'कलुवा, हमारा इकलौता बेटा'

'कुंभ नहाए आए थे?'

'हमार बेटवा ब्याह के दस बरस के बाद पैदा हुआ था। उसकी अम्मा मन्नत की रही, गंगा मैया को साड़ी चढ़ाएगी पर परमात्मा को कुछ और ही मंजूर था। अब जइबे तब जइबे करते-करते बख्त निकल गया। उसकी अम्मा ने मरते बख्त कसम ली थी। बचुवा के साथ मन्नत उतारे आए रहे। कुंभ नहाए लेब और मन्नत भी उतार देब।'

'बेटा कहां है बाबा?'

'हमसे बोला कुछ खाए का सामान लेने जाए रहे। इहां बैठे रहो हम अबही आत है।'

'फिर?'

'हमको बैठाकर पता नहीं कहां चला गवा? पुलिस वाले हमको इहां पहुंचा गए। बेचारा कितना परेशान हो रहा होगा।' बाबा की आंखों में अपने बेटे कलुवा के लिए चिंता उभर आई। कर्मचारी समझ चुका था, बीते कुछ दिनों में बाबा जैसे न जाने कितने लोग अपनों की तलाश और इंतजार में भटक रहे थे। 'बाबा, दस बार माइक पर कलुवा का नाम पुकारा जा चुका है। फोन नंबर याद है उसका?'

'फोन?'

'वापसी कब थी?'

'छः बजे की टरेन थी।'

'पर बाबा अब तो नौ बज रहे हैं।'

'नौ!' बाबा की आंखों के जुगनू धप्प पड़ गए।

'कलुवा आता ही होगा। हमें लिए बिना कैसे जाएगा?'

बाबा ने धीरे से बुदबुदाया। सामने गंगा मैया मंद-मंथर गति से बह रही थी। वह एक और पाप की साक्षी थी। जिसे कोई डुबकी धुल नहीं सकती थी। *

पुस्तक: सुखन तुम्हारे, लेखक: फैज अहमद फैज-एलिस फैज, अनुवाद: जफर इकबाल, मूल्य: 550 रुपए, प्रकाशक: राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

दो दिलों की खत-ओ-किताबत

गजलों-नज्मों का शायद ही कोई ऐसा कद्रदान होगा, जो फैज अहमद फैज के नाम से नावाकिफ हो। अपनी शायरी में इंकलाबी तेवर और हुकूमत की बंदिशों को चुनौती देने वाले फैज के भीतर एक नाजुक दिल पति और बेहद जज्बाती पिता भी मौजूद था, इसकी बानगी उनके द्वारा लिखे उन खतों में दिखती है, जिनको उन्होंने कैद के दौरान अपनी पत्नी और बच्चों को लिखे थे। हाल में छपकर आई किताब 'सुखन तुम्हारे' में फैज के द्वारा लिखे गए 135 खत और उनकी पत्नी एलिस के द्वारा लिखे गए 178 खतों को संकलित किया गया है। वर्ष 1951 में पाक सरकार द्वारा गैर कानूनी तौर पर गिरफ्तार किए गए फैज, करीब चार वर्ष तक जेल में रहे। इस दौरान फैज और एलिस के बीच हुई खत-ओ-किताबत का महत्व किसी ऐतिहासिक दस्तावेज से कम नहीं है। यहां गौर करने वाली बात है कि फैज की गिरफ्तारी ने उन्हें बेबस नहीं और मजबूत बना दिया था। 17 जुलाई 1952 को लिखे खत में वह कहते हैं, 'यह जख्म बहुत अचानक, बहुत बेसबब लगा है लेकिन इसे सहने का बल मुझमें है। और इसके सामने भी मेरा सिर नहीं झुकेगा।' 24 अगस्त 1954 को एलिस, फैज को लिखे खत में भीगे जज्बातों से उनकी गैरमौजूदगी को महसूस करती हैं, 'जब मीजू ने केक काटा, उसने अपना मुंह बना लिया। आंखें बंद कीं और उस चीज की दुआ मांगी, जिसके लिए हम सब मांग रहे थे- खुदा तुम्हें हमारे पास घर भेज दें।' कह सकते हैं इस किताब में एक इंकलाबी शायर और उनकी पत्नी के व्यक्तित्व का बिल्कुल नया पहलू हमारे सामने उजागर होता है। *

जैकेट के शेष

पीडब्ल्यूडी ने अब ....

उल्लेखनीय है कि हर साल बजट में एक साल(वित्तीय वर्ष) के लिए राशि का प्रावधान किया जाता है। साथ ही पूंजीगत व्यय के लिए प्रत्येक तिमाही के लिए लक्ष्य निर्धारित किए जाते हैं। लोक निर्माण विभाग ने राज्य की व्यय एवं अनुदान रिपोर्ट में ब्योरा दिया है, उसे मुताबिक अब तक कुल 27.81 प्रतिशत व्यय हुआ है।

कागजों में अरबों ....

विशेष मरम्मत और नवीनीकरण जैसे सीधे जनता से जुड़े कार्य भी खर्च के मामले में 'शून्य' पर टिके हैं।

जिन मदों में ...

रखरखाव (लघु निर्माण कार्य, अस्पताल और औषधालय भवनों का निर्माण जैसे बहुत से काम हैं जिन पर आंकड़ों के मुताबिक शून्य राशि खर्च की गई है।

डिजिटल दावा, सिस्टम ....

इसकी पड़ताल की। शिकायत सही पाई गई। मुख्य समस्या धीमे डेटा सिंक्रोनाइजेशन, स्थानीय सर्वर और केंद्रीय ऑनलाइन सर्वर के बीच कनेक्टिविटी की कमी, तथा डेटा प्रविष्टि में त्रुटियों की है। एफआईआर दर्ज कराने में लगभग हर जिले के पोर्टल में एरर ही बता रहा है। अधिकारियों के मुताबिक सीसीटीएनएस पोर्टल और सॉफ्टवेयर में मुख्य रूप से धीमा सिंक्रोनाइजेशन, डेटा प्रविष्टि में त्रुटियां, और स्थानीय सर्वर व केंद्रीय ऑनलाइन सर्वर के बीच कनेक्टिविटी की समस्या है। गौरतलब है कि डिजिटल इंडिया और ई गवर्नेंस क्राइम के तहत सभी विभागों के कामकाज को ऑनलाइन किया जा रहा है, ताकि काम में पारदर्शिता बनी रहे। इसी के तहत केंद्र सरकार ने क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम (सीसीटीएनएस) की शुरुआत की है। देश के सभी थानों को एक सर्वर से जोड़ा गया है। राज्य पुलिस ने इसे सभी जिलों में एक साथ लांच करने की तैयारी की थी लेकिन ऐसा नहीं हो सका। रायपुर के बाद बलौदाबाजार जिले में इसे जरूर पहले लागू किया गया था। बिलासपुर में शनिवार से सुविधा लांच की गई लेकिन नेटवर्क की समस्या बनी ही रही।

जीआरपी और आरटीओ की भी रहेगी रिपोर्ट : अधिकारियों का दावा है कि पोर्टल में रेलवे पुलिस के भी संभाग या थाने की शिकायतों को देखा जा सकता है। इन्हें भी लिंक से जोड़ दिया गया है। जीआरपी में थानों में रोजाना दर्ज होने वाली शिकायतों को ऑनलाइन किया जा रहा है। इसमें एफआईआर की कॉपी भी अपलोड की जा रही है। दावा है कि अभी रेलवे पुलिस के रायपुर, बिलासपुर, भिलाई, दुर्ग, रायगढ़ के थानों की एफआईआर ऑनलाइन की गई है। इसके साथ ही परिवहन विभाग का लिंक भी उसमें जोड़ा गया है।

समाधान एप में यह है सुविधा : पुलिस के समाधान एप में जो सुविधाएं दी गई है, वह इस प्रकार से हैं, - ऑनलाइन शिकायत करने की सुविधा, - एप से कोई भी एफआईआर देख सकता है, - गिरफ्तारी के बारे में जानकारी मिलती है, - डीजीपी, आईजी, एसपी, टीआई किसी को भी सीधे शिकायत करने की सुविधा, - गूगल लोकेशन के जरिए संबंधित थानों की पूरी जानकारी, - पुलिसकर्मियों को अपराध और अपराधियों की पूरी जानकारी मिलती है, - इस एप के जरिए पुलिस को बदमाशों की ट्रैकिंग करने में भी मदद मिलती है

नए और पुराने ....

व्यावहारिक ज्ञान की कमी के कारण कार्यप्रणाली में समस्या आ रही है। इसके साथ ही आरोपी/शिकायतकर्ता की कई आईडी बनना और घटनाओं के दर्ज होने का तार्किक क्रम सही नहीं होने से परेशानी बढ़ रही है। इसके अलावा राज्य के सभी पुलिस स्टेशनों में इंटरनेट कनेक्टिविटी समान रूप से उपलब्ध नहीं होना भी एक समस्या है। इसके अलावा पुराने (आईपीसी, सीआरपीसी) और नए कानूनों (बीएनएसएस) के अनुसार डेटा को अपडेट करने में सॉफ्टवेयर में चुनौतियां आ रही हैं।

मां का आशीर्वाद ....

हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनस्नेह ही उनकी सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने अपने जन्मदिवस को विशेष और यादगार बनाने के लिए सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।इस विशेष अवसर पर बनिया स्थित श्री राम सदन में सत्यनारायण व्रत कथा श्रवण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय, उनकी माताजी श्रीमती जसमनी देवी, धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय तथा परिवार के अन्य सदस्यों ने पूरे श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ व्रत कथा का श्रवण किया तथा ईश्वर से प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की।

छात्राओं को मुख्यमंत्री ने प्रदान की क्रिकेट किट : क्रिकेट की दुनिया में जिले का नाम रोशन करने वाली शासकीय प्री-मैट्रिक कन्या छात्रावास, इचकेला की प्रतिभाशाली छात्राओं को मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने प्रोत्साहित करते हुए 15 क्रिकेट किट प्रदान किया। छात्रावास की इन छात्राओं ने अपने उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन के दम पर राष्ट्रीय स्तर पर भी जिले को गौरवान्वित किया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी छात्राओं को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप इसी लगन, अनुशासन और मेहनत के साथ निरंतर आगे बढ़ती रहें तथा अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से राज्य और देश का नाम रोशन करें।

कार पोल से टकराई, दो ....

घटना देर रात 12.30 बजे की बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों ने पुलिस को बताया कि कार की रफ्तार काफी तेज थी। संतुलन बिगड़ने से कार पहले डिवाइडर से टकराई और फिर रेलिंग को तोड़ते हुए सड़क किनारे लगे पोल से टकराकर पलट गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। मिथिलेश की हालत नाजुक बताई जा रही है। घायल तथा मृतक आरंग के रहने वाले हैं।

रिश्तेदार को छोड़कर आ रहे थे : कार सवार जिन लड़कों की मौत हुई है, उनमें से किसी एक के रिश्तेदार को युवक महासमुंद छोड़ने के लिए गए थे। वापसी के दौरान युवकों की कार की गति 120 से ज्यादा थी। एक्सीडेंट के समय कार की गति 110 की थी। महानदी पुल पार करने के बाद टर्न था। टर्न के पास कार चला रहा युवक कार की गति को कंट्रोल नहीं कर पाया और कार सीधे जाकर डिवाइडर से टकराने के बाद रोलिंग को तोड़ते हुए पोल से टकरा कर पलट गई।

पूर्व सेनाप्रमुखों के रिटायरमेंट के बाद किताब लिखने पर नहीं कोई पाबंदी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

पूर्व सेनाप्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरावणे की अप्रकाशित किताब 'फोर स्टार ऑफ डेस्टिनी' को लेकर मचे राजनीतिक घमासान के बीच सरकारी सूत्रों ने शनिवार को बताया कि देश की तीनों सशस्त्र सेनाओं (सेना, वायुसेना और नौसेना-तटरक्षकबल) के प्रमुखों की सेवानिवृत्ति (रिटायरमेंट) के बाद उनके द्वारा कोई किताब लिखने पर 20 साल तक की कोई पाबंदी नहीं लगाई गई है। न ही सरकार की तरफ से ऐसा कोई प्रस्ताव लाया जा रहा है। इसके अलावा केंद्रीय मंत्रिमंडल की किसी बैठक में भी अभी तक इस संबंध में कोई चर्चा नहीं हुई है। दरअसल इस मामले के तूल पकड़ने की एक वजह हाल ही में मीडिया के एक धड़े में प्रकाशित की गई वह खबर रही है। जिसमें ये कहा गया था कि भारतीय सेना के पूर्व प्रमुख जनरल नरावणे की किताब को लेकर विपक्ष खासकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने संसद में सरकार पर जमकर निशाना साधा था। जिसके बाद अब केंद्र सरकार आगामी समय में सेनाओं के साथ-साथ किसी अन्य शीर्ष सरकारी अधिकारी की सेवानिवृत्ति के बाद उनके द्वारा कोई पुस्तक लिखने पर 20 वर्ष तक की रोक लगाने जा रही है। इस संबंध में जल्द ही एक आदेश जारी किया जा सकता है। खबरों में ये दावा भी किया गया था कि पूर्व में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की एक बैठक में भी इस विषय पर अनौपचारिक रूप से चर्चा की गई है।

दिल्ली पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

वहीं, संसद में मामला उठने के बाद दिल्ली पुलिस ने नेता प्रतिपक्ष और किताब के प्रकाशक पेंगुइन के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पुलिस खासतौर पर किताब के डिजिटल और दूसरे फॉर्मेट में किताब के गैर-कानूनी सर्कुलेशन की जांच कर रही है। जनरल नरावणे वर्ष 2019 से लेकर 2022 तक सेनाप्रमुख रहे। उनके कार्यकाल के दौरान ही अप्रैल 2020 में पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन की सेनाओं के बीच एलएसी विवाद की शुरुआत हुई थी।

रक्षा मंत्रालय ने नहीं दी प्रकाशन की मंजूरी

इस किताब को वर्ष 2024 में प्रकाशित किया जाना था। लेकिन उसके पूर्व में दिसंबर 2023 में मीडिया में प्रकाशित इसके कुछ अंशों जैसे अग्निवीर योजना को लेकर काफी बवाल हुआ था। जिसके बाद रक्षा मंत्रालय ने पेंगुइन और जनरल नरावणे को लिखित में कहा कि पुस्तक के प्रकाशन से पहले इसे सेना की मंजूरी के लिए भेजें। पुस्तक भेजी गई, सेना ने इसे जांचा और अपना मत मंत्रालय के पास अंतिम निर्णय लेने के लिए भेजा। रक्षा मंत्रालय ने अभी तक किताब को प्रकाशित करने की मंजूरी प्रदान नहीं की है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

विविध कार्य हेतु ई-निविदा सूचना

क्र.सं. (1) ई-निविदा संख्याः- डीआरएम-इंजी.-बीएसपी-टी-203-25-26, दिनांकः 16.02.2026

कार्यः सहायक मंडल अभियंता/ पेंड्रा के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत पेंड्रा में ओएचई डिपो, पीएस आई डिपो, टावर वैगन शेड का पुनर्वास/ निर्माण । निविदा मूल्य (रू.): 3,05,21,069.75/-, अमानत राशि (रू.): 3,02,600.00/-, कार्य पूर्णता की अवधिः 15 माह, निविदा जमा की आरंभ तिथिः- दिनांकः 03.03.2026 के 11.00 बजे से । निविदा जमा की अंतिम तिथिः- दिनांकः 17.03.2026 के 11:00 बजे तक ।

उपरोक्त ई-निविदा सूचना की पूरी जानकारी https://www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध है । उपरोक्त निविदाओं हेतु ई-टेंडर के अलावा अन्य टेंडर स्वीकार नहीं की जाएगी ।

मंडल रेलवे प्रबंधक (अभि.)

सीपीआर/10/707 द.पू.मध्य रेलवे, बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

पेज एक के शेष

सुकमा में उखड़ रहे पैर ...

के नक्सली शामिल हैं। फोर्स ने कहा है कि सरेंडर करके मुख्यधारा में शामिल हो जाएं नहीं तो खात्मा किया जाएगा।

देवजी व पापाराव भी सक्रियः मोस्ट वाटेंड नक्सली पोलित ब्यूरो मेंबर व प्रभारी सेंट्रल मिलिट्री कमीशन थिप्परी तिरूपति उर्फ देवजी, डीकेएसजेडसीएम, प्रभारी व सचिव पश्चिम बस्तर डिविजन कमेटी पापाराव कुड़ाम उर्फमंगू तथा सोढ़ी केसा की भी सरगर्मी से तलाश की जा रही है। निर्धारित तिथि तक समर्पण नहीं करने पर इन तीन टॉप मोस्ट नक्सलियों के अलावा अन्य सक्रिय नक्सलियों को जल्द ही टारगेट किया जाएगा। एसपी का कहना है कि यदि नक्सली सरेंडर करने आगे आते हैं तो उनका स्वागत किया जाएगा, लेकिन यदि वो नहीं मानते है तो फोर्स अपने हिसाब से काम करेगी। 31 मार्च 2026 में अब केवल 38 दिन शेष है और हमारा पूरा प्रयास है कि वे समर्पण कर मुख्यधारा में शामिल हो जाएं, नहीं तो आने वाले कुछ दिन में नक्सलवाद का खात्मा पूर्ण रूप से हो जाएगा।

छत्तीसगढ़ की प्रशंसा की..

अप्रैल-मई 2025 में 31 नक्सली मारे गए थे 46 डिग्री सेल्सियस के तापमान में काम करते हुए, जब पसीने में प्रतिदिन 15 लीटर पानी बह जाता था, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों ने झुलसा देने वाली गर्मियों का सामना करते हुए पहाड़ को नक्सलियों के चंगुल से मुक्त कराया और उनके गढ़ को ध्वस्त कर दिया। शाह ने कहा कि 10-11 साल पहले देश में 'जख्मों को कुरेदने वाले' तीन बड़े 'हॉटस्पॉट' थे, जम्मू कश्मीर में आतंकवाद, पूर्वोत्तर में नक्सलवाद और उग्रवाद-जो अब शांति और प्रगति के केंद्र बन गए हैं।

भारतीय बेटियों का ...

मुकाबले में भारत के लिए श्री चरणी और श्रेयंका पाटिल ने तीन-तीन विकेट लिए जबकि अरुंधति रेड्डी ने दो सफलताएं अपने नाम कीं। वहीं, रेणुका सिंह ने एक विकेट झटका।

घर में 90 हजार घूस ...

ने 3 फरवरी को कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई। इसके अनुसार वर्तमान में गांव में उचित मूल्य की दुकान पंचायत के द्वारा संचालित की जा रही है, जिसे उसने तीन माह पहले शैल स्व सहायता समूह को आवंटित करने के लिए आवेदन एसडीएम कार्यालय मस्तूरी में दिया था। वहां फूड इंस्पेक्टर श्याम वस्त्रकार ने दुकान का आबंटन आदेश जारी करवाने के एवज में 1 लाख रुपए रिश्वत मांग की। बाद में उनके बीच 90 हजार रुपए में सौदा तय हो गया। श्री पटेल रिश्वत नहीं देना चाहते थे, बल्कि फूड इंस्पेक्टर को रंगे हाथों पकड़ाकर सबक सिखाना चाहता था। शिकायत का सत्यापन के बाद 21 फरवरी को ट्रैप की योजना बनाई गई। फूड इंस्पेक्टर वस्त्रकार ने श्री पटेल को रिश्वत की रकम 90 हजार रुपए लेकर अपने महावीर सिटी के घर में बुलाया था। एसीबी की टीम उसके घर के पास तैनात हो गई थी।

इस साल की चौथी कार्रवाई : डीएसपी श्री सिंह ने बताया, इस साल की यह चौथी कार्रवाई है। इसके पहले रिश्वतखोर तहसीलदार, पटवारी, एसडीएम के बाबू व सीएसपीडीसीएल के अधिकारी और कर्मचारी पर कार्रवाई की गई थी।

ज्वेलरी पर रोक ...

अधीनस्थ लेखा सेवा अधिकारी के 15 पद तो छत्तीसगढ़ राज्य प्रशासनिक सेवा (डिप्टी कलेक्टर) के 14 पद हैं। इसके साथ ही राज्य कर निरीक्षक के 16 पद, उप पंजीयक के 12 पद, आबकारी उप-निरीक्षक के 11 पद और राज्य कर सहायक आयुक्त के 10 पद हैं। इस बार सबसे अधिक 51 पद नायब तहसीलदार के लिए स्वीकृत किए गए हैं, जो राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग से संबंधित होंगे। इसके बाद 29 पद मुख्य नगर पालिका अधिकारी (कक्षा 'ग') और 28 पद राज्य पुलिस सेवा (उप पुलिस अधीक्षक) के लिए निर्धारित किए गए हैं।

मेटल डिटेक्टर और मैन्युअल फ्रिस्किंग होगी : यदि कोई उपकरण आन अवस्था में पाया गया तो अनुचित साधन का प्रकरण दर्ज होगा। इसके साथ ही सख्त तलाशी और वीडियोग्राफी भी होगी। सभी अभ्यर्थियों की मेटल डिटेक्टर और मैन्युअल फ्रिस्किंग होगी। अभ्यर्थी को प्रवेश पत्र दिखाते हुए वीडियो कैप्चर कराना अनिवार्य होगा। मोबाइल फोन, स्मार्टवॉच, कैलकुलेटर, लॉग टेबल, पेजर या किसी भी प्रकार के संचार उपकरण, किसी भी प्रकार की घड़ी (मैकेनिकल या डिजिटल) गॉगल्स, डिजिटल ग्लासेस या अन्य इलेक्ट्रॉनिक चश्मे प्रतिबंधित है।

आरोपी डिप्टी कलेक्टर ..

आरोपी की पढ़ाई व कोचिंग के लिए प्रतिमाह 4–5 हजार रुपए भेजे तथा बैंक से ऋण लेकर करीब 3.30 लाख रुपए उसके खाते में ट्रांसफर किए। शिकायत के अनुसार 2020 में पीएससी पास कर बीजापुर में पदस्थापना के बाद भी आरोपी शादी टालता रहा। युवती ने 2025 तक शारीरिक शोषण जारी रहने का आरोप लगाया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए शासन ने तत्काल निलंबन की कार्रवाई की है।

विधानसभा बजट सत्र कल ...

मार्च 2026 की बजट सत्र में भाग लेने की अनुमति दी गई है। इस दौरान कवासी लखमा को आगमन और प्रस्थान की सटीक समय की जानकारी विधानसभा सचिवालय को देनी होगी। अपना एक्टिव मोबाइल नंबर कार्यालय में जमा करना होगा। वे अपने निवास या विधानसभा क्षेत्र का दौरा नहीं करेंगे, इसके साथ ही प्रेस कॉन्फ्रेंस भी आयोजित नहीं करेंगे। सुप्रीम कोर्ट के नो स्पीच भाषण ना देने की शर्त का कड़ाई से पालन करेंगे। विधानसभा के अंदर और बाहर चल रहे गुण दोष पर चर्चा नहीं करेंगे। कवासी लखमा की उपस्थिति केवल बजट सत्र चलने तक रहेगी। इन शर्तों का कड़ाई से पालन करने के आधार पर विधानसभा में उपस्थित होने की अनुमति दी जा रही है। यदि इन शर्तों का उल्लंघन होता है, तो सदन की गरिमा को देखते हुए तत्काल अनुमति को रद्द किया जा सकता है।

खुद पर चल रहे मामले में नहीं दे सकते स्पीच : डॉ रमन सिंह ने बताया कि नो स्पीच का मतलब है कि कवासी लखमा पर जो मामले चल रहे हैं, गुण दोष के आधार पर विधानसभा में वक्तव्य नहीं दे सकते। विधानसभा में बजट सत्र के अन्य विषय में बजट की चर्चा में भाग ले सकते हैं।

अभिभाषण से होगी सत्र की शुरुआत : छत्तीसगढ़ की षष्ठम विधानसभा के अष्टम सत्र की शुरुआत सोमवार 23 फरवरी को सुबह 11.05 बजे राज्यपाल के अभिभाषण से होगी। राज्यपाल के अभिभाषण का दूरदर्शन एवं आकाशवाणी से सीधा प्रसारण किया जाएगा। राज्यपाल के अभिभाषण के कृतज्ञता ज्ञापन प्रस्ताव पर सभा में चर्चा 25 फरवरी को होगी। दीनदयाल सिंह पोर्ते, अविभाजित मध्यप्रदेश विधानसभा के पूर्व सदस्य के निधन उल्लेख किया गया है।

इन विधेयकों की मिली सूचना : उन्होंने बताया कि अभी तक शासकीय विधि-विषयक कार्यों के अंतर्गत छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य विधेयक, 2026, छत्तीसगढ़ लोक सुरक्षा (उपाय) प्रवर्तन विधेयक, 2026 पेश किए जाने की सूचना अब तक मिली है।

प्रश्न, स्थगन एवं ध्यानकर्षण सूचनाएं : उन्होंने बताया कि इस सत्र के लिए सदस्यों से अभी तक प्राप्त प्रश्नों की कुल 2813 सूचनाएं प्राप्त हुई हैं, जिनमें तारांकित प्रश्नों की कुल संख्या 1437 एवं अतारांकित प्रश्नों की कुल संख्या 1376 है। ध्यानाकर्षण प्रस्ताव की 61 सूचनाएं, नियम 139 के अधीन अविलंबनीय लोक महत्व के विषय पर चर्चा के लिए 1 सूचनाएं, अशासकीय संकल्प की कुल 13 सूचनाएं, शून्यकाल की 9 सूचनाएं और याचिका की 112 सूचनाएं प्राप्त हुई हैं।

ऑलिव रिडले कछुओं की बढ़ती मौतों पर एनजीटी चिंतित

नई दिल्ली। राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) ने तमिलनाडु तट पर ओलिव रिडले कछुओं की मौत की बढ़ती संख्या को लेकर संज्ञान लिया है। एनजीटी ने इसको लेकर राज्य और केंद्र सरकार के अधिकारियों को सुप्रीम कोर्ट द्वारा अनिवार्य उपायों को सख्ती से लागू करने को कहा है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

Annexure-A

निविदा सूचना

(1) निविदा संख्या टीआरडी-बीएसपी-300-25-26 दिनांक: 16/02/2026

कार्य : (1) बिलासपुरः बिलासपुर डिवीजन में सीआईसी सेक्शन पर भूमिगत केबल द्वारा 33 केवी ओवरहेड पावर लाइन क्रॉसिंग का संशोधन। (2) बिलासपुर डिवीजन में बैहाटोला-अंबिकापुर, बोरीडांड-चिरिमिरी और बिलासपुर यार्ड के बीच भूमिगत केबल द्वारा 33 केवी ओवर हेड पावर लाइन क्रॉसिंग का संशोधन।

निविदा मूल्यः रु.2,42,40,399.45/- बयाना राशि : रु. 2,71,200.00/- निविदा जमा करने की तिथि व समय : दिनांक 19/03/2026 के 15:00 बजे तक।

(2) निविदा संख्या टीआरडी-बीएसपी-301-25-26 दिनांक: 17/02/2026

कार्य : तीन साल तक बिलासपुर डिवीजन में बिलासपुर-कटनी और अनूपपुर-अंबिकापुर सेक्शन के बीच सीआईसी पर ओएचई/ट्रैक पर गिरने वाले असुरक्षित पेड़ों की डालियों की छंटाई।

निविदा मूल्य : रु.2,37,56,151.32/- बयाना राशि : रु. 2,68,800.00/- निविदा जमा करने की तिथि व समयः दिनांक 23/03/2026 के 15:00 बजे तक ।

पात्रता के मापदंड तथा अन्य विस्तृत जानकारी के लिए कृपया हमारे वैबसाइट www.ireps.gov.in पर पधारें। निविदा सूचना को वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियंता (क.वि.), दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर (छ.ग.) के कार्यालय के नोटिस बोर्ड से भी देखे जा सकते हैं।

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियंता (क.वि.)

सीपीआर/10/AM/714 द.पू.म.रेलवे, बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

16,000 वाहनों के एक जैसे चेसिस-इंजन नंबर

नई दिल्ली। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की एक हालिया रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पूर्वोत्तर भारत के कई राज्यों में करीब 16,000 वाहन ऐसे पाए गए हैं जिनके चेसिस और इंजन नंबर एक जैसे हैं। यह रिपोर्ट असम विधानसभा के 126 सदस्यीय सदन में हाल ही में पेश की गई। ऑडिट के दौरान वाहन डेटाबेस की जांच में यह पाया गया कि असम समेत सात अन्य पूर्वोत्तर राज्यों में 15,849 वाहन ऐसे हैं, जिनके चेसिस और इंजन नंबर समान हैं। और वे दो या उससे अधिक राज्यों में रजिस्टर्ड हैं। इनमें से 12,112 वाहन (करीब 76 प्रतिशत) असम में बिना नो-ऑब्जेक्श सर्टिफिकेट (एनओसी) के पंजीकृत पाए गए।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना

क्र. सं. (1) ई-निविदा सूचना संख्याः 89 एसटी टेंडर 2025 दिनांक- 09.02.2026

कार्यः सिग्नल और दूरसंचार कार्य के संबंध में: (1) बिलासपुर डिवीजन में गैर-कार्यात्मक पीएफसी संपर्कों वाले ट्रैक चार्जर्स की व्यवस्था करके विश्वसनीयता में सुधार करना। (2) बिलासपुर/आरआरआई की खराब हो चुकी इलेक्ट्रिक पॉइंट मशीन को बदलना।''

निविदा मूल्यः ₹ 2,83,77,486.21 (दो करोड़ तिरासी लाख सतहत्तर हजार चार सौ छियासी रुपये और इक्कीस पैसे मात्र।)। अमानत राशि : ₹2,91,900/- (दो लाख इक्यानवे हजार नौ सौ रुपये मात्र) । निविदा का जमा होना : दिनांक 04.03.2026 के 15.00 बजे तक।

उपरोक्त ई-निविदा सूचना की पूरी जानकारी https://www.ireps.gov.in. वेबसाइट पर उपलब्ध है उपरोक्त निविदा हेतु ई-टेंडर के अलावा अन्य टेंडर स्वीकार नहीं की जाएगी।

मंडल संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर (ML)

सीपीआर/10/AM/703 द.पू.म.रेलवे बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

IN THE COURT OF HON'BLE Vth JUDICIAL MAGISTRATE OF FIRST CLASS::AT:: HYDERABA

CRL.M.P.No.165 OF 2026 IN **STC.N.1.624 OF 2023**

BETWEEN:

M/s.Kaveri Mircroteck Private Ltd, Secunderabad ....Petitioner/Complainant

AND

M/s.Patel Krishi Sewa Kendra and another ....Respondent/Accused No.1 & 2

PROCLAMATION REQUIRING THE APPEARANCE OF A PERSON ACCUSED U/s.82 of Cr PC

Whereas the complaint has been made before Vth Judicial Magistrate of First Class: At: Hyderabad that (1). M/s. Patel Krishi Sewa Kendra, Shop No. 01, C/o Nand Lal Sahu, Sukhipali, Pithora Mandal, Mahasamund, Chattisgarh-493 551, Rep.by its Proprietor Sri Tike Lal Patel and (2). Sri Tike Lal Patel, S/o.Hira Lal Patel, Proprietor of M/s Patel Krishi Sewa Kendra, R/o.Ward No.5, Sukhipali, Pithora, Mahasamund, Chattisgarh-493 551, has committed the offence of U/s.138 of NI Act, punishable under the said section and it has been returned to a warrant of arrest thereupon issued that the said Sri Tike Lal Patel, S/o.Hira Lal Patel cannot be found and whereas it has been shown to the satisfaction of the court that the said Sri Tike Lal Patel, S/o.Hira Lal Patel, has absconded (or is concealing himself to avoid the execution of the said Warrant).

Proclamation is hereby made that the above said respondent/absconding accused i.e. Sri Tike Lal Patel, S/o. Hira Lal Patel, is required to appear at 10.30 A.M., before the Hon'ble Vth Judicial Magistrate of First Class, At: Hyderabad to answer the said complaint on the **2nd day of April, 2026.**

Sd/- Vth JMFC At: Hyderabad

e-Procurement Cell

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER

SPECIAL WORKS DIVISION, BUILDING CONSTRUCTION DEPARTMENT, Ranchi

CORRIGENDUM-2

e-Procurement Tender Reference No:- BCD/EE, Special Works Div, BCD, Ranchi-41/2025-26 Date:-06.02.2026, PR No-372536 Building(25-26).D, एव PR No-373003 (Building) 25-26 (D) Proposed Construction of Jharkhand Bhawan at Vashi, Navi Mumbai, Maharastra कार्य से संबंधित है, के तिथियों में अपरिहार्य कारणवश पुनः संशोधन किया जा रहा है जिसका विवरणी निम्नवत है:–

क्र0 सं0	मद	पूर्व की तिथि	संशोधित तिथि	पुनः संशोधित तिथि
1	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	13.02.2026	17.02.2026	20.02.2026
2	प्री बीड मिटिंग की तिथि/समय	24.02.2026 at 1.00 P.M	26.02.2026 at 1.00 P.M	09.03.2026 at 1.00 P.M
3	बिड प्राप्ति के लिए अन्तिम तिथि/समय	16.03.2026 at 1.00 P.M	18.03.2026 at 1.00 P.M	23.03.2026 at 1.00 P.M
4	निविदा खोलने की तिथि/समय	17.03.2026 at 1.00 P.M	19.03.2026 at 1.00 P.M	24.03.2026 at 1.00 P.M

शेष सभी शर्तें यथावत रहेंगी।

Nodal Officer, e-Procurement Cell,
Office of the Executive Engineer, Special Works Division
Building Construction Department, Ranchi

PR 373454 Building (25-26)_D

राशिफल

मेष मन में शान्ति एवं प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृष अपनी भावनाओं को वश में रखें। परिवार के स्वास्थ का ध्यान रखें। कारोबार में कुछ समस्याएं आ सकती हैं। भाई–बहनों का सहयोग मिल सकता है।

मिथुन मन परेशान रहेगा। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद–विवाद से बचें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कर्क आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन परेशान हो सकता है। परिवार का साथ मिलेगा। किसी मित्र के सहयोग से आय के स्रोत विकसित हो सकते हैं।

सिंह शैक्षिक कार्यों में कठिनाई हो सकती है। सचेत रहें। किसी मित्र से कारोबार का प्रस्ताव मिल सकता है। कारोबार के लिए विदेश यात्रा लाभप्रद रहेगी।

कन्या मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु नौकरी में अफसरों से व्यर्थ के वाद–विवाद से बचें। कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। कोई जिम्मेदारी मिल सकती है।

तुला आत्मविश्वास में कमी रहेगी। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं।

वृश्चिक आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। आत्मसंयत भी रहे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

धनु मन में उतार–चढ़ाव रहेंगे। पिता के स्वास्थ्य में सुधार होगा। परन्तु जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन–सहन कष्टमय हो सकता है।

मकर वाणी में मधुरता रहेगी, परन्तु धैर्यशीलता में कमी रहेगी। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। परिवार का साथ मिलेगा। आय में वृद्धि होगी।

कुंभ मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु संयत भी रहें। क्रोध से बचें। सन्तान के स्वास्थ का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। कारोबारी कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी।

मीन शान्ति एवं प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

पेड़ लगाने से दिल्ली की हवा होगी बेहतर : सीजेआई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता सूचकांक में सुधार के लिए अधिक पेड़ लगाना आवश्यक है। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) की पीठ ने कहा कि वृक्षारोपण एक दीर्घकालिक समाधान है। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रत्येक काटे गए पेड़ के बदले पांच पौधे लगाए जाएं और पेड़ों की कटाई से संबंधित मामलों की निगरानी के लिए विशेषज्ञ समिति बनाई जाए।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अधिक पेड़ लगाकर ग्रीन कवर बढ़ाने से प्रदूषण की मार झेल रहे दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) को बेहतर किया जा सकता है। शीर्ष अदालत ने कहा कि दिल्ली-एनसीआर की हवा सही करने के लिए वृक्षारोपण सबसे प्रभावी और दीर्घकालिक समाधानों में से एक है।

कार्यालय नगर पालिक निगम धमतरी, जिला-धमतरी (छ.ग.)

Email ID - commissionerdhamtari@gmail.com, Phone/Fax 07722-241599

-:: ई-प्रोक्यूरमेन्ट निविदा आमंत्रण सूचना ::-

Main Portal : http/eproc.cgstate.gov.in

क्रमांक/कार्य अभि./लोक कर्म/ई निविदा/2026/4749 धमतरी, दिनांक 19/02/2026

टेण्डर सिस्टम नम्बर 186065, 185945, 185951

नगर पालिक निगम धमतरी द्वारा 14वें वित्त आयोग अंतर्गत 03 कार्यों (आर.सी.सी. नाली एवं सी.सी. रोड निर्माण) के लिए छत्तीसगढ़ के लोक निर्माण विभाग में एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में एवं Main portal:eproc.cgstate.gov.in पर पंजीकृत ठेकेदारों से छत्तीसगढ़ के लो.नि.वि. के भवन एस.ओ.आर. 2015 एवं सड़क एस.ओ.आर. 2025 (अद्यतन संशोधित) अनुसार प्रतिशत दर पर कार्य सम्पादन हेतु निविदा प्रपत्र "A" में दिनांक 11/03/2026 तक ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है।

उपरोक्त कार्यों का कार्यवार अनुमानित लागत, निर्धारित अमानत राशि निविदा की सामान्य शर्तें तथा अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में निगम कार्यालय के लोक कर्म शाखा से प्राप्त की जा सकती है एवं नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग नवा रायपुर छ.ग. के वेबसाईट www.uad.cg.gov.in में अवलोकन एवं डाउनलोड भी की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम धमतरी

कार्यालय नगर पंचायत कसडोल जिला - बलौदाबाजार भाटापारा (छ.ग.)

क्रमांक/105/न.पं. / लो.नि.शा. / 2025-26 कसडोल, दिनांक 20/02/2026

द्वितीय ई-निविदा आमंत्रण सूचना

नगर पंचायत कसडोल द्वारा एकीकृत पंजीयन प्रणाली के तहत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्न कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	सिस्टम टेंडर क्र.	कार्य का विवरण	अनु. लागत (रू. लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1	186057	शहीद वीर नारायण सिंह चौक से संजीवनी हास्पिटल तक ट्यूबलर पोल विस्तार कार्य । (बलार रोड कसडोल)	14.14	09.03.2026 17:30:00
2	186059	गायत्री चौक से कपूरताल तालाब तक ट्यूबलर पोल विस्तार कार्य । (सिरपुर रोड कसडोल)	17.79	09.03.2026 17:30:00

उपरोक्त कार्यो की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेबपोर्टल http//eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाईट http//uad.cg.gov.in से भी डाउनलोड की जा सकती है।

जल ही जीवन है, कृपया पानी व्यर्थ न बहावें । समय पर करों का भुगतान करें ।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत कसडोल
जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

शब्द पहेली - 6146

बाएँ से दाए-

1.ईश्वर,करतार-3
3.मुस्कुराहट-3
5.ईख-2
6.रजनीगंधा -2,1,2
9.समुद्र तट (अंग्रेजी-2)
11.ताकत,दम-2
12.अमिताभ व किमी काटकर की फिल्म-2
13.वेतन,पगार-3
16.मनोनीत,नामकृत-3
18.बंधक,गिरवी वस्तु-3
20.निशा,रात्री-3
22.वचन,प्रतिज्ञा-3
23.श्रीनगर की झील-2
24.मूल्य,कीमत-2
25.असावधान-3
28.धिक्कार,फटकार-3
30.हवा,पवन-3
31.झाझर,कुंभ-3
33.चिंतन-3
35.संस्कृत में मेरा-2
36.मादा का विलोम-2
38.कुबेर,भूत-2
40.परोपकारी,जितेंद्र की एक फिल्म-5
41.फलों का राजा-2
42.फूल चुननेवाली-3
43.घोड़ों की देखभाल करनेवाला-3

ऊपर से नीचे

1.तमिल भाषा में बड़ा भाई-2
2.बेकार-3
3.दीवान,खजांची-3
4.पैगंबर,रसूल-2
5.झूठ,मिथ्या -3
7.तेल में पकाना-3
8.आराम,मदद-3
10.गुलिस्ता-3
14.नरकभोगी-5
15.खुजली-2
17.सखा,दोस्त-2
18.मजा,आनंद-2
19.स्वदेशवासी-5
21.सुई (अंग्रेजी-3)
22.विष्णुप्रिया-3
26.पुनः,वापस-2
27.मर्करी,पारद-2
29.भीगा हुआ-2
30.वक्त,टाईम-3
31.अच्छी बुद्धि-3
32.निम्नता-3
34.मुलायम-3
35.बड़ा,विशाल-3
37.धनवान-3
39.माफी-2
41.उम्मीद-2

शब्द पहेली -6145 का हल

सूडोकु नवताल- 6156

मध्यम

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

सूडोकु नवताल- 6155 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

टी20 क्रिकेट : भारत ने दी ऑस्ट्रेलिया को 17 रन से शिकस्त

10 साल बाद भारतीय महिला टीम ने ऑस्ट्रेलिया में जीती सीरीज, स्मृति रहीं प्लेयर ऑफ द मैच

एजेंसी ▶▶ एडीलेड

भारत ने उप कप्तान स्मृति मंधाना (82 रन) और करिश्माई बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स (59 रन) के बीच शतकीय साझेदारी के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत शनिवार को निर्णायक तीसरे और आखिरी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में ऑस्ट्रेलिया पर 17 रन से शिकस्त देकर इस मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ एक दशक में पहली द्विपक्षीय टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला अपने नाम की। स्मृति को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। मंधाना (55 गेंद में आठ चौके और तीन छक्के) और रोड्रिग्स (46 गेंद में चार चौके) ने मिलकर 121 रन की साझेदारी निभाकर भारत को 6 विकेट पर 176 रन के बड़े स्कोर तक पहुंचाया।

भारतीय गेंदबाजों ने कमाल की गेंदबाजी की, जिसमें युवा स्पिनर श्रेयंका पाटिल (22 रन देकर तीन विकेट) और तेज गेंदबाजी की अगुआई करने वाली रेणुका सिंह (29 रन देकर एक विकेट) ने ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष क्रम को झकझोरते हुए स्कोर तीन विकेट पर 32 रन कर दिया। इन शुरुआती झटकों ने भारत के दबदबे भरे प्रदर्शन की शुरुआत की और अंत में उसने मेजबान टीम को 20 आवेर में 9 विकेट पर 159 रन पर रोककर टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में 2-1 से यादगार जीत दर्ज की। इस तरह भारत ने 2016 के बाद ऑस्ट्रेलिया में अपनी पहली टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला जीती। बाएं हाथ की स्पिनर श्रीचरणी (32 रन देकर 3 विकेट) ने भारत की ऐतिहासिक जीत में अहम भूमिका निभाते हुए तीन विकेट प्राप्त किए।

स्मृति और जेमिमा के बीच शतकीय साझेदारी

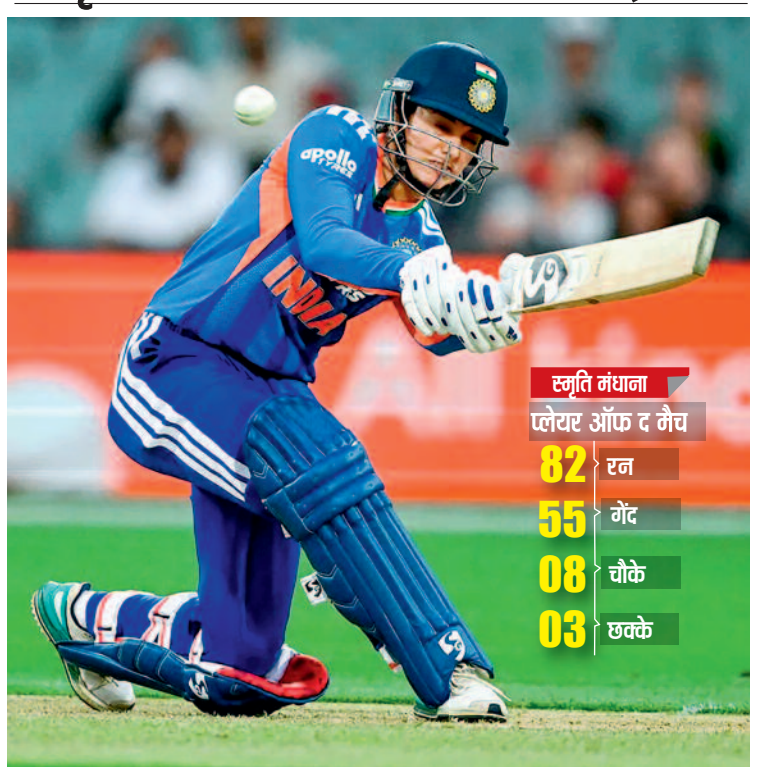

मंधाना ने खेली शानदार पारी

मंधाना 55 गेंदों में 3 छक्कों और 8 चौकों के साथ 82 रन बनाकर आउट हुईं, जबकि जेमिमा रोड्रिगेज ने 46 गेंदों में 4 चौकों के साथ 59 रन की पारी खेली। ऋचा घोष ने 18 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। विपक्षी खेमे से एनाबेल सदरलैंड ने सर्वाधिक 2 विकेट निकाले। किम गार्थ और सोफी मोलिन्यूक्स ने 1-1 विकेट हासिल किया। मंधाना ने ऑस्ट्रेलिया में किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा बनाया गया अपना ही छह साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। इससे पहले उन्होंने 2020 में मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर 37 गेंदों में 66 रन बनाए थे। अब 82 रन बनाकर उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई धरती पर किसी भारतीय महिला बल्लेबाज का सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर दर्ज किया।

टी20 में जेमिमा के 2500 रन पूरे

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की दिग्गज बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिगेज ने ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध एडिलेड ओवल में खेले जा रहे तीसरे टी20 मैच में अर्धशतकीय पारी के साथ टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 2,500 रन पूरे कर लिए हैं। जेमिमा ने ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध सीरीज के अंतिम मुकाबले में 46 गेंदों का सामना करते हुए 4 चौकों के साथ 59 रन की पारी खेली। अपना 118वां टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेलते हुए जेमिमा ने भारत की पारी के पांचवें ओवर में किम गार्थ की गेंद पर चौका लगाकर इस आंकड़े को पार किया। इसी के साथ रोड्रिगेज कप्तान कौर, उप-कप्तान स्मृति मंधाना और सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा के बाद महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में यह मुकाम हासिल करने वाली चौथी भारतीय महिला बनीं।

ऑस्ट्रेलियाई टीम 159 रन पर सिमटी

इसके जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम 9 विकेट खोकर 159 रन ही बना सकी। मेजबान टीम को 19 के स्कोर पर जॉर्जिया वोल (10) के रूप में झटका लगा, जिसके बाद इस टीम ने 63 के स्कोर तक 4 विकेट खो दिए। यहां से फोएबे लिचफील्ड (26) ने एशले गार्डनर के साथ चौथे विकेट के लिए 31 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 98 के स्कोर तक पहुंचाया, जिसके बाद गार्डनर ने जॉर्जिया वेयरहम (12) के साथ 35 रन, जबकि एनाबेल सदरलैंड (14) के साथ 30 रन जुटाते हुए टीम को जीत दिलाने की कोशिश की, लेकिन ये प्रयास नाकाफी रहे। एशले गार्डनर 45 गेंदों में 1 छक्के और 5 चौकों के साथ 57 रन बनाकर आउट हुईं।

एलिस पेरी ने रचा इतिहास

ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम की दिग्गज खिलाड़ी एलिस पेरी ने इतिहास रच दिया है। भारत के खिलाफ तीसरे टी20 में उतरने के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम के लिए 350 मैच खेलने वाली पहली खिलाड़ी बन गईं। 2007 से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का हिस्सा, पेरी से ज्यादा मैच सिर्फ दो महिला क्रिकेटरों ने खेले हैं। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 357 और सूजी बेट्स ने 355 मैच खेले हैं। पेरी ने कहा, मेरे सामने कोई खास लैंडमार्क नहीं हैं। मैं बस यह अनुभव करना चाहती हूं कि यह टीम क्या कर रही है और जब तक मैं इसमें योगदान दे रही हूं और इसमें संतुष्टि पाती हूं, तब तक मैं यहां रहना पसंद करूंगी।

यह जीत काफी मायने रखती है : हरमनप्रीत

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा,' यह जीत काफी मायने रखती है । यह टीम प्रयास का नतीजा है । यह देखकर अच्छा लगा कि हर कोई योगदान दे रहा है। हर साझेदारी अहम है। गेंदबाजों को भी अपना काम बखूबी पता था कि विकेट लेने पर ही मैच जीतेंगे और उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन किया।'

गलत समय पर गंवाए अहम विकेट: सोफी

आस्ट्रेलिया की कप्तानी सोफी मोलिनू ने कहा,' यह अच्छी विकेट थी लेकिन हमने गलत समय पर अहम विकेट गंवा दिए। हम एलिसे पैरी को उसके 350वें मैच में जीत का तोहफा नहीं दे सके, जिसका दुख है।'

जेमिमा से लय हासिल करने में मिली मदद

एडीलेड। भारत की उपकप्तान स्मृति मंधाना ने कहा कि जेमिमा रौड्रिग्स के साहसी रवैये से उन्हें धीमी शुरुआत के बाद लय हासिल करने में मदद मिली। मंधाना ने कहा,' जब वह आई तब मैं 16 गेंद पर 15 रन बनाकर खेल रही थी। उसने आकर तीन चार चौके लगाए और मुझे लय हासिल करने के लिए समय मिल गया।' उन्होंने कहा,' ये छोटी छोटी चीजें हैं जिन पर ध्यान नहीं जाता लेकिन मुझे लगता कि उसके आकर दो तीन चौके लगाने से मुझे लय हासिल करने में मदद मिली। लिहाजा इसका श्रेय उसे जाता है।' उन्होंने कहा कि आस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम को हराना बड़ी उपलब्धि है लेकिन टीम की नजरें अब ब्रिसबेन में मंगलवार से शुरू हो रही तीन मैचों की वनडे श्रृंखला पर है। मंधाना ने कहा,'श्रृंखला जीतने में योगदान देना अच्छा रहा। आस्ट्रेलिया को आस्ट्रेलिया में हराना खास है।

खबर संक्षेप

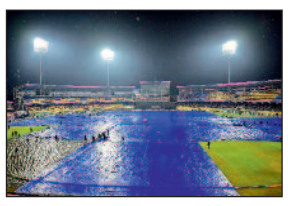

बारिश के कारण न्यूजीलैंड पाकिस्तान मैच रद्द

कोलंबो। न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के बीच प्रेमदासा स्टेडियम में टी20 वर्ल्ड कप का पहला सुपर-8 मैच बारिश की वजह से रद्द हो गया। शनिवार को इस मुकाबले में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी थी, लेकिन बारिश के चलते एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी। इस मैच के रद्द होने के बाद दोनों टीमों के बीच 1-1 अंक बांटे गए हैं। अब पाकिस्तानी टीम इंग्लैंड के खिलाफ 24 फरवरी को मुकाबले में उतरेगी, जिसके बाद पाकिस्तान का सामना 28 फरवरी को श्रीलंका से होगा। वहीं, न्यूजीलैंड की टीम 25 फरवरी को श्रीलंका से भिड़ेगी, जिसके बाद 27 फरवरी को कीवी टीम का सामना इंग्लैंड से होगा।

संन्यास के 9 साल बाद रिंग में उतरेंगे दिग्गज मेवेदर

लॉस एंजिल्स। दिग्गज मुक्केबाज फ्लॉयड मेवेदर ने कहा है कि वह नौ साल के अपने संन्यास को समाप्त करके इस साल गर्मियों में प्रतिस्पर्धी मुक्केबाजी में वापसी करेंगे। मेवेदर ने

2017 के बाद से कोई पेशेवर मुक्केबाजी मुकाबला नहीं लड़ा है। तब उन्होंने कॉनर मैकग्रेगर को हराया था। इस मुकाबले के बाद मेवेदर (50-0, 27 नॉकआउट) ने अपने करियर में तीसरी बार संन्यास की घोषणा की थी। पांच बार के पूर्व विश्व चैंपियन मेवेदर का रिंग में कोई सानी नहीं है। उन्होंने अब तक हर पेशेवर मुकाबला जीता है।

हॉकी : भारत की वापसी की उम्मीदें टूटी, स्पेन से हारा

होबार्ट। भारतीय टीम की एफआईएच पुरुष प्रो लीग में वापसी की उम्मीदें शनिवार को स्पेन से मिली 0-2 की हार से टूट गईं। भारत अब रविवार को प्रो लीग के होबार्ट चरण के अपने दूसरे मैच में मेजबान ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगा। भारतीय टीम की खराब फॉर्म जारी रही। स्पेन के लिए इग्नासियो अबाजो ने छठे मिनट और इग्नासियो कोबोस ने 36वें मिनट में गोल किए। स्पेन की टीम ने मौकों का फायदा उठाया जबकि भारत लगातार आक्रमण के बावजूद अच्छे मौकों को भुना नहीं पाया।

जेनेसिस इनविटेशनल

भारतीय मूल के तीन गोल्फरों ने कट में बनाई जगह

एजेंसी ▶▶ लॉस एंजिल्स

भारतीय मूल के तीन गोल्फर आरोन राय, अक्षय भाटिया और साहित थीगाला पीजीए टूर के सत्र के दूसरे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट जेनेसिस इनविटेशनल में कट हासिल करने में सफल रहे।

पहले दौर में 66 का स्कोर बनाकर शीर्ष 10 में जगह बनाने वाले राय ने दूसरे दौर में 70 का स्कोर किया और वह संयुक्त रूप से 12वें स्थान पर हैं। भाटिया (68-71) संयुक्त 21वें और थीगला (70-71) संयुक्त रूप से 33वें स्थान पर हैं। राय ने दूसरे दौर में चार बोगी की और पांच बर्डी लगाई।

भाटिया ने तीन बर्डी और तीन बोगी जबकि थीगला ने दो बोगी और तीन बर्डी की। मार्को पेंज और जैकब ब्रिजमैन ने रिवेरा कंट्री क्लब में सात अंडर 64 का स्कोर बनाया, जिससे वे रॉरी मैकलॉराय के साथ संयुक्त बढ़त पर हैं।

कट में जगह बनाने में सफल रहे अहलावत और शर्मा

नैरोबी। भारत के वीर अहलावत ने तीन अंडर 67 और शुभंकर शर्मा ने पांच अंडर 65 का स्कोर बनाया, जिससे वे मैजिकल कीनिया ओपन गोल्फ टूर्नामेंट में कट में जगह बनाने में सफल रहे। अहलावत ने पहले दो दौर में 67-67 का स्कोर बनाया और वह छह अंडर के कुल स्कोर के साथ संयुक्त 28वें स्थान पर हैं। शर्मा ने दूसरे दौर में शानदार प्रदर्शन किया तथा छह बर्डी और एक बोगी करके पांच अंडर 65 का स्कोर बनाया। दो दिनों के बाद उनका कुल स्कोर चार अंडर पर है और वह संयुक्त 55वें स्थान पर हैं। भारत के एक अन्य गोल्फर युवराज संधू 69-71 के स्कोर के साथ कट से चूक गए।

सुपर-8 : रणनीति में बदलाव के बाद सूर्या और तिलक पर दारोमदार

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टीम इंडिया की भिड़ंत आज शाम 7 बजे से

एजेंसी ▶▶ अहमदाबाद

ग्रुप चरण में अपने चारों मैच जीतकर खिताब बचाने की अपनी दावेदारी को मजबूत करने वाली भारतीय टीम को टी20 विश्व कप के सुपर आठ में रविवार को दक्षिण अफ्रीका की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा, जिसमें कप्तान सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा की बड़े शॉट खेलने के बजाय स्थिर बल्लेबाजी करने की बदली हुई रणनीति की परीक्षा होगी।

दक्षिण अफ्रीका की टीम के पास कागिसो रबाडा, लुंगी एनगिडी, मार्को यानसन, केशव महाराज और एडन मार्क्रम के रूप में मजबूत गेंदबाजी आक्रमण है, जो मौजूदा चैंपियन भारत की कड़ी परीक्षा लेने के लिए तैयार है। दोनों टीमें पिछले दो महीनों में छठी बार एक-दूसरे के खिलाफ खेलेंगी और यह देखना बाकी है कि रविवार को कौन सी टीम परिस्थितियों का बेहतर फायदा उठाएगी।

भारत को बल्लेबाजी में सुधार की जरूरत

भारतीय टीम को ग्रुप चरण में खास चुनौती का सामना नहीं करना पड़ा लेकिन वह इस बात से अच्छी तरह वाकिफ है कि उसकी बल्लेबाजी में काफी सुधार की जरूरत है। सलामी बल्लेबाज ईशान किशन (दो अर्धशतक और 202 का स्ट्राइक रेट) को छोड़कर शीर्ष चार में शामिल अन्य तीन बल्लेबाजों ने अभी तक कोई खास कमाल नहीं दिखाया है। अभिषेक शर्मा लगातार तीन मैच में शून्य पर आउट हो चुके हैं और उन्हें टूर्नामेंट में अपने पहले रन का इंतजार है। सूर्यकुमार और तिलक ने हालांकि सूत्रधार की भूमिका निभाई है लेकिन इन दोनों ने ऐसी पिचों पर सहज प्रदर्शन नहीं किया है, जहां गेंद रुककर आ रही हो। भारत रन बनाने के लिए हार्दिक पंड्या (स्ट्राइक रेट 155) और शिवम दुबे (स्ट्राइक रेट 178) पर भी काफी हद तक निर्भर रहा है।

यानसन, एनगिडी और महाराज करेंगे वापसी

जहां तक टीम में बदलाव की बात है तो भारत अर्शदीप सिंह की जगह कुलदीप यादव और वाशिंगटन सुंदर की जगह अक्षर पटेल को वापस अंतिम एकादश में शामिल कर सकता है। जहां तक दक्षिण अफ्रीका की बात है यानसन, एनगिडी और महाराज वापसी करेंगे। उन्हें यूएई के खिलाफ मैच में आराम दिया गया था।

टीमें इस प्रकार

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, हार्दिक पंड्या, रिंकू सिंह, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, संजू सैमसन (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह।

दक्षिण अफ्रीका : एडेन मार्क्रम (कप्तान), क्विंटन डीकॉक (विकेटकीपर), रयान रिकलटन, डेवाल्ड ब्रेविस, ट्रिस्टन स्टब्स, डेविड मिलर, मार्को यानसन, कैगिसो रबाडा, लुंगी एनगिडी, केशव महाराज, कॉर्बिन बॉश, एनरिक नार्किया, क्वेना मफाका, जॉर्ज लिंडे, जेसन स्मिथ। **मैच :** शाम सात बजे।

इंडियन ओपन रेस वॉक : बाबू और मंजू ने जीते स्वर्ण पदक

चंडीगढ़। उत्तर प्रदेश के अंतरराष्ट्रीय एथलीट राम बाबू और पंजाब की मंजू ने इंडियन ओपन रेस वॉक (पैदल चाल) प्रतियोगिता के पहले दिन क्रमशः पुरुष और महिला फुल मैराथन में स्वर्ण पदक जीते। इस प्रतियोगिता का आयोजन भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) कर रहा है, जिसमें 26 वर्षीय बाबू ने 42 किलोमीटर की फुल मैराथन वॉक स्पर्धा में 3 घंटे, नौ मिनट और 17 सेकंड का समय लेकर स्वर्ण पदक जीता। एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता बाबू ने हरियाणा के संदीप कुमार को पीछे छोड़ा। ओलंपियन और राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेता संदीप ने तीन घंटे, 11 मिनट और 18 सेकंड के समय के साथ रजत पदक हासिल किया। बाबू ने कहा कि वह यहां पहला स्थान हासिल करने के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार थे। उन्होंने कहा, 'तैयारी अच्छी थी और मैं अपने प्रदर्शन से खुश हूं। मेरा लक्ष्य जापान में होने वाले एशियाई खेलों में पदक जीतना है। मैं आगे अपने प्रदर्शन में और सुधार करने की कोशिश करूंगा।' मंजू ने पैदल चाल कि अनुभवी एथलीट उत्तर प्रदेश की ओलंपियन प्रियंका गोस्वामी सहित कुछ मजबूत प्रतियोगियों को पीछे छोड़कर पहला स्थान हासिल किया।

उपलब्धि

जसप्रीत ने पार्किंग में सीखी क्रिकेट, टैक्सी चलाई, टी20 वर्ल्ड कप में मिला खेलने का मौका

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

टी20 वर्ल्ड कप के जरिए कई ऐसे खिलाड़ियों को दुनिया के सामने अपने खेल को दिखाने का मौका मिला, जिन्हें आमतौर पर बहुत कम मौके मिलते हैं।

ऐसा ही एक नाम रहा तेज गेंदबाज जसप्रीत सिंह का। वे इटली की तरफ से टी20 वर्ल्ड कप में खेले। जसप्रीत सिंह भारत में पैदा हुए लेकिन पिता के इटली चले जाने के बाद वे भी वहां गए और आगे चलकर खेलने लगे। जसप्रीत ने टी20 वर्ल्ड कप में दो मैच खेले और एक विकेट लिया। वे नेपाल और इंग्लैंड के सामने मुकाबले में उतरे। जसप्रीत ने पार्किंग में क्रिकेट सीखा और टैक्सी भी चलाई।

जसप्रीत का संबंध पंजाब के फगवाड़ा जिले के धनद्वार गांव से हैं। जब वह 3 साल के थे तब उनके पिता तीरथ सिंह बेहतर जिंदगी की तलाश में विदेश चले गए।

टेप लगी टेनिस बॉल से खेला क्रिकेट

जसप्रीत टेप लगी टेनिस गेंद से ही खेला करते थे। इटली में फुटबॉल की धूम थी और वह भी इस खेल से जुड़ गए। वह स्कूल और गांव की फुटबॉल टीम की तरफ से खेले। एक दोस्त ने बाद के सालों में जब उनसे कहा कि पहले तो क्रिकेट खेलते थे तो अब फुटबॉल क्यों खेलते हो। तब जसप्रीत फिर से क्रिकेट की तरफ लौटे। उन्होंने क्रिकेट क्लब्स की तलाश की और अपनी सीम बॉलिंग से सबको प्रभावित किया। 2019 में उन्होंने इटली में टी20 इंटरनेशनल और लिस्ट ए डेब्यू किया।

इंग्लैंड में लिया ट्रक चलाने का लाइसेंस

जसप्रीत तीन साल पहले इंग्लैंड गए और वहां पर बर्मिंघम लीग में खेलने लगे। यहां खेलने से उन्हें काफी अनुभव मिला। लेकिन जसप्रीत का खेल तो सुधर रहा था लेकिन आर्थिक स्थिति बिगड़ रही थी। तब उन्होंने उबर ड्राइवर के तौर पर काम किया। साथ ही अगर क्रिकेट में भविष्य नहीं बने तो करियर बनाने के लिए ट्रक ड्राइविंग का लाइसेंस भी ले लिया। लेकिन खेल में सुधार की वजह से उन्हें इटली की टीम में जगह मिली और वे वर्ल्ड कप में खेले।

1-15 मार्च तक होने वाले टूर्नामेंट में विलियम्स एकल और डबल्स में लेंगी हिस्सा

45 की वीनस फिर कोर्ट पर, इंडियन वेल्स टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड एंट्री

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिग्गज अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी और 7 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस विलियम्स को इस साल के इंडियन वेल्स टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड एंट्री मिली है। टूर्नामेंट के आयोजकों ने वीनस को वाइल्ड कार्ड एंट्री दिए जाने की पुष्टि की है। 1-15 मार्च तक दक्षिणी कैलिफोर्निया में होने वाले इस टूर्नामेंट में वीनस विलियम्स एकल और डबल्स दोनों श्रेणियों में हिस्सा लेंगी।

कैलिफोर्निया में अपने घर लौटना बहुत अच्छा

वाइल्ड कार्ड एंट्री मिलने से उत्साहित वीनस विलियम्स ने कहा, "इंडियन वेल्स वापस जाना और कैलिफोर्निया में अपने घर लौटना बहुत अच्छा है। जबरदस्त फैंस के सामने खेलने जैसा कुछ नहीं है। मैंने इतने सालों में यहां बहुत सारी यादें बनाई हैं। मैं आयोजकों की शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने मुझे वापस बुलाया।" पूर्व वर्ल्ड नंबर वन और चार बार की ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट विलियम्स ने पहले भी इंडियन वेल्स में काफी सफलता हासिल की है। वह तीन बार सेमीफाइनल तक पहुंची हैं। आखिरी बार 2024 में वाइल्ड कार्ड एंट्री के माध्यम से ही उन्होंने टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था।

ऑस्ट्रेलियन ओपन में भी मिली थी वाइल्ड कार्ड एंट्री

45 साल की विलियम्स ने 2026 का कैंपेन ऑस्ट्रेलियन ओपन से शुरू किया था। उन्हें वाइल्ड कार्ड एंट्री मिली थी। हालांकि, वह पहले दौर से ही बाहर हो गई थीं, लेकिन ओपन एरा में ऑस्ट्रेलियन ओपन में हिस्सा लेने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी होने का रिकॉर्ड उन्होंने अपने नाम कर लिया। विलियम्स ने शुरुआती सेट में कड़ा मुकाबला जीता, लेकिन दूसरे सेट में डैनिलोविच ने बेसलाइन से वापसी की। सर्बियाई खिलाड़ी ने डिसाइडर में भी अपना नियंत्रण बनाए रखा, और अहम मौकों पर विलियम्स की सर्विस तोड़कर मैच अपने नाम कर लिया। हार के बावजूद, विलियम्स ने नौ एस और फर्स्ट-सर्व पॉइंट्स पर 71 प्रतिशत सफलता दर से सबको प्रभावित किया। हालांकि पांच डबल फॉल्ट महंगे साबित हुए। पिछले साल, वह पार्टनर लेयला फर्नांडीज के साथ यूएस ओपन डबल्स क्वार्टर-फाइनल में पहुंचीं थीं। इंडियन वेल्स टूर्नामेंट में वीनस के प्रदर्शन पर दुनियाभर के टेनिस फैंस की नजर रहेगी।

जन्मदिन विशेष

सीएम साय ने अपनी माँ से आशीर्वाद लेकर, बच्चों संग मनाया जन्मदिन

रायपुर। मुख्यमंत्री साय ने अपना 62वें जन्मदिवस को जशपुर के बगिया स्थित बालक आश्रम के बच्चों के बीच मनाया। जैसे ही मुख्यमंत्री आश्रम परिसर पहुँचे, बच्चों के चेहरों पर खुशी की चमक दौड़ गई। वे दौड़कर उनके पास आए और कुछ ही क्षणों में पूरा वातावरण एक पारिवारिक मिलन जैसा हो गया। उस पल मुख्यमंत्री किसी पद पर आसीन व्यक्ति नहीं, बल्कि बच्चों के अपने स्नेही अभिभावक की तरह उनके बीच दिखाई दे रहे थे।

मुख्यमंत्री ने बच्चों के साथ केक काटा और उनके साथ बैठकर बातें कीं। उन्होंने बच्चों के नाम पूछे, पढ़ाई के बारे में जाना, उनके सपनों को सुना और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। जब मुख्यमंत्री बच्चों से बात कर रहे थे, तब उनके चेहरे पर झलकता स्नेह और अपनत्व बच्चों के मन में गहरा विश्वास जगा रहा था। बच्चे भी पूरी सहजता से उनसे बातें करते हुए खुशी से चहकते रहे।

बच्चों के लिए गर्व और प्रेरणा का विशेष क्षण बन गया

आश्रम परिसर में उस समय जो दृश्य था, वह एक परिवार के बीच मनाए जा रहे उत्सव जैसा महसूस हो रहा था। मुख्यमंत्री साय ने बच्चों को अपने हाथों से केक और चॉकलेट खिलाया। उन्होंने बच्चों के सिर पर हाथ फेरते हुए आशीर्वाद दिया और कहा कि वे मन लगाकर पढ़ाई करें, बड़े सपने देखें और जीवन में आगे बढ़कर अपने परिवार तथा प्रदेश का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा कि आप सब बच्चों की मुस्कान मेरे जन्मदिन का सबसे बड़ा उपहार है। उनके इन स्नेहपूर्ण शब्दों ने बच्चों के मन को छू लिया। बच्चों की आँखों में चमक और चेहरे पर मुस्कान इस बात की गवाही दे रही थी कि यह पल उनके लिए कितना खास बन गया है।

62वें जन्मदिवस पर मुख्यमंत्री ने जगन्नाथ मंदिर में की पूजा-अर्चना

रायपुर। मुख्यमंत्री साय ने अपने 62वें जन्मदिवस पर जशपुर जिले के दोकड़ा स्थित ऐतिहासिक एवं प्राचीन जगन्नाथ मंदिर पहुँचकर भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा की विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय तथा परिवार के अन्य सदस्य भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री साय ने मंदिर परिसर में परिक्रमा कर भगवान से आशीर्वाद प्राप्त किया तथा प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य और कल्याण की मंगलकामना की। उन्होंने प्रदेश में शांति, खुशहाली और निरंतर प्रगति के लिए विशेष प्रार्थना करते हुए कहा कि जनकल्याण ही शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और प्रदेश के विकास के लिए सरकार निरंतर प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री साय ने अपने जन्मदिन पर रक्तदान शिविर का किया शुभारंभ

रायपुर। मुख्यमंत्री साय ने अपने 62वें जन्मदिन पर मुख्यमंत्री निवास परिसर में आयोजित रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने भगवान धन्वंतरि की पूजा-अर्चना की तथा रक्तदाताओं को सम्मानित कर उन्हें प्रोत्साहित किया।

सफलतम् 2 वर्ष का कार्यकाल की उपलब्धियाँ

महिला सशक्तीकरण

महतारी वंदन योजना
68.39 लाख
महिलाओं को 24 किस्तों में कुल
₹15,588.36 करोड़
अंतरित

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना
37 लाख
से अधिक महिलाएं लाभांवित

महतारी सदन
368 महतारी सदनों
के निर्माण हेतु
₹108.78 करोड़
स्वीकृत

युवा सशक्तीकरण

आयु सीमा
सरकारी नौकरियों में अधिकतम आयु सीमा में
5 वर्ष की छूट

पदों पर भर्ती
लगभग 32,000
रिक्त शासकीय पदों पर भर्ती प्रक्रिया जारी

उद्यम क्रांति योजना
स्वरोज़गार के लिए
50% सब्सिडी
पर ब्याज मुक्त ऋण

किसान कल्याण

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि
26 लाख
किसान लाभांवित

धान
₹3100/क्विंटल और
21 क्विंटल/एकड़
की दर से धान खरीदी

बैंक राशि
दो वर्षों में किसानों के खातों में
₹1.50 लाख करोड़
से अधिक की राशि अंतरित

औद्योगिक विकास

नई औद्योगिक नीति लागू
₹7.83 लाख करोड़
से अधिक का मिला निवेश प्रस्ताव

औद्योगिक हब
नया रायपुर
बन रहा औद्योगिक हब

चिप यूनिट
₹1100 करोड़
की लागत से चिप यूनिट स्थापित

26 लाख
से अधिक आवास स्वीकृत

400 से अधिक
प्रशासनिक सुधार से निवेश की राह आसान

पारदर्शिता लाने सुशासन एवं अभिसरण विभाग का गठन

₹51,080 करोड़
से रेल परियोजनाओं का हो रहा क्रियान्वयन

₹40 हज़ार करोड़
से अधिक लागत से राष्ट्रीय राजमार्गों का हो रहा विकास

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी अपने परिवार के साथ जन्मदिन के अवसर पर भगवान भोलेनाथ की पुजा कर प्रदेश के खुशहाली की कामना की

Advt.

उम्र में सबसे छोटा, लेकिन कद में काफी बड़ा, 29 साल का अरबपति युवक

नई दिल्ली। एआई इंपैक्ट सम्मिट 2026 के चौथे दिन बड़ी हलचल रही। दुनिया के बड़े टेक लीडर्स जुट चुके हैं। गूगल सीईओ सुंदर पिचाई, ओपन एआई सीईओ सैम ऑल्टमैन और एंथ्रॉपिक सीईओ डारियो एमोडेइ की चर्चा चारों तरफ है। लेकिन एलेक्जेंडर वैंग इस समिट में एक ऐसी शख्सियत हैं जिनके बारे में कम बात हो रही है। दिलचस्प ये है कि वांग उम्र में सबसे छोटे हैं, लेकिन कद में काफी बड़े हैं। एलेक्जेंडर वैंग उम्र में सबसे छोटे लीडर्स में से हैं जो इस समिट में पहुंचे. मंच पर पीएम नरेंद्र मोदी के साथ उनकी मौजूदगी ने लोगों का ध्यान खींचा। एलेक्जेंडर वैंग आज मेटा की एआई स्ट्रैटिजी को लीड कर रहे हैं और वो 29 साल के हैं। ग़ौरतलब है कि एलेक्जेंडर वैंग टॉप एआई कंपनी स्केल एआई के फाउंडर रह चुके हैं।

अलेक्जेंडर वांग युवा अरबपति

एलेक्जेंडर वैंग सिर्फ एक सामान्य टेक लीडर नहीं हैं, वह एआई इंडस्ट्री के सबसे युवा और हाई-प्रोफाइल प्रोफेशनल्स में से एक हैं। एमआईटी छोड़कर उन्होंने 2016 में स्केल एआई नाम की कंपनी शुरू की, जो एआई डेटा-लेबलिंग और मॉडल ट्रेनिंग के लिए जानकारी तैयार करती है। दुनिया की बड़ी एआई कंपनियां जैसे एनविडिया, अमेजन और मेटा जैसी कंपनियां स्केल एआई के क्लाइंट रहे हैं। इसी काम की वजह से उनकी कंपनी जल्दी ही यूनिकाम बनी और फोर्ब्स के मुताबिक उनका नेट वर्थ लगभग $3.2–$3.6 बिलियन (करीब 28,000–31,000 करोड़) तक पहुंच गया। यानी वांग दुनिया के सबसे युवा अरबपतियों में शामिल हैं।

एआई इंपैक्ट सम्मिट में पीएम मोदी के साथ दिखे वांग

बीच में छोड़ दी थी पढ़ाई

एलेक्जेंडर वैंग की कहानी भी काफी दिलचस्प है। उन्होंने पढ़ाई बीच में छोड़ी. एआई डेटा पर काम शुरू किया। कुछ ही सालों में उनकी कंपनी अरबों डॉलर की वैल्यू तक पहुंच गई। आज वह दुनिया के सबसे युवा टेक अरबपतियों में गिने जाते हैं। एआई इंपैक्ट सम्मिट में उनकी मौजूदगी ने यह साफ कर दिया कि आने वाले समय में एआई की दिशा सिर्फ उम्रदराज सीईओ तय नहीं करेंगे। नए और युवा लीडर्स इस रेस में आगे निकल रहे हैं।

मेटा ने वांग को ऐसे किया हायर

मेटा ने एलेक्जेंडर वैंग को हायर करने के लिए बहुत बड़ा कदम उठाया। 2025 में मेटा ने स्केल एआई में लगभग $14.3 बिलियन (करीब 1,17,000 करोड़) का निवेश किया और कंपनी का लगभग 49% हिस्सा लिया। इसी दौरान वैंग को मेटा में सुपर इंटेलिजेंस लैब (एमएसएल) का प्रमुख बनाया गया। इस डील को एआई इतिहास के सबसे बड़े टेलेंट एक्यू हायर में से एक माना गया और मार्क जकरबर्ग ने खुद इसे मेटा की एआई स्ट्रैटिजी को मजबूत करने वाला एक बड़ा कदम बताया।

वांग का विजन

एआई इंपैक्ट सम्मिट के दौरान पीएम मोदी से उनकी मुलाकात को सिर्फ औपचारिक मुलाकात नहीं माना जा रहा. मेटा के लिए भारत अब सिर्फ बड़ा मार्केट नहीं है। भारत एआई का अगला बड़ा केंद्र बन रहा है। एलेक्जेंडर वैंग ने मंच से कहा कि भारत में एआई को अपनाने की रफ्तार बहुत तेज है। यहां के लोग नई टेक्नोलॉजी जल्दी अपनाते हैं। वांग टेक्नोलॉजी, खास तौर पर एआई और सुपर इंटेलिजेंस को लेकर काफी इंथुजियैस्ट हैं। उन्होंने खुद ही कई मॉडल्स पर काम किया है। वाट्सएप, इंस्टाग्राम और फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म्स पर एआई फीचर सबसे ज्यादा यूज इंडिया में होते हैं।

धरती के नीचे चमत्कार, 4000 करोड़ में बना इतना खूबसूरत वॉटर फॉल होटल, देखते ही रह जाएंगे दंग

बीजिंग। दुनिया में ऐसी कई इमारतें हैं, जो अपनी अनोखी आर्किटेक्चर के लिए जानी जाती हैं। इस लिस्ट में चीन के एक खास होटल का नाम भी शामिल है। यह होटल एक खदान के अंदर बना है और वॉटर फॉल होटल के नाम से जाना जाता है। आइए जानें क्यों इसे यह नाम मिला और इस होटल की खासियत क्या है। खाने-पीने के लिए होटल में पानी के नीचे बना सीफूड रेस्टोरेंट, कैंटोनीज फाइन डाइनिंग और क्वारी बार जैसे ऑप्शन मौजूद हैं। इसके अलावा, होटल में वॉटर स्पोर्टस एरिया, इंफिनिटी पूल और स्पा की सुविधा भी है। रोमांच पसंद करने वालों के लिए पास के थीम पार्क में जिपलाइन, बंजी जंप, रॉक क्लाइम्बिंग और ग्लास वॉकवे जैसी गतिविधियां मौजूद हैं।

खदान के अंदर बना है होटल

चीन के शंघाई शहर के सोंगजियांग जिले में स्थित इंटरकॉन्टिनेंटल शंघाई वंडरलैंड होटल आर्किटेक्चर और इंजीनियरिंग का एक शानदार उदाहरण है। यह अनोखा होटल एक पुरानी खदान के अंदर बना है, जिसकी वजह से इसे 'क्वारी होटल' या 'खदान होटल' के नाम से भी जाना जाता है।

क्यों कहा जाता है वॉटरफॉल होटल?

होटल की सबसे खास बात इसकी संरचना है, जो 88 मीटर गहरी खदान की दीवारों में बनाई गई है। इसमें कुल 18 मंजिलें हैं, जिनमें से 16 भूमिगत और दो मंजिलें पानी के नीचे स्थित हैं। इसके सामने 90 मीटर ऊंचा कृत्रिम झरना होटल की खूबसूरती में चार चांद लगाता है, जिसके कारण इसे 'वॉटरफॉल होटल' भी कहा जाता है।

इनवर्टेड ग्राउंडस्क्रेपर के नाम से भी जाना जाता है

इस होटल को डिजाइन करने के लिए कई मशहूर आर्किटेक्चर फर्म्स को चुना गया। होटल की डिजाइन में फेंगशुई के प्रिंसिपल्स को अपनाया गया है और इसे 'इनवर्टेड ग्राउंडस्क्रेपर' कहा जाता है, क्योंकि यह ऊपर की बजाय नीचे की ओर बना है। ऊपर से देखने पर इसका आकार 'एस' जैसा दिखता है। होटल को पर्यावरण के लिए जागरूक बनाते हुए एक सिंगल यूज प्लास्टिक-फ्री होटल के रूप में विकसित किया गया है। यह एक 'ब्राउनफील्ड रिवाइवल प्रोजेक्ट' है, जिसमें छोड़ी हुई जमीन का इस्तेमाल किया गया है।

4 हजार करोड़ में बनाया गया होटल

इस होटल का इतिहास काफी दिलचस्प है। इस खदान को 1950 के दशक में जापानियों ने युद्ध के दौरान बंकर बनाने के लिए खोदा था। बाद में इसे आंशिक रूप से पानी से भरकर एक आर्टिफिशियल झील में बदल दिया गया। साल 2006 में शंघाई के एक प्रॉपर्टी ग्रुप ने इस जगह में संभावना देखी और इसे एक लग्जरी होटल में तब्दील करने का फैसला किया। इस प्रोजेक्ट की शुरुआत 2009 में हुई और इसे पूरा करने में करीब 4 हजार करोड़ रुपये की लागत आई।

आराम और रोमांच का अनुभव

इस होटल में ठहरना केवल आराम का नहीं, बल्कि रोमांच का भी अनुभव है। यहां क्लिफ के किनारे बने विला और पानी के नीचे बने सुइट्स हैं, जहां कांच की दीवारों से मेहमान सीधे झील के भीतर का नजारा देख सकते हैं। होटल में कुल 337 कमरे हैं, जिनमें से हर एक में वॉइस-कंट्रोल सिस्टम जैसी सुविधाएं मौजूद हैं।

71 साल की बुजुर्ग महिला हैं फिटनेस की मिसाल

बॉडी बिल्डिंग स्पर्धा में लिया भाग

बुढ़ापे में लोग बिस्तर को दोस्त मान लेते हैं और कमजोरी के कारण काम-काज नहीं कर पाते हैं। हालांकि, कुछ बुजुर्गों का जज्बा उन्हें ऐतिहासिक चीजें करने के लिए प्रेरित करता है और वह साहस की मिसाल पेश करते हैं। ऐसा ही कुछ चीन में हुआ है, जहां 71 साल की बुजुर्ग महिला की फिटनेस ने लोगों को अचंभित कर दिया है। वह इतनी उम्रदराज होने के बावजूद भी इतनी मेहनती हैं कि उन्होंने बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता में भाग लिया।

हफ्ते में 5 दिन करती हैं एक्सरसाइज : मिंगुई ने अपनी फिटनेस के बारे में बात करते हुए कहा कि बढ़ती उम्र के साथ उनकी मांसपेशियां ढलने के बजाय मजबूत होती गईं। उनका कहना है, इससे साबित होता है कि उम्र चाहे जो भी हो, आप शक्ति प्रशिक्षण या अन्य एक्सरसाइज कर सकते हैं। स्थिर रहने की तुलना में गतिशील रहना हमेशा बेहतर होता है। वह हफ्ते में कम से कम 5 दिन एक्सरसाइज करती हैं और उनके सभी सत्र एक घंटे से लंबे होते हैं।

प्रतियोगिता में हासिल किया तीसरा स्थान

महिला का नाम सुन मिंगुई है, जो मूल रूप से मध्य चीन के अनहुई प्रांत के मानशान की रहने वाली हैं। उन्होंने न केवल फिटनेस प्रतियोगिता में भाग लिया, बल्कि तीसरा स्थान हासिल करके इतिहास भी रच डाला। उन्होंने इस साल वुहान में हुई 'राष्ट्रीय फिटनेस नवागंतुक गुणवत्ता प्रतियोगिता' में मिश्रित लिंग वर्ग में कांस्य पदक जीता। इसका मतलब है कि उन्होंने न केवल अपने से आधी उम्र की महिलाओं को हराया, बल्कि पुरुषों को भी मात दी।

67 की उम्र में शुरू किया था व्यावसायिक प्रशिक्षण

मिंगुई रिटायर होने से पहले एक स्टील फैक्ट्री के कैफेटेरिया में काम करती थीं। व्यस्त रहते हुए भी वह रोजाना एक्सरसाइज करने का समय निकाल लेती थीं। हालांकि, रिटायर होने के बाद उन्होंने सेहतमंद बने रहने के लिए रस्सी कूदना, साइकिल चलाना और हाईकिंग करना शुरू कर दिया। इतना ही नहीं, उन्होंने 67 साल की उम्र में फिटनेस प्रशिक्षण शुरू किया और कुछ ही समय में सिक्स-पैक और मजबूत बॉडी बना ली।

ये है दुनिया की सबसे छोटी हवाई यात्रा टेक ऑफ के कुछ ही सेकेंड बाद लैंडिंग

हवाई यात्रा का नाम सुनते ही लोगों को सिर्फ लंबी दूरी या फिर कुछ घंटों की फ्लाइट दिमाग में आती होगी, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि दुनिया की सबसे छोटी हवाई यात्रा कितनी लंबी हो सकती है? दो घंटे की या फिर इससे भी कम? लेकिन ये जवाब बिल्कुल गलत होगा। दरअसल दुनिया में एक ऐसा भी फ्लाइट टूर है जो टेकऑफ के बाद कुछ ही सेकेंड में लैंडिंग भी कर लेता है।

गिनीज बुक में दर्ज है रूट का नाम

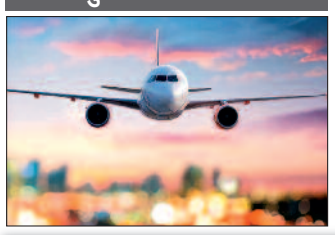

80 सेकेंड में आ जाती है मंजिल

अक्सर आपने सुना होगा कि फ्लाइट्स की यात्रा का समय घंटों का होता है लेकिन वेस्ट्रे और पापा वेस्ट्रे के बीच की यह उड़ान सिर्फ 80 सेकेंड में ही पूरी हो जाती है और कई बार तो यह यात्रा सिर्फ 53 सेकेंड में भी पूरी हो जाती है, जिसके कारण ही इसका रिकॉर्ड गिनीज बुक में भी दर्ज है।

मात्र 2.7 किलोमीटर की फ्लाइट

दरअसल, आज हम बात कर रहे हैं स्कॉटलैंड के ऑर्किनी द्वीप समूह में स्थित वेस्ट्रे और पापा वेस्ट्रे द्वीपों के बीच की उड़ान की। यह उड़ान गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दुनिया की सबसे छोटी कॉमर्शियल फ्लाइट में रूप में दर्ज है। आपको बता दें कि इस यात्रा की दूरी सिर्फ 2.7 किलोमीटर है। इसे पूरा करने में विमान को मात्र 80 सेकेंड लगते हैं। वहीं, अगर कभी हवा की दिशा अनुकूल हो तो इस फ्लाइट को अपनी डेस्टिनेशन पर पहुंचने में सिर्फ 53 सेकेंड ही लगते हैं।

दोनों द्वीप के बीच समुद्र में पुल नहीं

मात्र कुछ ही सेकेंड्स की फ्लाइट्स को सुनकर आपके मन में भी ये सवाल आ रहा होगा कि आखिर यहां के लोग इतनी छोटी सी यात्रा से फ्लाइट क्यों पकड़ते हैं। दरअसल, इन दोनों द्वीपों के बीच कोई सड़क या पुल नहीं बना है और समुद्र भी ऐसा है कि नाव से यात्रा करना भी मुश्किल है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रत्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com